शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

# विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 211 | गुवाहाटी | गुरुवार, 29 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

विज्ञान में युवाओं की रुचि बढ़ाना ही राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने का उद्देश्य : राज्यपाल पेज 2

अपहृत एएसपी को बचाने के 22 घंटे बाद भी इंफाल में अभी स्थिति तनावपूर्ण पेज 3

2014 से भी बेहतर माहौल, आज प्रभु राम भी हमारे साथ : योगी आदित्यनाथ पेज 5

बीसीसीआई ने जारी की केंद्रीय अनुबंध सूची, श्रेयस अय्यर और ईशान किशन... पेज 7

### जामताड़ा में दर्दनाक हादसा

# ट्रेन की चपेट में आने से 12 की मौत, कई घायल

**जामताड़ा।** झारखंड के जामताड़ा जिले में बुधवार रात दर्दनाक ट्रेन हादसा हुआ। कलझारिया के पास 12 लोग ट्रेन की चपेट में आ गए, जिनकी ट्रेन से कटने से मौत हो गई। वहीं इस हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं। इनमें से कई की हालत गंभीर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि ये सभी अंग एक्सप्रेस में सवार थे। तभी किसी ने अंग एक्सप्रेस में आग लगने की सूचना फैला दी। आनन-फानन में यात्री चलती ट्रेन से रेलवे ट्रैक पर कूद गए। इसी बीच सामने से आ रही झाझा-आसनसोल ट्रेन यात्रियों के ऊपर से गुजर गई। अब तक मिल रही जानकारी के मुताबिक, जामताड़ा-करमाटांड़ के कलझारिया के पास करीब 12 लोगों की ट्रेन की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई है। वहीं इस हादसे में कई अन्य लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। ट्रेन हादसे के बाद मौके पर रेलवे पुलिस और स्थानीय प्रशासन पहुंच गया है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया जा रहा है। काफी संख्या में स्थानीय लोग भी पुलिस-प्रशासन की मदद के लिए घटनास्थल पर मौजूद हैं। हालांकि स्थानीय लोगों ने बताया कि जामताड़ा-करमाटांड़ के बीच कालाझरिया रेलवे हॉल्ट पर -शेष पृष्ठ दो पर

# असम कांग्रेस को बड़ा झटका : राणा गोस्वामी ने दिया इस्तीफा, भाजपा में हो सकते हैं शामिल

**गुवाहाटी।** कांग्रेस की असम इकाई के दिग्गज नेता राणा गोस्वामी बुधवार को पार्टी से इस्तीफा देकर नई दिल्ली रवाना हो गए जहां उनके भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने की संभावना है। गोस्वामी ने रविवार को *विभिन्न राजनीतिक कारणों* का हवाला देते हुए पार्टी के संगठन प्रभारी (ऊपरी असम) के पद से इस्तीफा दे दिया था। कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि मैं यह कहना चाहता हूं कि मैं असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष और कांग्रेस के एक सक्रिय सदस्य के रूप में अपना इस्तीफा दे

रहा हूं। राज्य की सत्तारूढ़ पार्टी के सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल को इस्तीफा भेजने के तुरंत बाद गोस्वामी नई दिल्ली के लिए रवाना हो गए, जहां वह मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा की मौजूदगी में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर सकते हैं। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता देबब्रत सैकिया ने संवाददाताओं से कहा कि गोस्वामी ने पार्टी छोड़ने का कोई कारण नहीं बताया है। सैकिया ने कहा कि उन्होंने (गोस्वामी) पार्टी छोड़ने का कोई कारण नहीं बताया। अगर कोई कारण बताया जाता है तो -शेष पृष्ठ दो पर

## गोस्वामी को पार्टी छोड़ने का कारण बताना चाहिए : देबब्रत

**गुवाहाटी।** असम विधानसभा में विपक्ष के नेता और सीएलपी नेता देबब्रत सैकिया ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देने वाले राणा गोस्वामी को सार्वजनिक रूप से सामने आना चाहिए और पार्टी छोड़ने का कारण बताना -शेष पृष्ठ दो पर

## भारतीय मुसलमानों का सीएए से कोई लेना-देना नहीं : मौलाना रजवी

**बरेली।** नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) लागू करने को लेकर फैलाए जा रहे भ्रम को दूर करने के लिए बरेलवी मौलाना शहाबुद्दीन रजवी आगे आए हैं। उन्होंने इसका विरोध न करने की नसीहत मुसलमानों को दी है। मौलाना ने कहा कि सीएएए कानून का भारतीय मुसलमानों से कोई लेना देना नहीं है, इस कानून से डरने की जरूरत नहीं है। लोग राजनीतिक फायदा उठाने के लिए मुस्लिमों को भड़का रहे हैं। केंद्र सरकार की ओर से सीएए लागू होने के बाद मुसलमानों के हक प्रभावित होंगे, ऐसा कहकर मुसलमानों को डराया -शेष पृष्ठ दो पर

## म्यांमार सीमा पर बाड़ेबंदी के फैसले के खिलाफ मिजोमर विस में प्रस्ताव पारित

**एजल।** म्यांमार से घुसपैठ को रोकने के लिए केंद्र ने भारत और म्यांमार सीमा पर बाड़ेबंदी और पड़ोसी देश म्यांमार से मुक्त आवाजाही व्यवस्था (एफएमआर) को खत्म करने का फैसला किया था। केंद्र के निर्णय के खिलाफ मिजोरम विधानसभा में बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया गया, जिसमें केंद्र से फैसले पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया गया है। गौरतलब है कि मिजोरम के गृह मंत्री सपडांगा ने इस सदन में पेश किया था। मिजोरम विधानसभा में प्रस्ताव पेश करते हुए राज्य के गृह मंत्री सपडांगा ने कहा कि अंग्रेजों ने भारत-म्यांमार सीमा का सीमांकन किया और जातीय लोगों की भूमि को दो देशों में विभाजित कर दिया। *जो जातीय* लोग, सदियों -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

## गुजरात तट से 3300 किलो ड्रग्स बरामद, पांच विदेशी तस्कर भी गिरफ्तार

**अहमदाबाद।** भारतीय नौसेना, गुजरात पुलिस और स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) ने एक संयुक्त अभियान में गुजरात तट के पास अरब सागर में एक नौका से अब तक की नशीले पदार्थों की जब्ती के तहत 3,300 किलोग्राम मादक पदार्थ बरामद किए और इस संबंध में पांच विदेशियों को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार यह नौका एक ईरानी बंदरगाह से आई थी। अधिकारियों का कहना है कि यह अब तक की किसी भी कार्रवाई में समुद्र से जब्त किए गए मादक पदार्थ की सबसे बड़ी खेप है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने भारतीय नौसेना, गुजरात पुलिस और स्वापक नियंत्रण ब्यूरो द्वारा की गई इस संयुक्त कार्रवाई को एक *ऐतिहासिक सफलता* और देश को मादक पदार्थ मुक्त बनाने की दिशा में केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार की अटूट प्रतिबद्धता का एक प्रमाण -शेष पृष्ठ दो पर

## *2029 तक देश में एक साथ हो सकते हैं चुनाव विधि आयोग संविधान में जोड़ेगा नया अध्याय*

**नई दिल्ली।** विधि आयोग संविधान में *एक राष्ट्र, एक चुनाव* पर एक नया अध्याय जोड़ने और 2029 के मध्य तक देशभर में लोकसभा, राज्य विधानसभाओं और स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ कराने की लोकतांत्रिक प्रक्रिया की सिफारिश कर सकता है। सूत्रों ने कहा कि न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) ऋतुराज अवस्थी की अध्यक्षता वाला आयोग एक साथ चुनावों पर *नया अध्याय या खंड* जोड़ने के लिए संविधान में संशोधन की सिफारिश करेगा। आयोग अगले पांच वर्षों में *तीन चरणों* में विधानसभाओं के कार्यकाल को एक साथ करने की भी सिफारिश करेगा, ताकि देशभर में पहली बार एक साथ चुनाव मई-जून 2029 में 19वीं लोकसभा के चुनाव के साथ हो सकें। सूत्रों ने बताया कि संविधान के नए अध्याय में *एक साथ चुनाव, एक साथ चुनावों की स्थिरता* और लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, पंचायतों और नगरपालिकाओं के लिए *सामान्य मतदाता सूची* से संबंधित मुद्दे शामिल होंगे, ताकि त्रि-स्तरीय चुनाव एक साथ *एक ही बार में* हो सकें। जिस नए अध्याय की सिफारिश की जा रही है, उसमें विधानसभाओं की शर्तों से संबंधित संविधान के अन्य प्रावधानों को खत्म करने की अस्तित्वहीन शक्ति के प्रावधान किए जाएंगे। यदि कोई सरकार अविश्वास के कारण गिर जाती है या त्रिशंकु सदन होता है, तो आयोग विभिन्न राजनीतिक दलों के -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
कल का कार्य आज ही कर लें।
- आचार्य चाणक्य

## शाहजहां को गिरफ्तार करने के लिए सीबीआई-ईडी स्वतंत्र : एचसी

**कोलकाता।** कलकत्ता उच्च न्यायालय ने बुधवार को कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के कद्दावर नेता शेख शाहजहां को गिरफ्तार कर सकते हैं, जो 5 जनवरी से फरार हैं। काफी समय तक उस व्यक्ति को पकड़ा नहीं जा सका। कोर्ट ने सिर्फ विशेष जांच दल के गठन पर रोक लगाई है। मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणम और न्यायमूर्ति हिरण्मय भट्टाचार्य की खंडपीठ ने कहा कि इसलिए, फरार आरोपियों को गिरफ्तार करने का अधिकार सीबीआई या ईडी के पास भी है। अदालत हालिया संदेशखाली अशांति से संबंधित -शेष पृष्ठ दो पर

## सऊदी अरब में रमजान के दौरान मस्जिदों में अब नहीं होगी इफ्तार पार्टी

**रियाद।** सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अल सऊद के आदेश पर मस्जिदों के अंदर इफ्तार परोसने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। नए आदेश के अनुसार, रमजान के दौरान पूरे देश की मस्जिदों के अंदर इफ्तार पार्टी नहीं हो सकेगी। क्राउन प्रिंस सलमान के इस आदेश में कहा गया है कि मस्जिदों के इमामों को आगामी पवित्र महीने के दौरान उपासकों को इफ्तार कराने के लिए दान जुटाने से भी रोक दी गई है। यह कदम इस्लामिक मामलों मंत्रालय के रमजान से जुड़े उपायों का हिस्सा हैं। मंत्रालय ने बता कि मस्जिदों को साफ रखने के लिए इनके अंदर इफ्तार परोसने पर प्रतिबंध लगाया गया है। निर्देश के अनुसार भोज कंपाउंड में पहले से तय किए गए स्थान पर इफ्तार आयोजित किया जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त, -शेष पृष्ठ दो पर

## गाजा में 5.76 लाख लोग भुखमरी की कगार पर : यूएन

**संरा।** गाजा की कम से कम एक चौथाई आबादी यानी 5,76,000 लोग भुखमरी से सिर्फ एक कदम दूर हैं और पूरी आबादी खाद्य सामग्री की गंभीर जरूरत से जूझ रही है। इसके परिणामस्वरूप भूख से तड़प रहे लोग न सिर्फ राहत सामग्री वाले ट्रकों पर गोलियां चला रहे हैं बल्कि उन ट्रकों को लूट भी रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र (संरा) के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को -शेष पृष्ठ दो पर

## न्यूज गैलरी

### मुस्लिम कांफ्रेंस जम्मू और भट गुट गैर कानूनी घोषित

**नई दिल्ली (हि.स.)।** केंद्र सरकार ने मुस्लिम कांफ्रेंस जम्मू और कश्मीर (सुमजी गुट) और मुस्लिम कांफ्रेंस जम्मू और कश्मीर (भट गुट) को गैरकानूनी संगठन घोषित किया है। गृह मंत्री ने इस बारे में ट्वीट कर कहा कि सरकार ने आतंकवादी नेटवर्कों पर कठोर कार्रवाई करते हुए यह फैसला लिया है। ये संगठन देश की संप्रभुता और अखंडता के खिलाफ गतिविधियों में शामिल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आतंकवाद को उखाड़ फेंकने के लिए प्रतिबद्ध है और गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल किसी भी व्यक्ति को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे।

*केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री (राज्य) डॉ. रामदास अठावले के असम आगमन पर बोरझार हवाई अड्डे में उनका स्वागत करतीं डॉ. आसमां बेगम।*

*राज्य के बरपेटा जिले में संविधान सम्मान बैठक को संबोधित करते केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री (राज्य) डॉ. रामदास अठावले और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के पर्यवेक्षक विनोद निक्कलजी के साथ अन्य कार्यकर्तागण।*

**CLASSIFIED**

For all kinds of classified advertisements please contact

**97070-14771**
**86382-00107**

**MURTI AVAILABLE**

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

# वर्ष 2030 तक दुनिया में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाले हैं : राष्ट्रपति

**रांची ( हि.स. )।** राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने झारखंड सेंट्रल यूनिवर्सिटी (सीयूजे) के विद्यार्थियों से देश की समृद्धि और विकास में अहम योगदान देने की अपील की। यूनिवर्सिटी के चेरी मनातू (रांची) स्थित परिसर में बुधवार को आयोजित तीसरे दीक्षांत समारोह में उन्होंने कहा कि हमारे देश के युवा इस देश के सबसे बड़े प्राकृतिक संसाधन हैं। आबादी में 55 प्रतिशत से अधिक युवा वर्ग के ही हैं। वर्ष 2030 तक दुनिया में हम तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने वाले हैं। मुर्मू ने कहा कि 2047 तक शिक्षित और समृद्ध भारत बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए अनुकूल परिस्थितियों को बनाना होगा। ऐसे में यहां के जिन युवाओं को पढ़ाई के बाद मेडल मिला है, वे अपने लिए अच्छा जीवन का निर्माण ही नहीं, देश और समाज के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। विश्व गुरु बनने के सपने को पूरा करने और आने वाली पीढ़ी को इसका लाभ देने के लिए यह जरूरी है कि युवा जिस क्षेत्र में कार्यरत हों, समृद्ध और विकसित भारत के निर्माण के लिए काम करें। राष्ट्रपति ने कहा कि बाबा बैद्यनाथ की पुण्य भूमि पर स्थित झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में आकर मुझे विशेष हर्ष का अनुभव हो रहा है। मैं आज उपाधि प्राप्त करने वाले सभी विद्यार्थियों को बधाई देती हूं। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को मैं विशेष बधाई देती हूं। मैं सभी विद्यार्थियों के माता-पिता, अभिभावकों और प्राध्यापकों को भी बधाई देती हूं, जिन्होंने विद्यार्थियों की यात्रा के हर पढ़ाव पर उनका साथ दिया है और मार्गदर्शन किया है। मुर्मू ने कहा कि सीयूजे कैंपस के पास से ही स्वर्णरेखा नदी बहती है। ऐसा कहा जाता है कि स्वर्णरेखा नदी का जल सेवन मात्र से ही मनुष्य को ज्ञान की प्राप्ति हो जाती है। ऐसी भूमि और नदी के सान्निध्य में शिक्षा प्राप्त करना आपके लिए सौभाग्य की बात है। आपके विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य है *ज्ञानात् ही बुद्धि कौशलम*। इसका अर्थ है, ज्ञान से ही बुद्धि और कौशल का विकास होता है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभी विद्यार्थी इस संस्थान से मिले ज्ञान का सार्थक उपयोग करेंगे। अब आप सब को जीवन की जटिल परिस्थितियों का सामना करना होगा और अपने ज्ञान से इसका हल प्राप्त करना होगा। मुर्मू ने कहा कि राष्ट्रपति भवन में पद्म पुरस्कार प्रदान करते समय, शिक्षण संस्थानों के दीक्षांत समारोहों में, विभिन्न सेवाओं के प्रशिक्षु अधिकारियों से मिलते समय मुझे अहसास होता है कि आज हमारी महिलाएं और बेटियां सभी क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही हैं। मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हुई कि आज स्वर्ण पदक प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों में हमारी बेटियों की संख्या लगभग 50 प्रतिशत है। स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली बेटियों को मैं विशेष रूप से शुभाशीष देती हूं। प्रत्येक बाधा एवं अवरोध को पार करके आपके द्वारा प्राप्त की गई सफलता, हमारे समाज के लिए तथा सुनहरे भविष्य का सपना संजोने वाली हर बेटी के लिए प्रेरणास्रोत हैं। मुर्मू कहा कि झारखंड केंद्रीय विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित शिक्षा पद्धति को अपनाया है। मुझे यह जानकर खुशी हुई है कि इस संस्थान द्वारा स्थानीय भाषा, साहित्य एवं संगीत की सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजने एवं बढ़ावा देने के लिए विशेष सेंटर्स बनाए गए हैं। चेरी मनातू कैंपस ग्रीन आर्किटेक्ट को ध्यान में रखते तैयार किया गया है। इस संस्थान का ब्रांबे कैंपस भी प्रकृति के निकटता को दिखाता है। बगैर पेड़ काटे इको फ्रेंडली बनाया गया है। यह पर्यावरण संरक्षण के लिए अच्छा प्रयास है। हमें इको फ्रेंडली होना ही होगा। द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि झारखंड आने पर उन्हें लगता है कि वे अपने घर वापस आई हैं। यहां उन्होंने पूर्व में राज्यपाल के तौर पर धरती आबा बिरसा मुंडा की धरती पर जनसेवा करने का काम किया है। यहां के जनजातीय भाई बहनों से जुड़ाव रहा है। इसलिए नहीं कि वे आदिवासी हैं। जैसे परिवार में शारीरिक-मानसिक रूप से पिछड़े रहने वाले को ज्यादा ध्यान देते हैं, उसी भाव से विकास की दौड़ में पीछे रह गए लोगों के लिए सोचना चाहिए। कैसे उनका पूर्ण विकास हो। जनजातीय भाई लोग भी विकास की मुख्य धारा से जुड़े रहें। राष्ट्रपति ने कहा कि आदिवासी समाज के पास पारंपरिक ज्ञान का भंडार है। उनके जीवन शैली से हम सीख पाएं तो ग्लोबल वार्निंग की चुनौतियों से जूझ पाएंगे, उसे हरा सकेंगे। राष्ट्रपति मुर्मू ने दीक्षांत समारोह में तीन विद्यार्थियों को चांसलर मेडल दिया। चांसलर मेडल पाने वाले स्टूडेंट्स में इंटीग्रेटेड एमटेक के शुभम भट्टाचार्य, एमटेक के उत्पल और एमएससी के अभिजीत गांगुली शामिल हैं। राष्ट्रपति ने दीक्षांत समारोह में 67 मेडल प्रदान किए, जिसमें 58 स्टूडेंट्स को गोल्ड मेडल मिला जबकि 29 को पीएचडी डिग्री प्रदान की गयी। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रपति बनने के बाद द्रौपदी मुर्मू दूसरी बार रांची पहुंची हैं। इसके पहले 24 मई को वे तीन दिवसीय दौरे में रांची पहुंची थी। झारखंड हाई कोर्ट के नवनिर्मित भवन के उद्घाटन, खूंटी में केंद्रीय जनजातीय मंत्रालय की ओर से बिरसा कॉलेज कैंपस में महिलाओं के लिए आयोजित समारोह और रांची के

## चार दिवसीय प्रवास पर आज पटना पहुंचेंगे भागवत

**पटना ( हि.स. )।** राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ मोहन भागवत बिहार के चार दिवसीय प्रवास पर गुरुवार, 29 फरवरी को पटना पहुंचेंगे। पटना में वह 03 मार्च तक रहेंगे और संघ के शताब्दी वर्ष से जुड़े कार्यक्रमों की तैयारियों की समीक्षा करेंगे। संघ के प्रचार विभाग के मुताबिक डॉ. भागवत इस चार दिवसीय प्रवास में कई महत्वपूर्ण बैठकों में मौजूद रहेंगे। तीन मार्च की सुबह पटना महानगर के स्वयंसेवकों के एक कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। उल्लेखनीय है कि संघ की स्थापना नागपुर में वर्ष 1925 में विजयादशमी के दिन हुई थी। वर्ष 2025 में संघ की स्थापना के 100 वर्ष हो जाएंगे। शताब्दी वर्ष पर संघ का लक्ष्य देश के प्रत्येक न्याय पंचायत में शाखा शुरू करने का है।

## हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

**कछार ( हिंस )।** कछार पुलिस ने प्रतिबंधित नशीला पदार्थ हेरोइन के साथ ही दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। कछार पुलिस अधीक्षक नोमल महत्ता ने आज बताया है कि कलैन रोड पर संदिग्ध प्रतिबंधित सामग्री के परिवहन के संबंध में एक इनपुट के आधार पर, एक काले रंग की टाटा हैरियर कार (एएस-11जेड-2322) को अरुणाचल आउट पोस्ट के सामने रोका गया। गहन तलाशी के दौरान कार से 15 साबुनदानी में छिपाकर लाए गए हेरोइन को बरामद किया गया। बरामद हेरोइन की कीमत करोड़ों रुपए आंकी गई है। इस संबंध में कार में सवार दो व्यक्तियों अबुल हुसैन मजूमदार और रूहुल अमीन मजूमदार को गिरफ्तार किया गया। दोनों तस्कर राजघाट थाना- धोलई थानांतर्गत राजघाट के निवासी हैं। पुलिस ने इस संबंध में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की विधिसम्मत कार्रवाई शुरू की है।

# विज्ञान में युवाओं की रुचि बढ़ाना ही राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाने का उद्देश्य : राज्यपाल

**गुवाहाटी ( हिंस )।** असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस युवाओं के लिए बहुत महत्व है, क्योंकि यह न केवल विज्ञान के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक खोज का स्मरण करता है, बल्कि राष्ट्र के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए वैज्ञानिक अनुसंधान और नवाचार के महत्व को उजागर करने के लिए एक मंच के रूप में भी कार्य करता है। राज्यपाल बुधवार को असम प्रशासनिक स्टाफ कॉलेज में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर एक वैज्ञानिक समुदाय के समूह को संबोधित कर रहे थे। कटारिया ने कहा कि सर सीवी रमन के रमन प्रभाव की खोज की स्मृति में पूरे देश में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया जाता है, लेकिन यह दिन वर्तमान पीढ़ी के लिए बहुत महत्व रखता है। उन्होंने कहा कि इस दिवस को मनाने का उद्देश्य विज्ञान में युवा पीढ़ी की रुचि बढ़ाना भी है। राज्यपाल कटारिया ने कहा कि राष्ट्र ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है। चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग और कोविड-19 महामारी के दौरान भारत की मजबूत वैक्सीन विकास क्षमता उल्लेखनीय उपलब्धियां हैं। राज्यपाल ने आदित्य एल-1 के बारे में बताते हुए कहा कि इसने सूर्य के करीब पहुंचकर अंतरिक्ष में नया इतिहास रच दिया है। राज्यपाल ने कहा कि भारत खगोल विज्ञान, अंतरिक्ष अनुसंधान, जैव प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसे विभिन्न क्षेत्रों में मानव कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। इस वर्ष राष्ट्रीय विज्ञान दिवस की थीम *विकासशील भारत के लिए स्वदेशी प्रौद्योगिकियां* को लेकर कटारिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत विज्ञान, प्रौद्योगिकी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नई सफलता प्राप्त कर रहा है। आत्मनिर्भर भारत की नींव को मजबूत करने के लिए, सरकार ने नवाचार, उद्यमिता और स्टार्टअप को बढ़ावा दिया है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के माध्यम से देश को आत्मनिर्भर बनाने पर भी जोर दिया जा रहा है। राज्यपाल ने कहा कि देश में वैज्ञानिक नवाचारों और खोजों का समृद्ध इतिहास रहा है। भारतीय नौसेना का गौरव आईएनएस विक्रांत देश का पहला स्वदेश विकसित विमानवाहक पोत है। इसके अलावा, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने कई वैमानिकी प्रणालियों, मिसाइलों और इलेक्ट्रॉनिक प्रौद्योगिकियों का विकास किया है। राज्यपाल ने विज्ञान और प्रौद्योगिकी के लिए एक अलग विश्वविद्यालय शुरू करने के लिए भी सरकार की सराहना की।

## मेरापानी में प्रतिबंधित मादक पदार्थों के साथ दो दबोचे

**गोलाघाट ( हिंस )।** अंतर्राजीय सीमावर्ती इलाके में तैनात सीआरपीएफ की 142वीं बटालियन ने प्रतिबंधित मादक पदार्थ के साथ दो लोगों को पकड़ा है। इनमें एक नाबालिग और दूसरा पुलिसकर्मी का बेटा है। सीआरपीएफ जवानों ने बुधवार को मेरापानी में संजू मंडल नामक व्यक्ति के आवास पर छापा मार कर बड़ी मात्रा में प्रतिबंधित नशे की नौ पैकेट में 4840 नशे की गोलियां जब्त कीं। पुलिस ने संजू मंडल के दामाद अच्युत दास और सुतिया उपाधिधारी (नाबालिग) को दबोच लिया है। अच्युत दास के अपने पिता के बारे में बताया कि वह असम पुलिस में कार्यरत हैं। सीआरपीएफ ने आगे की जांच के लिए दोनों को पुलिस को सौंप दिया।

## तस्करों के चंगुल से पांच गायों को बचाया गया, वाहन जब्त

**कछार ( हिंस )।** गुप्त सूचना के आधार पर कछार जिला में कार्रवाई करते हुए पुलिस की टीम ने लखीपुर थाना क्षेत्र के गोबिंदपुर से 5 गायें बरामद की है। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि सूचना मिली थी कि तस्कर गायों को टाटा मैजिक के जरिए ले जा रहे है। पुख्ता सूचना के आधार पर पुलिस ने पांच गायों को तस्करों के चंगुल से छुड़ा लिया। हालांकि, पुलिस को देख तस्कर मौके से फरार हो गये। पुलिस इस संबंध में आगे की जांच जारी रखे हुए है।

## ड्रग्स के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी के फाटासील आमबारी इलाके से पुलिस ने ड्रग्स की तस्करी मामले में एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान आज सुबह 8.30 बजे क्राइम ब्रांच की टीम ने ड्रग्स की तस्करी मामले में सुब्रत सरकार (23,दिसपुर) को ड्रग्स समेत गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार ड्रग्स तस्कर के पास से पुलिस ने प्लास्टिक के छोटी-छोटी 30 सीसी हेरोइन बरामद किया है। जिसकी वजन लगभग 4.20 ग्राम आंका गया है। वहीं पुलिस ने तस्कर के पास से एक पल्सर बाइक (एएस-01एफजे-8026) भी जब्त किया है। पुलिस इस संबंध में एनडीपीएस एक्ट के तहत एक प्राथमिक की दर्ज कर गिरफ्तार तस्कर से सघन पूछताछ कर रही है।

# पृष्ठ एक का शेष

### ट्रेन की चपेट ...

आसनसोल-झाझा पैसेंजर ट्रेन रुकी थी, जिससे यात्री नीचे उतरे हुए थे। इसी दौरान भागलपुर-यशवंतपुर एक्सप्रेस ट्रेन गुजर रही थी, जिसके चपेट में लोग आ गए। इस मामले पर रेलवे का बयान आ गया है। रेलवे की तरफ से आग लगने की आशंका वाली बात नहीं कही गई है। बताया गया कि ट्रेन नंबर 12254 अलार्म चेन खींचने की वजह से रुकी हुई थी। तब ही दो लोग ट्रैक पर आ गए जिनको एमईएम ट्रेन ने कुचल दिया। रेलवे के मुताबिक, आग लगने की कोई घटना नहीं हुई थी। रेलवे का कहना है कि मारे जाने वाले ट्रेन के यात्री नहीं थे। इस मामले की जांच के लिए तीन सदस्यों की कमेटी बना दी गई है।

### असम कांग्रेस को ...

हम विश्लेषण कर स्थिति को सुधारने के लिए उचित कदम उठा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पार्टी को गोस्वामी के फैसले को लेकर थोड़ी-बहुत जानकारी थी क्योंकि वह कई राजनीतिक कार्यक्रमों से अनुपस्थित रहे थे लेकिन उन्हें कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष के साथ अपनी शिकायतों पर चर्चा करनी चाहिए थी। सैकिया ने कहा कि गोस्वामी के इस्तीफे से कांग्रेस पर असर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि मैं इससे इनकार नहीं करूंगा लेकिन हम पार्टी को मजबूत करने के अपने प्रयास जारी रखेंगे। गोस्वामी के पाला बदलने की अटकलों के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा था कि उन्हें इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। शर्मा ने कहा कि वह (गोस्वामी) कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे हैं और अगर वह भाजपा में शामिल होते हैं तो मैं उनके फैसले का स्वागत करूंगा।

### गोस्वामी को पार्टी ...

चाहिए। सैकिया ने कहा कि गोस्वामी को अपनी वे शिकायतें सार्वजनिक रूप से बतानी चाहिए जिनकी वजह से उन्होंने कांग्रेस पार्टी से बाहर निकलने का फैसला किया। मुझे लगता है कि कांग्रेस ने उन्हें एक समर्पित कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में जो भी जगह मिल सकती थी, दी है। हालांकि, हाल ही में, वह पार्टी से असंतुष्ट रहे होंगे। इसलिए उन्होंने पार्टी छोड़ दी। या अन्य चीजें हैं जो हम नहीं जानते हैं सैकिया ने कहा कि उन्हें उस पार्टी के खिलाफ जाने के लिए मजबूर किया गया जिसकी उन्होंने इतने लंबे समय तक सेवा की है। इसलिए राणा जी से मेरी अपील है कि उन्हें सार्वजनिक रूप से सामने आना चाहिए और कारण बताना चाहिए कि उन्होंने उस पार्टी से इस्तीफा क्यों दिया है जिसकी उन्होंने इतने लंबे समय तक सेवा की। सैकिया का बयान वरिष्ठ कांग्रेस नेता राणा गोस्वामी द्वारा आज असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कार्यकारी अध्यक्ष और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के सक्रिय सदस्य के रूप में अपना इस्तीफा देने के बाद आया है। ऊपरी असम के संगठनात्मक प्रभारी के रूप में अपनी भूमिका से इस्तीफा देने वाले गोस्वामी के 4 मार्च को भाजपा में शामिल होने की संभावना है। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता ने आगे कहा कि गोस्वामी को अपने बाहर निकलने का कारण बताना चाहिए क्योंकि इससे उन्हें कांग्रेस पार्टी के भीतर स्थिति को सुधारने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि उन्हें यह जरूर बताना चाहिए कि उन्होंने ऐसा क्यों किया। क्या मेरी अपनी पार्टी के खिलाफ कोई शिकायत है। या नेतृत्व के खिलाफ कुछ शिकायतें हैं। या अगर अन्य व्यक्तिगत कारण हैं जो हम नहीं जानते हैं, तो इससे हमें मदद मिलेगी। सैकिया ने कहा कि हमारी पार्टी को बेहतर बनाने के लिए। अगर हममें कोई गलती है तो उन्हें बताना चाहिए। क्योंकि ऐसी चीज से पार्टी को बढ़ने में मदद मिलेगी। और भारतीय लोकतंत्र में विरोध जरूरी है। मामले से जुड़े एक सूत्र ने खुलासा किया कि राणा गोस्वामी 28 फरवरी को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा और बाद में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात करेंगे। सूत्रों ने आगे बताया कि एआईसीसी के महासचिव केसी वेणुगोपाल ने राणा गोस्वामी से संपर्क किया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। गोस्वामी ने एपीसीसी प्रमुख भूपेन बोरा को भेजे गए त्याग पत्र में अपने फैसले के पीछे *कई राजनीतिक कारणों* का हवाला दिया। गोस्वामी ने बोरा को लिखे अपने पत्र में कहा कि मैं कहना चाहता हूं कि दुर्भाग्य से मैं विभिन्न राजनीतिक कारणों से धेमाजी, लखीमपुर, शोणितपुर और बिश्वनाथ जिलों सहित ऊपरी असम के संगठनात्मक प्रभारी के रूप में अपना इस्तीफा दे रहा हूं। 14 फरवरी को, दो कांग्रेस विधायकों - कमलाख्या डे पुरकायस्थ, जो कार्यकारी अध्यक्ष थे, और बसंत दास, जो तरुण गोगोई सरकार में मंत्री थे - ने सबसे पुरानी पार्टी छोड़े बिना *सरकार का समर्थन* करने की घोषणा की। दोनों विधायक दो अन्य कांग्रेस विधायकों - शशिकांत दास और पूर्व मंत्री सिद्दीकी अहमद - के समूह में शामिल हो गए, जो भी *सरकार में शामिल हो गए थे* लेकिन विपक्षी पार्टी के विधायकों का हिस्सा हैं।

### भारतीय मुसलमानों का...

जा रहा है। सीएए का समर्थन करते हुए आल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना मुफ्ती शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने कहा कि यह कानून केंद्र सरकार बहुत पहले लेकर आई थी और लागू करना चाहती थी, लेकिन हकीकत जाने बगैर ही इसका विरोध प्रदर्शन शुरू हो गया। इसलिए सरकार ने सीएए लागू नहीं किया। मौलाना ने कहा कि सीएए का अध्ययन करने पर पता चला कि कानून से भारत के मुसलमानों का कोई लेना देना नहीं है, बल्कि यह कानून उन लोगों से संबंध रखता है जो अफगानिस्तान, पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका और बर्मा से आए हुए है, जो अभी भारत में रह रहे हैं, लेकिन उनको अब तक नागरिकता नहीं मिली है। ऐसे लोगों को नागरिकता दी जाएगी। इस कानून में भारत में रह रहे करोड़ों मुसलमानों की नागरिकता पर कोई प्रश्न चिन्ह नहीं लगना है। सदियों से यहां रहने वाले मुसलमानों की नागरिकता को छीनना मुमकिन नहीं है। मुसलमानों को इस कानून के नाम पर डराने वालों को इसे पढ़ लेना चाहिए। मौलाना ने लोकसभा चुनाव के दौरान मुस्लिमों को होशियार रहने की सलाह दी है कि इस कानून से भारतीयों को न तो नागरिकता दी जाएगी और न छीनी जाएगी।

### म्यांमार सीमा पर ...

से मिजोरम और म्यांमार की चिन पहाड़ियों में बसे हुए हैं और जो कभी अपने प्रशासन के तहत एक साथ रहते थे। अंग्रेजों के भारत में कब्जा करने के बाद उन्होंने लोगों को दो देशों में बांट दिया। गृह मंत्री सपडांगा ने कहा कि जो जातीय लोग भारत-म्यांमार सीमा को स्वीकार नहीं कर सकते, जिसे अंग्रेजों ने थोपा था। वे एक ही प्रशासनिक इकाई के तहत पुनर्मिलन का सपना देख रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ लगाना या एफएमआर को खत्म करना इनके हित में नहीं है। जो जातीय के लोग इसे स्वीकार नहीं करेंगे। गौरतलब है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने छह फरवरी को घोषणा की थी कि पूरी भारत-म्यांमार सीमा पर बाड़ेबंदी की जाएगी। दो दिन बाद आठ फरवरी को अमित शाह ने कहा कि केंद्र ने देश की आंतरिक सुरक्षा और पूर्वोत्तर राज्यों की जनसांख्यिकीय संरचना को बनाए रखने के लिए भारत-म्यांमार एफएमआर को खत्म करने का फैसला किया है। इसके खिलाफ मिजोरम विधानसभा में एक प्रस्ताव पेश किया गया। गृह मंत्री सपडांगा ने आरोप लगाया कि हालिया फैसला मणिपुर सरकार की मांगों से प्रेरित दिखाई देता है।

### गुजरात तट से 3300...

बताया है। मछली पकड़ने वाली अपंजीकृत नौका को मंगलवार सुबह अरब सागर में भारतीय तट से लगभग 60 समुद्री मील दूर और अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के पास रोका गया था। नौसेना ने अपने समुद्री टोही विमान पी8आई और एक युद्धपोत पर समुद्री कमांडो और हेलीकॉप्टर तैनात किए। एनसीबी ने कहा कि जब्त किए गए लगभग 3,300 किलोग्राम प्रतिबंधित सामग्री में 3,110 किलोग्राम चरस या हशीश, 158.3 किलोग्राम क्रिस्टल मेथामेफटामाइन और 24.6 किलोग्राम संदिग्ध हेरोइन शामिल है। उसने बताया कि ये मादक पदार्थ उन पैकेट से बरामद किया गया जिन पर रास *अवद गुड्स कंपनी, प्रोड्यूस ऑफ पाकिस्तान* की मुहर लगी हुई है। एजेंसी ने कहा कि मादक पदार्थ का स्रोत ईरान में चाबहार बंदरगाह पाया गया है। एनसीबी महानिदेशक एस एन प्रधान ने दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान संवाददाताओं से कहा कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इस खेप की कीमत 1,300 से 2,000 करोड़ रुपए के बीच होने का अनुमान लगाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि यह देश में समुद्र तट के पास से मादक पदार्थ की अब तक की सबसे बड़ी जब्ती है। हमने देखा है कि पिछले कुछ वर्षों में समुद्री मार्ग के माध्यम से मादक पदार्थ की तस्करी बढ़ गई है और इसलिए हम नौसेना, तटरक्षक, सीमा शुल्क जैसी अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ ऐसी गतिविधियों को रोकने के लिए संयुक्त रूप से काम कर रहे हैं। प्रधान ने कहा कि माक पदार्थ तस्कर अरब सागर में भारतीय तट के जरिये तस्करी का प्रयास करते हैं। यह मादक पदार्थ का उपयोग करके देश को अस्थिर करने के षड्यंत्र का हिस्सा है। समुद्र से आखिरी बड़ी जब्ती मई, 2023 में केरल तट के पास एनसीबी और नौसेना द्वारा 2,500 किलोग्राम की थी। एनसीबी के उप महानिदेशक (संचालन) ज्ञानेश्वर सिंह ने कहा कि मछली पकड़ने वाली नौका को पोरबंदर लाया गया है और उस पर सवार पांच नागरिकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सिंह ने कहा कि वे या तो पाकिस्तानी या ईरानी हो सकते हैं। हालांकि, हमने उनके पास से कोई पहचापत्र बरामद नहीं किया है। इन व्यक्तियों के पास से एक थुराया सैटेलाइट फोन और चार मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। डीडीजी ने कहा कि मादक पदार्थ के पैकेट पर एक पाकिस्तानी खाद्य कंपनी का नाम था और इसलिए उन्हें इस जखीरे के पीछे उस देश का हाथ होने का *संदेह* है, जिसके गंतव्य की जांच की जा रही है। एनसीबी अधिकारियों ने कहा कि मादक पदार्थ परिवहन करने वाले जहाजों पर सवार तस्कर जमीन पर खरीदारों के संपर्क में रहते हैं और एक बार सौदा होने के बाद खेप भारत के सबसे दक्षिणी छोर तक कहीं भी उतारी जा सकती है। डीडीजी सिंह ने कहा कि इस अभियान को *सागरमंथन-1* नाम दिया गया था और संयुक्त दल *पिछले कुछ सप्ताह* से मिली जानकारी पर काम कर रहा था। नौसेना ने सोशल मीडिया मंच पर पोस्ट में कहा कि किसी भी कार्रवाई में जब्त किए गए मादक पदार्थ की यह अब तक की सबसे बड़ी खेप है। एनसीबी के साथ मिलकर भारतीय नौसेना के मिशन के तहत तैनात निगरानी तंत्र के सम्मलित प्रयासों से यह संभव हुआ। एनसीबी महानिदेशक ने कहा कि मादक पदार्थ की तस्करी से निपटना एक मुश्किल कार्य था। गृह मंत्री शाह ने सोशल मीडिया मंच *एक्स* पर एक पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के *मादक पदार्थ मुक्त भारत* के दृष्टिकोण के अनुरूप एजेंसियों ने मादक पदार्थ की बड़ी खेप को जब्त करने में सफलता प्राप्त की है।

### 2029 तक देश ...

प्रतिनिधियों के साथ *एकता सरकार* के गठन की सिफारिश करेगा। यदि *एकता सरकार* का सिद्धांत काम नहीं करता है, तो विधि आयोग सदन के शेष कार्यकाल के लिए नए सिरे से चुनाव कराने की सिफारिश करेगा। एक सूत्र ने बताया कि मान लीजिए कि नए चुनावों की आवश्यकता है और सरकार के पास अब भी तीन साल हैं, तो स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए चुनाव शेष कार्यकाल के लिए होना चाहिए। विधि आयोग के अलावा, पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक उच्च-स्तरीय समिति भी एक रिपोर्ट पर काम कर रही है कि कैसे संविधान और मौजूदा कानूनी ढांचे में बदलाव करके लोकसभा, राज्य विधानसभाओं, नगर पालिकाओं और पंचायतों के लिए एक साथ चुनाव कराए जा सकते हैं। इस साल अप्रैल-मई में होने वाले आगामी लोकसभा चुनावों के साथ कम से कम पांच विधानसभाओं के चुनाव होने की संभावना है, जबकि महाराष्ट्र, हरियाणा और झारखंड में विधानसभा चुनाव इस साल के अंत में होने की उम्मीद है। बिहार और दिल्ली में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं, जबकि असम, पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी और केरल में 2026 में तथा उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब और मणिपुर में 2027 में चुनाव होने हैं। वर्ष 2028 में कम से कम नौ राज्यों- त्रिपुरा, मेघालय, नगालैंड, कर्नाटक, मिजोरम, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव हो सकते हैं।

### शाहजहां को गिरफ्तार ...

याचिकाओं की एक श्रृंखला पर सुनवाई कर रही थी। सत्तारूढ़ टीएमसी के जिला परिषद नेता शाहजहां 5 जनवरी को ईडी अधिकारियों पर हमले से संबंधित मामले में मुख्य आरोपी हैं, जब वे एक कथित राशन घोटाले में छापेमारी करने गए थे। उन्हें संदेशखाली अशांति के पीछे मुख्य आरोपी भी कहा जाता है। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना का एक गांव संदेशखाली 7 फरवरी से उबाल पर है, जब गांव की महिलाएं जमीन पर कब्जा करने और यौन उत्पीड़न के आरोप में शाहजहां और उसके सहयोगियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए सड़कों पर उतर आईं। इससे पहले उनके करीबी सहयोगी शिबाप्रसाद हाजरा और उत्तम सरदार को बंगाल पुलिस ने गिरफ्तार किया था। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने राज्य पुलिस द्वारा शाहजहां की गिरफ्तारी का मार्ग प्रशस्त कर दिया और राज्य सरकार के दावों को खारिज कर दिया कि ताकतवर व्यक्ति की गिरफ्तारी पर रोक थी। न्यायपालिका ने राज्य पुलिस के हाथ बांध दिए थे जैसे दावों को भी कोर्ट ने खारिज कर दिया।

### सऊदी अरब में ...

नमाज के दौरान इमाम की फिल्म बनाने के लिए मस्जिदों के अंदर कैमरों के इस्तेमाल पर भी प्रतिबंध रहेगा या विभिन्न मीडिया के माध्यम से प्रार्थना प्रसारित करने और प्रसारित करने पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया है। इस आदेश के अलावा इमामों से तरावीह की नमाज को लंबा करने से बचने और उपासकों के लिए लाभकारी उपदेश देने का आग्रह किया गया है। विशेष रूप से उपवास के नियमों और रमजान के पवित्र महीने की खूबियों पर प्रकाश डालने वाले उपदेशों से बचने को कहा गया है। सऊदी अरब अपने देश की छवि एक कट्टरपंथी मुल्क से बदलना चाहता है। इसका प्रमुख कारण प्रिंस सलमान की नई आर्थिक नीति है, जिसके जरिए वह 2030 तक सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था की तेल से निर्भरता को हटाना चाहते हैं।

### गाजा में 5.76 लाख...

यह जानकारी दी। संरा मानवतावादी कार्यालय और संयुक्त राष्ट्र खाद्य एवं कृषि संगठन के अधिकारियों ने गाजा के हालात का वर्णन करते हुए बताया कि युद्धग्रस्त गाजा की 23 लाख की पूरी आबादी खाद्य असुरक्षा के गंभीर खतरे या बदतर हालात से जूझ रही है। इतना ही नहीं उत्तरी गाजा में हालात और ज्यादा खराब हैं, जहां लोगों को खाने-पीने की वस्तुओं से लेकर अन्य मानवीय आपूर्ति की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है। गाजा के मौजूदा हालातों को बयां करते हुए संरा के मानवतावादी समन्वयक रमेश रामसिंघम ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद को बताया कि हालात के और भी ज्यादा खराब होने की पूरी आशंका है। उन्होंने कहा कि गाजा की एक चौथाई आबादी भुखमरी के कगार पर पहुंच चुकी है और उत्तरी गाजा में दो साल से कम उम्र के हर छह में से एक बच्चा कुपोषण का शिकार हो रहा है। विश्व खाद्य कार्यक्रम के उप कार्यकारी निदेशक कार्ल स्काऊ ने कहा कि गाजा में बच्चों के कुपोषण का यह स्तर दुनिया के किसी भी हिस्से में देखा गया अब तक का सबसे गंभीर स्तर है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर हालात में बदलाव नहीं आया तो उत्तरी गाजा में अकाल फैल जाएगा।

# तमिलनाडु की जनता भाजपा के प्रति आशान्वित : मोदी



**नई दिल्ली ( हि.स. )।** प्रधानमंत्री एवं भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी ने बुधवार को तमिलनाडु के तिरुनेलवेली में एक सार्वजनिक सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि राज्य की जनता भाजपा को आशा की नजर से देख रही है। भाजपा ने संवेदनशीलता और सामाजिक न्याय की सकारात्मक राजनीति को आगे बढ़ाया है। द्रमुक और कांग्रेस ने केवल अपने परिवार को आगे बढ़ाया है। प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु के लोगों को विश्वास दिलाया कि लोगों के सेवा और विकास के कामों को अटकने नहीं दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि भले ही वो हिंजी में बोल रहे हैं लेकिन जनसभा में उपस्थित लोग उनकी बातों को समझ रहे हैं। यह दर्शाता है कि उन्हें राज्य के लोग कितना प्यार करते हैं। भाजपा नेता ने अपने भाषण में कांग्रेस और द्रमुक दोनों पर परिवारवाद के मुद्दे पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि एक तरफ विकास पर केंद्रित भाजपा सरकार है दूसरी ओर द्रमुक और कांग्रेस की एकमात्र प्राथमिकता उनका परिवार है। इन परिवार-केंद्रित पार्टियों के पास तमिलनाडु के विकास के लिए कोई योजना नहीं होगा। प्रधानमंत्री ने राज्य की द्रमुक सरकार पर केंद्र की योजनाओं का श्रेय लेने का आरोप लगाया। द्रमुक केंद्र की पहल का पहले नाम बदलती है और फिर उसे अपनाती है। पार्टी नेता भारत की प्रगति नहीं चाहते। उन्होंने संसद में राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पर संसद में प्रस्ताव के दौरान द्रमुक नेताओं के सदन से बाहर चले जाने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह व्यवहार दर्शाता है कि द्रमुक नेता जनता की आस्था का तिरस्कार करती है। द्रमुक और कांग्रेस देश को बांटने पर तुले हुए हैं जबकि भाजपा हर व्यक्ति को परिवार का सदस्य मानती है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने दक्षिण तमिलनाडु में विकास के अभाव का मुद्दा उठाया। उन्होंने *मोदी की गारंटी* के तौर पर वादा किया कि भाजपा दक्षिणी तमिलनाडु के विकास को नई गति देगी। लोगों को नौकरी की तलाश में दूर नहीं जाना पड़ेगा।

# अपहृत एएसपी को बचाने के 22 घंटे बाद भी इंफाल में अभी स्थिति तनावपूर्ण

**इंफाल ( हिंस )।** अर्द्धसैनिक बलों ने अपहृत इंफाल पूर्व के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) और उनके दो अंगरक्षकों को जंगल से बचाने के 22 घंटे बाद अभी भी स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। एएसपी सहित तीनों घायलों को इंफाल के जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जेएनआईएमएस) में भर्ती कराया गया है। घटना के अनुसार मंगलवार शाम करीब 6.50 बजे करीब 200 हथियारबंद बदमाश अचानक इंफाल ईस्ट के वानखेई इलाके में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एससीपी) आईडब्ल्यू मैरांगथेम अमित सिंह के आवास में घुस गए और अंधाधुंध फायरिंग करने के साथ ही घर में तोड़फोड़ की। इसके जवाब में एएसपी के आवास पर तैनात कई सुरक्षा गार्डों ने जवाबी फायरिंग की। एएसपी ने भी आत्मरक्षा में अपनी पिस्तौल से फायरिंग की। बदमाशों ने हथियार के बल पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मोइरांगथेम अमित और उनके दो अंगरक्षक रोबिनाश मोइरांगथेम सिंह (24) और कंगुजम भीमसेन (20) का अपहरण कर फरार हो गये। एएसपी और उनके दो अंगरक्षकों के अपहरण की खबर से प्रशासन में हड़कंप मच गया। इसके बाद अतिरिक्त अर्द्धसैनिक बल मौके पर पहुंच गया। घटना के कुछ घंटे बाद अर्द्धसैनिक बलों ने सर्चिंग अभियान के दौरान हिल और वैली जिले के संवेदनशील इलाके क्वाकीथेल कोन्जेंग लीकाई के घने जंगल से घायलावस्था में एएसपी समेत तीन अपहृतों को बचा लिया। तीनों घायलों को इंफाल के जवाहरलाल नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जेएनआईएमएस) ले जाया गया। सुरक्षाबलों ने जंगल से एक 7.65 मिमी की पिस्तौल, एक 8 मिमी बोल्ट एक्शन राइफल, 9 मिमी मैगजीन के साथ एक सीएमजी, तीन 2 इंच मोर्टार गोले, चार 2 इंच मोर्टार बम, 36 हैंड ग्रेनेड और एक आरएस मोटोरोला बरामद किया है। मणिपुर के विभिन्न जिलों में पहाड़ियों और घाटियों में 140 नए नाका पॉइंट स्थापित किए गए हैं। इसके अलावा पुलिस ने राज्य के विभिन्न जिलों से 212 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। इस बीच अपर पुलिस अधीक्षक के आवास पर किसने और क्यों हमला किया। इस बारे में पुलिस कोई जानकारी अब तक साझा नहीं की है। पुलिस के अनुसार इलाके में तनाव होने के बावजूद स्थिति नियंत्रण में है।

## छयगांव में खरखरी नदी से अर्धनग्न युवक का शव बरामद

**कामरूप ( हिंस )।** दक्षिण कामरूप के छयगांव के ओगुरी में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। छयगांव में खरखरी नदी से अर्धनग्न अवस्था में एक युवक का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक युवक की पहचान बिहदिया निवासी मनोज ठाकुरिया के रूप में हुई है। गौरतलब है कि मनोज ठाकुरिया नामक युवक बीती रात से ही लापता था। इसी दौरान नदी के किनारे मनोज की ग्लैमर बाइक (एएस-25एच-3841) के साथ लॉन्ग पैंट-जूता बरामद किया गया। दूसरी ओर, कुछ दूरी पर, एक खून से रंगा हुआ कपड़ा बरामद किया गया। परिजनों का दावा है कि मनोज हत्या का शिकार हुआ है। छयगांव पुलिस मौके पर पहुंचकर अपनी जांच शुरू कर दिया है। शव को पुलिस ने नदी से बरामद कर लिया है।

# मुख्यमंत्री एक मार्च को करीमगंज मेडिकल कॉलेज व अस्पताल की रखेंगे आधारशिला

**कछार ( हिंस )।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्र्व शर्मा आगामी 1 मार्च को करीमगंज में बनने वाले मेडिकल कॉलेज व अस्पताल का शिलान्यास करने के लिए बराक घाटी का दौरा करेंगे। यह जानकारी बुधवार को कछार जिला मुख्यालय शहर सिलचर शहर के लबाक में एक संवाददाता सम्मेलन में लखीपुर के विधायक कौशिक राय ने दी। विधायक कौशिक राय ने कहा कि मुख्यमंत्री के एक दिवसीय कार्यक्रम के लिए बुधवार को कुंभीरग्राम हवाई अड्डे पर उतरेंगे। इसके बाद हेलीकॉप्टर से सिलचर मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एसएमसीएच) पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री इस दौरान चिकित्सा परिसर में 177 करोड़ 44 लाख रुपए की लागत से बन रहे मेगा जलापूर्ति योजना का शुभारंभ करेंगे। इसके बाद मुख्यमंत्री एसएमसीएच में 265 करोड़ रुपए की लागत से निर्मित 420 बेड के अत्याधुनिक सिलचर कैंसर सेंटर का औपचारिक उद्घाटन भी करेंगे। उसके बाद मुख्यमंत्री करीमगंज जाएंगे और रातावारी में बनने वाले नए मेडिकल कॉलेज का शिलान्यास करेंगे। अंत में दोपहर 12 बजे मुख्यमंत्री कछार के लखीपुर विधानसभा क्षेत्र के लबाक में एक जनसभा की करेंगे। मुख्यमंत्री इस जनसभा में लखीपुर सहित कछार जिले में बन रही कई परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करेंगे। मुख्यमंत्री उसी दिन 730 करोड़ रुपए लागत की कछार की कई परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास करेंगे।

## केआईयूजी 2023 : तेजस्विनी ने 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल स्वर्ण के साथ दिल्ली विवि के लिए पहला जीत

**रविशंकर चौधरी**

**गुवाहाटी।** पिस्टल निशानेबाज तेजस्विनी ने महिलाओं की 25 मीटर स्पोर्ट्स पिस्टल स्पर्धा में अपना दबदबा बनाते हुए दिल्ली यूनिवर्सिटी को चौथे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स अष्टलक्ष्मी 2023 का पहला स्वर्ण पदक दिलाया, जबकि आज कुश्ती में जीते गए दो स्वर्ण पदकों के साथ चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी तालिका में शीर्ष पर बनी रही। तेजस्विनी, जिन्होंने कुल 579 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था, ने निकटतम प्रतिद्वंद्वी पंजाब यूनिवर्सिटी की सिमरनप्रीत कौर बराड़ पर दो अंकों की बढ़त बनाई और फिर शनिवार को यहां काहिलीपाड़ा शूटिंग रेंज में कुल 36 अंकों के साथ जीत हासिल करने के लिए बढ़त बरकरार रखी। सिमरनप्रीत 31 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहीं जबकि पंजाबी यूनिवर्सिटी की इशनीत औलख ने 21 अंकों के साथ कांस्य पदक जीता।औलख ने हालांकि परदीप कौर सिद्धू और अर्शदीप कौर के साथ मिलकर कुल 1691 अंकों के साथ टीम स्वर्ण पदक जीता, जबकि सावित्रीबाई फुले (1651 अंक) और राजस्थान विश्वविद्यालय (1630) ने क्रमश: रजत और कांस्य पदक जीता। इस बीच, इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में पहलवान रवि कुमार (77 किग्रा, ग्रीको रोमन), सचिन मोर (79 किग्रा दल, फ्रीस्टाइल), रवि कुमार (77 किग्रा, ग्रीको रोमन) और सचिन (92 किग्रा, फ्रीस्टाइल) ने स्वर्ण पदक जीतकर चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को ओवरऑल स्टैंडिंग में शीर्ष पर पहुंच दिया। लेखन के समय तक चंडीगढ़ अपनी पदकों की संख्या 12 स्वर्ण, 11 रजत और 14 कांस्य तक ले गया।

# दूसरी सबसे लंबी टनल संख्या टी-01 को मिला ब्रेकथ्रू

## सेवक-रंगपो नई रेल लिंक परियोजना का एक और माइलस्टोन

**गुवाहाटी ( हिंस )।** पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिला स्थित सेवक-रंगपो रेल परियोजना (एसआरआरपी) की दूसरी सबसे लंबी टनल संख्या टी-01 (4224 मीटर) के अडिट को 27 फरवरी को ब्रेक थ्रू मिला। इस परियोजना का यह एक प्रमुख माइलस्टोन है। इस टनल की सफलता के साथ, इस परियोजना के सभी अडिट टनलों में खनन कार्यों को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने आज बताया है कि पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में कोरोनेशन ब्रिज के पास स्थित 855 मीटर की एक निकासी टनल के साथ मुख्य टनल टी-01 की लंबाई 4224 मीटर है। मुख्य टनल यंग हिमालय के अतिसंवेदनशील एवं चुनौतीपूर्ण भूगर्भीय और भूकंपीय स्थितियों से होकर गुजरती है। एसआरआरपी में अन्य सभी टनलों की तरह, भू-द्रव्यमान की भेद्यता का मुकाबला करने के लिए, यहां नवीनतम और सबसे सॉफिस्टिकेटेड टनलिंग तकनीक यानी न्यू ऑस्ट्रियाई टनलिंग मेथड (एनएटीएम) का उपयोग किया गया है। सेवक (पश्चिम बंगाल) और रंगपो (सिक्किम) को जोड़ने वाली सेवक-रंगपो नई रेल लिंक परियोजना लगभग 45 किमी लंबी है और इसमें 14 टनल, 13 बड़े पुल, 09 छोटे पुल, और 5 स्टेशन शामिल हैं। सबसे लंबी टनल (टी -10) की लंबाई 5.3 किमी और सबसे लंबा पुल (ब्रिज -17) की लंबाई 425 मीटर है। पूरी परियोजना संरेखण का लगभग 38.65 किमी टनल से गुजर रहा है। टनलिंग कार्य का 91.59 प्रतिशत पूरा हो चुका है। वर्तमान में टनल टी-14 और टी-09 में अंतिम लाइनिंग पूरी हो चुकी है और टनल टी-02, टी-03, टी -05, टी-06, टी-07, टी-10, टी-11 और टी-12 प्रगति पर है। अब तक कुल 10.89 किमी लाइनिंग पूरी हो चुकी है। सभी सेक्शनों में दिन-रात कार्य चल रहा है। यह भारत में चल रही प्रतिष्ठित राष्ट्रीय परियोजनाओं में से एक है और इस परियोजना के पूर्ण होने पर, पहली बार सिक्किम राज्य रेलवे से जुड़ जाएगा। इस रेल नेटवर्क को पूरा करने का उद्देश्य सिक्किम राज्य को वैकल्पिक कनेक्टिविटी प्रदान करना है।

## क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति की बैठक हुई

**गुवाहाटी ( हिंस )।** क्षेत्रीय रेल उपयोगकर्ता परामर्शदात्री समिति (जेडआरयूसीसी) की 96वीं बैठक बुधवार को गुवाहाटी के मालीगांव स्थित पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) के लुईतगढ़ रेलवे ऑफिसर्स क्लब में हुई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य समाज के विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों और रेल उपयोगकर्ताओं से सीधा संवाद कर रेलवे से संबंधित सेवाओं के बारे में उनके विचारों से अवगत होना था। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची डे ने बुधवार को बताया है कि पूसीरे के क्षेत्राधिकार के अधीन सेवा देने वाले पश्चिम बंगाल और बिहार राज्य के अलावा पूर्वोत्तर के कई राज्यों के सांसद, विधायक, विभिन्न राज्यों के परिवहन विभाग के उच्चाधिकारी, कई यात्री संघ, व्यापारी संघ, चैंबर ऑफ कॉमर्स और स्पेशल इंटरेस्ट ग्रुप आदि को शामिल कर समिति का गठन किया गया है। बैठक में कुल 13 सदस्य उपस्थित थे, जिनमें संसद सदस्य (लोकसभा) खगेन मुर्मु और पूसीरे के विभिन्न स्टेकधारकों के प्रतिनिधिगण शामिल थे। रेलवे पक्ष का प्रतिनिधित्व पूसीरे के महाप्रबंधक चेतन कुमार श्रीवास्तव, अपर महाप्रबंधक रविलेश कुमार सहित पूसीरे मुख्यालय के अन्य वरिष्ठ रेल अधिकारियों ने किया।

## एसएसबी ने पेट्रोल एवं डीजल समेत मारूति सुजुकी वाहन को किया जब्त

**कोकराझाड़ ( हिंस )।** सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की छठवीं वाहिनी ने आज भारत-भूटान सीमावर्ती इलाके में अभियान चलाते हुए तस्करी कर लाए गए पेट्रोल एवं डीजल के साथ ही एक मारुति कार को जब्त कर लिया। एसएसबी सूत्रों ने बताया है कि एसएसबी की छठवीं वाहिनी के सीमा चौकी दादगिरी ने गुप्त सूचना के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय भारत-भूटान सीमा स्तंभ संख्या-169/5 से 2.5 किमी भारत की ओर देवदांगी के पास वाहन चेकिंग के दौरान एक मारूति सुजुकी (एएस-26बी-2097) को संदेह के आधार पर रोककर वाहन चालक से पूछताछ की। स्पष्ट जानकारी एवं कागजात नहीं मिलने के बाद वाहन की तलाशी ली गई। जिसमें भूटान से अवैध तरीके से पेट्रोल तथा डीजल लाते हुए चालक को पकड़ा गया। जब्त की गई अवैध पेट्रोल, डीजल, वाहन सहित संदिग्ध व्यक्ति को लैंड कस्टम ऑफिस हातीचर को अग्रिम कार्यवाही हेतु एसएसबी ने सौंप दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच शुरू किया है।

# चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी पदक तालिका में सबसे आगे लवली प्रोफेशनल और जैन यूनिवर्सिटी उसके पीछे

**प्रदीप शील**

**गुवाहाटी।** चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी के पुरुषों ने शीर्ष वरीयता प्राप्त जैन यूनिवर्सिटी को 3-1 से हराकर पुरुष बैडमिंटन टीम का स्वर्ण पदक जीत लिया, जबकि एडमास यूनिवर्सिटी ने बुधवार को यहां सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (अमिनगांव) में आयोजित चौथे खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स 2023, अष्टलक्ष्मी में महिला टीम खिताब जीता। चंडीगढ़ टीम में टॉप्स डेवलपमेंट ग्रुप के सदस्य मैसनाम मीराबा लुवांग और हाल ही में संपन्न बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप में भारतीय टीम के सदस्य सूरज गोआला शामिल हैं। यह टीम शुरुआती एकल में हार गई लेकिन फिर मजबूत वापसी करते हुए 3-1 से जीत हासिल की और पदक तालिका के शीर्ष पर अपनी स्थिति मजबूत की। केआईयूजी के चौथे संस्करण के खत्म होने में सिर्फ एक दिन बचा है और चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी 26 स्वर्ण, 17 रजत और 16 कांस्य के साथ शीर्ष पर कायम है। लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी 16 स्वर्ण, 13 रजत और 3 कांस्य के साथ दूसरे स्थान पर है जबकि बीते संस्करण का चैंपियन जैन यूनिवर्सिटी 12 स्वर्ण, 6 रजत और 6 कांस्य के साथ तीसरे स्थान पर है। बहरहाल, पुरुष बैडमिंटन फाइनल में डीएस सनीथ ने लक्ष्य शर्मा को हराकर जैन यूनिवर्सिटी को बढ़त दिलाई लेकिन मीराबा ने भारत के पूर्व जूनियर नंबर-1 आर्यमन टंडन 21-10, 22-20 से हराकर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद सूरज गोआला और ध्रुव रावत की जोड़ी ने बालकेशरी यादव और तुषार गगनेजा पर 17-21, 21-15, 21-16 की जीत के साथ चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी को आगे कर दिया। इसके बाद उत्साहित मनराज सिंह ने रोहित मारिस्वामी को 21-10, 21-9 से हराकर फाइनल का समापन किया। उधर, एडमास यूनिवर्सिटी को महिला टीम का फाइनल जीतने में ज्यादा पसीना नहीं बहाना पड़ा। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन अनुपमा उपाध्याय, जो एक टॉप्स डेवलपमेंट एथलीट भी हैं, ने जगदीशप्रसाद जेटी यूनिवर्सिटी के खिलाफ अपने एकल और युगल दोनों मैच जीते। अनुपमा ने एकल में चितवन को 21-7, 21-11 से हराया और फिर तनीषा सिंह के साथ मिलकर चितवन और साक्षी गहलावत को युगल में 21-14, 21-15 से हराया। इसके बहाद पश्चिम बंगाल की टीम ने महात्मा गांधी विश्वविद्यालय (कोट्टायम) के खिलाफ एक रोमांचक फाइनल मुकाबले में 3-1 की जीत के साथ महिला वॉलीबॉल टीम का स्वर्ण पदक जीता। एडमास की महिलाओं ने मजबूत शुरुआत की और पहले दो सेट में जीत हासिल कर 2-0 की लीड ले ली। लेकिन जब ऐसा लगा कि वे क्रूज मोड में हैं, तो उन्होंने कई सर्विस संबंधी गलतियां कीं और अपने विरोधियों को वापसी करने का मौका दे दिया। हालांकि, चौथे सेट में उन्होंने अपने खेल का स्तर ऊंचा उठाया और आक्रामक रुख अपनाते हुए मैच अपने नाम कर लिया। मैच के बाद एडमास विश्वविद्यालय के कोच तपन घोष ने कहा कि ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी के फाइनल में हम 2-1 से आगे होने के बाद उसी टीम से हार गए थे क्योंकि हमारे दो मुख्य खिलाड़ियों को चोट लग गई थी। लेकिन इस बार हमने तय कर लिया था कि हम बढ़त नहीं गंवाएंगे और लड़कियों ने तीसरे सेट के उलटफेर के बाद खुद को अच्छी तरह से संभाला।

## हाटशिंगीमारी में राज्य स्तरीय खेल महारण के लिए प्रशिक्षण शिविर

**दक्षिण सालमारा ( हिंस )।** जिला खेल विभाग द्वारा दक्षिण सालमारा मानकाचर जिला के हाटशिंगीमारी कॉलेज मैदान में खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर में राज्य स्तरीय खेल महारण प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए चयनित खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गौरतलब है कि राज्य स्तरीय खेल महारण एक मार्च से राज्य के छह जिलों में खेले जाएंगे। राज्य स्तरीय खेल महारण में दक्षिण सालमारा मानकाचर जिले के 180 खिलाड़ी भाग लेंगे। राज्य स्तरीय खेल महारण में भाग लेकर जिले के लिए पदक ला सकें, इसके लिए खिलाड़ियों ने व्यापक तैयारी की है। इस बीच जिला स्तरीय मैचों में कक्षा 9वीं व 10वीं के कई विद्यार्थियों का चयन हुआ था, लेकिन अंतिम परीक्षा चल रही है जिसके कारण 9वीं एवं 10वीं के छात्र राज्य स्तरीय खेल महारण में भाग नहीं ले सकेंगे।

## मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा की प्रिंसिपल को वीमेन एट वर्क लीडरशिप अवार्ड से सम्मानित

**गुवाहाटी।** मॉडर्न इंग्लिश स्कूल, काहिलीपाड़ा की प्रिंसिपल जोनाली दास को ईआईआईएलएम कोलकाता द्वारा नॉर्थ ईस्ट लीडरशिप अवार्ड्स में *वीमेन एट वर्क लीडरशिप अवार्ड* से सम्मानित किया गया है। ईआईआईएलएम कोलकाता प्रस्तुत करता है- नॉर्थ ईस्ट लीडरशिप अवार्ड्स पूरे उत्तर पूर्व क्षेत्र में व्यक्तियों और संगठनों के अनुकरणीय नेतृत्व और योगदान का जश्न मनाता है। यह उत्कृष्ट उपलब्धियों को पहचानने और दूसरों को अपने संबंधित क्षेत्रों में अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करने का एक मंच है। इस अवसर पर बोलते हुए मॉडर्न इंग्लिश स्कूल की प्राचार्या श्रीमती जोनाली दास ने कहा कि मैं वास्तव में खुश हूं और मुझे इस सम्मान से सम्मानित करने के लिए ईआईआईएलएम कोलकाता को धन्यवाद देना चाहती हूं। मैं सभी शिक्षण कर्मचारियों, स्कूल प्रबंधन, गैर-शिक्षण कर्मचारियों, छात्रों और अभिभावकों को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। काहिलीपाराशिट मॉडर्न इंग्लिश स्कूल के प्रिंसिपल को *वीमेन एट वर्क लीडरशिप अवार्ड* से सम्मानित किया गया।

## दस मवेशी समेत तीन पशु तस्कर गिरफ्तार

**गुवाहाटी ( हिंस )।** गुवाहाटी के जोराबाट पुलिस चौकी की टीम ने पुलिस चौकी प्रभारी के नेतृत्व में अभियान चलाकर 10 मवेशियों को लेकर जा रहे एक वाहन को जब्त करने के साथ ही तीन तस्कर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को बताया कि आज तड़के लगभग 5.30 बजे जोराबाट पुलिस चौकी प्रभारी के नेतृत्व में जोराबट पुलिस चौकी के पास लिंक रोड पर चलाए गए अभियान के दौरान बोलेरो पिकअप (एएस-21सी-9386) वाहन को जब्त किया गया। जब्त किए गए वाहन में अवैध तरीके से 10 मवेशियों को मोरीगांव जिले से मेघालय के पशु बाजार तक ले जाया जा रहा था। इस मामलों में तीन पशु तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार पशु तस्करों पहचान सद्दाम हुसैन (23), जियाउल हक (22) और युनूस अली (26) के रूप में की गई है। जब्त किए गए वाहन में बड़े ही क्रूर तरीके से सभी पशुओं की तस्करी की जा रही थी।

# द ब्लिसफुल सोल कैंप का आयोजन

**गुवाहाटी।** रिट्रीट व्यक्तियों को अपनी दिनचर्या से हट कर अपने को जानने का अवसर प्रदान करता है, विश्राम और व्यक्तिगत विकास के लिए समर्पित समय और स्थान प्रदान करता है। रिट्रीट का उद्देश्य प्रतिभागियों को मानसिक और शारीरिक रूप से फिर से जीवंत करना है। द ब्लिसफुल सोल समान विचारधारा वाले आध्यात्मिक उत्साही लोगों का एक ऐसा समूह है, जिन्होंने असम में रिट्रीट का आयोजन करके अपनी यात्रा शुरू की। पूरा कांसेप्ट रितु गुप्ता ने अर्चना अग्रवाल, कविता पटवारी, इंदु लखोटिया और विशाखा अग्रवाल के साथ मिलकर तैयार किया। उन्होंने 2 रिट्रीट का आयोजन किया है और तीसरा अप्रैल में आ रहा है। हम उन सभी को आमंत्रित करते हे,जो अपने आंतरिक स्वरूप को फिर से बनाने, पुनर्निर्माण करने और पुन: व्यवस्थित करने के लिए जगह की तलाश में हैं। तीन दिन और दो रात, समान विचारधारा वाले लोगों के साथ बिताने का सुअवसर हे। यह मुख्य रूप से शारीरिक गतिविधियों, ध्यान, जप, प्रतिज्ञान, परमानंद नृत्य, प्रकृति को धन्यवाद, और कई अन्य गतिविधियों के माध्यम से बोतलबंद नकारात्मक भावनाओं को बाहर निकालने और भीतर की चेतना को फिर से जगाने में मदद करता है। हमारे पास प्रशिक्षित फिटनेस कोच और सलाहकार हैं जो प्रतिभागियों को जीवन की ताजगी वापस पाने में मदद करते हैं। यह आजमाने लायक अनुभव है। द ब्लिसफुल सोल ने हाल ही में प्रकृति के बीच ब्रह्मपुत्र रिवरफ्रंट पर एक ध्यान का आयोजन किया। 40 से अधिक साधक ध्यान करने के लिए एकत्र हुए। समूह में ध्यान करने से एक अनोखी सामूहिक ऊर्जा पैदा होती है। कई व्यक्ति एक साथ ध्यान करते समय फोकस की बढ़ी हुई भावना, साझा शांति और वर्तमान क्षण के साथ गहरे संबंध की पुष्टी करते हैं। साझा आशय और एकाग्रता अक्सर समग्र ध्यान अनुभव को बढ़ाते हैं। इसके अनेक फायदे हे। जैसा कि कहा जाता है *आपका दिमाग एक शक्तिशाली चीज है। जब आप इसे सकारात्मक विचारों से भर देंगे, तो आपका जीवन बदलना शुरू हो जाएगा।*

संपादकीय

# हिन्दू मंदिरों पर टैक्स क्यों?

**कर्नाटक** में कांग्रेस सरकार ने हिन्दू मंदिरों पर टैक्स लगाकर बता दिया है कि वह धार्मिक आधार पर भेदभाव की अपनी नीति पर काम करती रहेगी। कांग्रेस ने सदैव ही सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा दिया है। मुस्लिम और ईसाई समुदाय का तुष्टीकरण और हिन्दू समुदाय के हितों पर कुठराघात, यही सब कांग्रेस के 60 वर्षों से अधिक के शासन में देखने को मिला है। अभी भी जैसे ही कांग्रेस को कहीं सत्ता में बैठने का मौका मिलता है, तो वह इसी नीति का पालन करती है। कांग्रेस के माथे पर लगा 'हिन्दू विरोधी पार्टी' का टीका, अकारण नहीं है। स्वयं कांग्रेस अपने आचार-व्यवहार से हिन्दू विरोधी पार्टी की छाप को गहरा करती रहती है क्योंकि उसे लगता है कि ऐसा करने से अन्य समुदायों के वोट उसकी झोली में आकर गिर जाएंगे। अन्यथा क्या कारण है कि कांग्रेस ने केवल हिन्दू मंदिरों पर ही टैक्स लगाया है? मस्जिद, दरगाह और चर्च की आय पर कांग्रेस सरकार ने टैक्स क्यों नहीं लगाया है? कर्नाटक सरकार के निर्णय की तुलना मुगलिया सल्तनत के जजिया कर से की जा रही है, जिसमें केवल गैर-मुस्लिमों से टैक्स लिया जाता था। केवल हिन्दू मंदिरों से टैक्स वसूलना जजिया कर ही तो कहलाएगा। तथाकथित सेकुलर दृष्टिकोण तो यही कहता है कि यदि सरकार धार्मिक स्थलों की आय पर कर लगाना चाहती है, तो उसे सभी धार्मिक स्थलों को इसके दायरे में लाना चाहिए। लेकिन कांग्रेस की कर्नाटक सरकार ने केवल हिन्दू धर्मस्थलों को निशाना बनाया है। जबकि यही कांग्रेस यह भी कहती है कि मंदिरों के निर्माण में शासकीय धन व्यय नहीं होना चाहिए, तब फिर मंदिरों की आय का सरकार को अन्य कार्यों के लिए क्यों उपयोग करना चाहिए? क्या मंदिरों की आय पर निगाह डालना सेकुलरिज्म के विरुद्ध नहीं है? दूसरी बात यह है कि कांग्रेस सरकार ने विधानसभा में जिस हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विधेयक को पारित किया, उसके अनुसार सरकार केवल मंदिरों की आय का 10 प्रतिशत टैक्स ही नहीं लेगी अपितु मंदिर ट्रस्ट में गैर हिन्दुओं को शामिल करने का निर्णय भी किया गया है। देश की जनता इस मामले में भी यही सवाल पूछ रही है कि कांग्रेस ने मस्जिदों की कमेटियों में गैर-मुस्लिमों और चर्च में गैर-ईसाईयों को शामिल करने का कानून क्यों नहीं बनाया? हिन्दुओं की धार्मिक प्रबंधन की व्यवस्थाओं में ही हस्तक्षेप करने की मानसिकता के कारण क्या हैं? कांग्रेस सरकार हिन्दुओं को लक्षित करने और मुस्लिम एवं ईसाई समुदायों का तुष्टीकरण करने में कभी चूक नहीं करती है। यह सब उसकी योजना का हिस्सा रहता है। स्मरण हो कि कर्नाटक की कांग्रेस सरकार कितनी हिंदू विरोधी है उसका अंदाजा इस बात से भी लगाया जा सकता है कि 16 फरवरी, 2024 को राज्य का बजट पेश किया। वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए राजस्व घाटे का बजट पेश करने के बावजूद मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने खुलकर अल्पसंख्यकों के धार्मिक कार्यों के लिए पैसा लुटाया। 3.71 लाख रुपये के इस बजट में वक्फ संपत्तियों के लिए 100 करोड़ रुपये और भव्य हज हाउस के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। इसी तरह ईसाई समुदाय के लिए 200 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया। यानी कांग्रेस सरकार ने अपने बजट में मुस्लिम और ईसाई समुदाय के लिए 330 करोड़ रुपये का प्रावधान किया। यह कहना ही होगा कि एक तरफ जहां भाजपा की सरकार मंदिरों का कायाकल्प करने का काम निरंतर कर रही है, वहीं कांग्रेस की कर्नाटक सरकार मंदिरों पर टैक्स लगाने का धर्मविरोधी निर्णय ले रही है। हिन्दू समुदाय को यह प्रश्न सामूहिक रूप से और ताकत के साथ उठाना चाहिए कि यदि मस्जिदों की व्यवस्था मुसलमानों के हाथ में है और चर्च की व्यवस्था ईसाई समाज के हाथ में है, तो मठों और मंदिरों की व्यवस्था हिन्दू समाज के हाथ में क्यों नहीं, उन पर सरकारी नियंत्रण क्यों होना चाहिए? अब समय आ गया है जब हम हिन्दू धर्म स्थानों को सरकारी नियंत्रण से मुक्त कराएं।

कांग्रेस ने सदैव ही सांप्रदायिक राजनीति को बढ़ावा दिया है। मुस्लिम और ईसाई समुदाय का तुष्टीकरण और हिन्दू समुदाय के हितों पर कुठराघात, यही सब कांग्रेस के 60 वर्षों से अधिक के शासन में देखने को मिला है। अभी भी जैसे ही कांग्रेस को कहीं सत्ता में बैठने का मौका मिलता है, तो वह इसी नीति का पालन करती है। कांग्रेस के माथे पर लगा 'हिन्दू विरोधी पार्टी' का टीका, अकारण नहीं है। स्वयं कांग्रेस अपने आचार-व्यवहार से हिन्दू विरोधी पार्टी की छाप को गहरा करती रहती है क्योंकि उसे लगता है कि ऐसा करने से अन्य समुदायों के वोट उसकी झोली में आकर गिर जाएंगे। अन्यथा क्या कारण है कि कांग्रेस ने केवल हिन्दू मंदिरों पर ही टैक्स लगाया है? मस्जिद, दरगाह और चर्च की आय पर कांग्रेस सरकार ने टैक्स क्यों नहीं लगाया है? कर्नाटक सरकार के निर्णय की तुलना मुगलिया सल्तनत के जजिया कर से की जा रही है, जिसमें केवल गैर-मुस्लिमों से टैक्स लिया जाता था। केवल हिन्दू मंदिरों से टैक्स वसूलना जजिया कर ही तो कहलाएगा। तथाकथित सेकुलर दृष्टिकोण तो यही कहता है कि यदि सरकार धार्मिक स्थलों की आय पर कर लगाना चाहती है, तो उसे सभी धार्मिक स्थलों को इसके दायरे में लाना चाहिए।

## राजस्थान ही नहीं संपूर्ण देश में आज ऊंटों की संख्या तेजी से घट रही

# रेगिस्तान के जहाज के उन्नयन और संरक्षण की आवश्यकता !

सुनील कुमार महला

**रेगिस्तान** के जहाज( द शिप ऑफ डेजर्ट ) के नाम से जाना जाने वाला, राजस्थान का राज्य पशु( ऊंटों के संरक्षण के लिए राजस्थान सरकार ने इसे साल 2014 में राज्य पशु का दर्जा दिया था ) कहलाने वाला तथा राजस्थान की आन-बान और शान समझा वाला, स्तनधारी पशुओं में जिराफ़ के बाद दूसरे नंबर पर आने वाला एवं राजस्थान की जीवनरेखा समझा जाने वाला पशु ऊंट का अस्तित्व भी दिन-ब-दिन खतरे में पड़ता जा रहा है। यह बात कहने में कोई संदेह नहीं होगा कि राजस्थान की पहचान माने वाले ऊंट भविष्य में हो सकता है कि सिर्फ किताबों और चित्रों, इंटरनेट व कल्पनाओं में ही आने वाली पीढ़ियों को नजर आएं। जानकारी देना चाहूंगा कि थार के मरुस्थल की पाकिस्तान से लगती पश्चिमी सीमा में बॉर्डर गार्डिंग ऊंटों के जरिए होती है,लेकिन यह बहुत ही संवेदनशील है कि आज रेगिस्तानी जहाजों की संख्या लगातार घट रही है। सभी को यह विदित ही है कि राजस्थान में ऊंट की अपनी विशेष उपयोगिता व पहचान रही है और राजस्थान में पशुपालन में इसका विशेष स्थान रहा है। पश्चिमी राजस्थान के रेगिस्तानी इलाकों में ऊंट आवागमन ही नहीं बल्कि खेती और दूध और आपूर्ति का भी प्रमुख साधन रहा है। राजस्थान ही नहीं संपूर्ण देश में आज ऊंटों की संख्या तेजी से घट रही है। जानकारी के अनुसार गत 47 सालों में साढ़े आठ लाख ऊंट कम हुए हैं। यह बहुत ही संवेदनशील और गंभीर है कि देश के कई राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में तो ऊंटों की संख्या शून्य हो गई है। इसमें आंध्र प्रदेश, झारखंड, सिक्किम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, चंडीगढ़, अंडमान, लक्ष्यदीप, दादरा नगर हवेली और दमन व दीव शामिल है ।नहरी तंत्र के विस्तार से चारागाहों में कमी होना, ऊंटों के परम्परागत चारा-नीरा, फूस और फळगटी कम होने से इनकी कीमत का बढ़ना,कृषि का आधुनिकीकरण व मशीनीकरण होने से ऊंटों की उपयोगिता कम होना, परिवहन में वाहनों का इस्तेमाल करना, बदलते परिवेश के कारण तो कभी ऊंटों में त्वचा संबंधी मेंज बीमारी व अन्य बीमारियों के कारण, ऊंटों की तस्करी आदि के कारण भी ऊंटों की संख्या में लगातार कमी आ रही है। बढ़ते विकास के कारण एवं चारे-पानी की कमी के कारण पशुपालकों का ऊंट पालन के प्रति मोह भंग होने लगा है। आज सीमा क्षेत्र में



सड़कों का जाल बिछ चुका है, इसके कारण ऊंटों की इतनी आवश्यकता नहीं रही और पशुपालक इसे पालने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे और इन्हें खुले में छोड़ देते हैं ।सीमा क्षेत्र में हालांकि सड़कों का जाल बिछा हुआ है। इसके कारण ऊंटों की इतनी आवश्यकता नहीं है,सच तो यह है कि आज समय के साथ ऊंटों की उपयोगिता कम होने के कारण भी पशुपालकों ने ऊंट से मुंह मोड़ना शुरू कर दिया है। पर्यटन के क्षेत्र में भी आज ऊंटों का इस्तेमाल उतना नहीं किया जाता है, जितना कि पहले किया जाता था, क्यों कि पर्यटन में भी आजकल वाहनों का इस्तेमाल होने लगा है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज ऊंटों की संख्या कम होने का सबसे बड़ा कारण इसका परिवहन व खेती में उपयोग नहीं के बराबर या बहुत ही होना है। पर्यटन के क्षेत्र में जैसलमेर, जोधपुर के अलावा पश्चिमी राजस्थान में कहीं ऊंट का उपयोग पर्यटन क्षेत्र में आज नहीं हो रहा है। आज कैमल सफारी के आयोजनों में पहले की तुलना में काफी कमी आई है। यदि हम यहां आंकड़ों की बात करें तो आंकड़ों के अनुसार राजस्थान में वर्ष 2012 में ऊंटों की संख्या 3.26 लाख थी, जो घट कर 2.13 लाख रह गई है। राजस्थान के अलावा गुजरात, हरियाणा और उत्तर प्रदेश में भी ऊंट पाए जाते हैं, लेकिन सभी जगह ऊंटों की संख्या में गिरावट आई है। यह दुखद है कि राज्य पशु ऊंट के वध पर निषेध के बावजूद भी इसकी तस्करी जारी है। चोरी छिपे आज ऊंटों को ( तस्करी कर ) आज बूचड़खानों में ले जाया जा रहा है। विगत दशकों में राज्य पशु ऊंट की घटती संख्या चिंता का विषय बनी हुई है। वास्तव में,इसके सामाजिक व आर्थिक पक्ष भी है और इसका सर्वाधिक दुष्प्रभाव उन सामाजिक समूहों पर पड़ा है जिनकी आजीविका का आधार पशुपालन व पशुचारण रहा है ।आज से लगभग चार दशक पहले देश में 11 लाख से अधिक ऊंट ( नर व मादा ) थे, जो वर्ष 2019 में घटकर ढाई लाख रह गए। जानकारी देना चाहूंगा कि 20 वीं पशु गणना के अनुसार 1.70 लाख ऊंटनी की तुलना में केवल 80 हजार ऊंट थे। संवेदनशील है कि पशुपालन विभाग द्वारा पशुगणना 2012 की तुलना 2019 में ऊंटों की संख्या में 34.69 फीसदी कमी हुई है। यहां चौंकाने वाली बात यह है कि देश में 2019 की गणना के अनुसार पशुधन की संख्या में 4.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यहां यह बात गौर करने लायक है कि राजस्थान में पशुधन में 1.66 फीसदी की गिरावट आई है और इनमें ऊंट भी हैं। आंकड़ों के अनुसार वर्ष 1977 में 11 लाख, 1982 में 10 लाख 80 हजार, 1987 में 10 लाख, 1992 में 10 लाख 30 हजार, 1997 में 9 लाख 10 हजार, 2003 में 6 लाख 30 हजार, 2007 में 5 लाख 20 हजार, 2012 में चार लाख, 2019 में की 2 लाख 50 हजार रह गए हैं। यहां पाठकों को जानकारी देना चाहूंगा कि वर्तमान में देश में करीब ढाई लाख ऊंट हैं। इनमें से 2.12 लाख ऊंट राजस्थान में है, जो कुल ऊंटों का 85% है। यह भी विदित हो कि वर्ष 1983 में राज्य में 7.56 लाख ऊंट थे,जो लगातार घटते चले जा रहे हैं। एक अन्य आंकड़े की बात करें तो इसके अनुसार 1951 में कुल पशुधन के 1.34 प्रतिशत ऊंट थे, जो 2019 में 0.37 प्रतिशत रह गए है। हालांकि इसी बीच हाल ही में एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक के हवाले से ऊंटों के मामले में एक सुखद व अच्छी यह खबर आई है कि राजस्थान के मेवाड़-वागड़ में 2019 की गणना में 1131 ऊंट बढ़े हैं, जबकि सर्वाधिक 996 ऊंट डूंगरपुर में बढ़े हैं। एक प्रतिष्ठित हिंदी दैनिक में प्रकाशित एक खबर के अनुसार ' वर्ष 1977 से वर्ष 2019 तक के आंकड़ों का आकलन करने पर पता चलता है कि करीब साढ़े आठ लाख ऊंट देश में कम हो गए हैं। यानि ऊंट घटने का प्रतिवर्ष का औसत 50 प्रतिशत से ज्यादा है। यह स्थिति तब है, जबकि ऊंट किसी बड़ी महामारी के शिकार नहीं हुए हैं। जानकारों के अनुसार आंध्रप्रदेश, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र व केरला में गिनती भर के ऊंट हैं।' हाल ही में आई इस खबर में बताया गया है कि हालांकि राज्य के उदयपुर जिले में इनकी संख्या घटी है, लेकिन संभाग के अन्य जिलों में यह संख्या बढ़ रही है।

राजस्थान का राज्य पशु( ऊंटों के संरक्षण के लिए राजस्थान सरकार ने इसे साल 2014 में राज्य पशु का दर्जा दिया था ) कहलाने वाला तथा राजस्थान की आन-बान और शान समझा वाला, स्तनधारी पशुओं में जिराफ़ के बाद दूसरे नंबर पर आने वाला एवं राजस्थान की जीवनरेखा समझा जाने वाला पशु ऊंट का अस्तित्व भी दिन-ब-दिन खतरे में पड़ता जा रहा है। यह बात कहने में कोई संदेह नहीं होगा कि राजस्थान की पहचान माने वाले ऊंट भविष्य में हो सकता है कि सिर्फ किताबों और चित्रों, इंटरनेट व कल्पनाओं में ही आने वाली पीढ़ियों को नजर आएं।

दृष्टि कोण

# प्रधानमंत्री के नेतृत्व में समान नागरिक संहिता की शुरुआत

**हमें** यह समझना होगा कि धरमिक आधार पर अलग- अलग व्यक्तिगत कानूनों के अस्तित्व ने हमारे समाज में अन्याय और असमानता को जन्म दिया है और हमें पूर्ण विश्वास है कि समान नागरिक संहिता का यह प्रयास अपने मार्ग में आने वाले सभी बाधाओं, जटिलताओं और चुनौतियों को दूर करते हुए, समानता, न्याय, सुरक्षा और सद्भाव के अपने लक्ष्यों को हासिल करेगा। हमने भारतीय राज्य व्यवस्था में सामाजिक-धरमिक समुदायों पर एक समान रूप से लागू होने वाले सार्वभौमिक विधानों की आवश्यकता को हमेशा महसूस किया है और वर्ष 2014 के बाद से, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अगुवाईं में भाजपा सरकार इस दिशा में अत्यंत गति के साथ आगे बढ़ी है। अब इस कड़ी में, उत्तराखंड ने महत्वपूर्ण पहल की है। दरअसल, बीते दिनों मुख्यमंत्री पुष्कर सिह धामी की अगुवाईं में उत्तराखंड ने समान नागरिक संहिता के माध्यम से सामाजिक कानूनों के सुधार की दिशा में प्रगतिशील कदम बढ़ाया है। यह संहिता बहुविवाह और बाल विवाह जैसी प्रथाओं के उन्मूलन के साथ ही विवाह की आयु का समानीवृत करती है। वास्तव में, यह एक ऐसी सोच है, जिसमें हमारे पूरे समाज को एक नया आयाम देने की शत्ति है। गौरतलब है कि हमारे समाज में 'समान नागरिक संहिता' को लेकर बीते कईं दशकों से विचार-विमर्श चल रहा है और उत्तराखंड ने उस कल्पना को संपूर्ण भारतवर्ष में सबसे पहले धरातल पर उतारने का महान कार्यं किया है। इसके लिए भाजपा के समस्त नेतृत्व को सादर प्रणाम। उत्तराखंड की पावन धरती पर किया गया यह प्रयास हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' के संकल्पों और आदर्शों को भी अद्वितीय रूप से मज़बूती प्रदान करेगा। यहाँ मैं इस तथ्य को उजागर करना चाहूँगा कि भारतीय जनता पाटा ने आरंभ से ही, 'जम्मूकश्मीर से अनुच्छेद-370 को हटाने', 'अयोध्या में राम मंदिर' निर्माण जैसे कईं बड़े मुद्दों के साथ, 'समान नागरिक संहिता' के मुद्दे की दिशा में सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ कार्यं किया और उत्तराखंड में किया गया यह प्रयास प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणाओं और मार्गदर्शन को यथार्थ का रूप देना है। इस संहिता को लेकर कईं लोग भाँति-भाँति के आरोप भी लगा रहे हैं कि यह भारत के संवैधानिक मूल्यों की हत्या है। परंतु, मैं विरोधियों के इन आरोपों को पूरी तरह से हास्यास्पद मानता हूँ। वे लोगों को अकारण भटकाने



की कोशिश कर रहे हैं और वे इसमें कभी सफल नहीं होने वाले हैं। मैं कहना चाहूँगा कि यह कानून किसी भी समुदाय के विरुद्ध नहीं है, बल्कि यह हमारे अपने बच्चों और मातृशत्ति के हित में है। यह एक ऐसी संहिता है, जिसमें भविष्य में हमारे अपने सामाजिक ताने-बाने को एक नया आकार देने की शत्ति है। मैं यहाँ इस तथ्य को उजागर करना चाहूँगा कि भारतीय जनता पाटा और राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ पर सदैव धर्मनिरपेक्षता को लेकर निशाना साधने वाली दलें आज यह मानने के लिए बिल्वुल भी तैयार नहीं है कि हमारा संविधान एक धर्मनिरपेक्ष दस्तावेज़ है और यह किसी भी स्थिति में धरमिक भेदभाव की स्वीवृति नहीं देता है। यदि आप इतिहास के पन्नों को पलट कर देखें, तो पाएंगे कि भारतीय जनसंघ ने 1967 के आम चुनाव के दौरान 'समान नागरिक संहिता' के मुद्दे को पहली बार अपने चुनावी घोषणा पत्र में शामिल किया था और यह वादा किया गया कि यदि वे सत्ता में आते हैं, तो इस कानून को निाति ही लागू किया जाएगा। हालांकि, चुनाव के परिणाम उनके पक्ष में नहीं आने के कारण इस दिशा में कोईं ठोस कार्रवाईं नहीं हो सकी। लेकिन 1980 के दौर में, जब भारतीय जनता पाटा की स्थापना हुईं, तो पाटा ने राम मंदिर निर्माण, अनुच्छेद 370 और समान नागरिक संहिता के मुद्दे को पूरे देश में प्रमुखता के साथ उठाना शुरू कर दिया। और, हाल के वर्षो में राम मंदिर निर्माण और अनुच्छेद 370 जैसे दो मुद्दे लागू हो चुके हैं। वहीं, अब इतने वर्षो के अथक प्रयास के बाद इस समान नागरिक संहिता को लागू करने के लिए भी बेहद अनुवूल परिस्थितियाँ हैं। बहरहाल, जो लोग इस कानून का विरोध कर रहे हैं, उन्हें यह बेहद शांतिपूर्वक ढंग से समझना होगा कि एक ही परिवार में, एक ही समाज में दो लोगों के लिए अलग- अलग नियम और कानून नहीं हो सकते हैं।

कुछ अलग

# किसानों के किन्नू और शेयर बाजार

**जिस** समय हरियाणा-पंजाब के शंभू बॉर्डर पर किसानों और सुरक्षा बलों में संघर्ष चल रहा है, ठीक उसी समय पंजाब के दूसरे सिरे पर अबोहर में किन्नू की बागवानी करने वाले किसान अपनी फसल बरबाद करने के लिए मजबूर थे। तकरीबन यही हाल पड़ोसी राज्य राजस्थान के गंगानगर जिले के किन्नू किसानों का भी था। इस बार किन्नू की फसल बहुत अच्छी हुई, मगर आज के बाजारशास्त्र में अच्छी फसल खुशहाली लाने की जगह अक्सर किसानों के लिए दरिद्रता ही लाती है। यही प्याज के मामले में होता है, यही टमाटर के मामले में होता है, कई बार यही आलू के साथ भी होता है। किसान कितनी भी मेहनत कर ले, उसकी किस्मत का फैसला आखिर में निर्दयी बाजार के हवाले छोड़ दिया जाता है। यहां इस बात को याद रखना भी जरूरी है कि शंभू बॉर्डर पर दिल्ली कूच के लिए डटे किसानों की अगर सारी मांगें मान भी ली जाती हैं, तब भी किन्नू किसानों का बहुत भला होने वाला नहीं है। वे जिन फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की गारंटी मांग रहे हैं, उनमें किन्नू शामिल नहीं हैं। मौसमी फसलों की खेती करने वाले किसानों के मुकाबले बागवानी करने वाले किसानों की दिक्कत बिल्कुल अलग होती है। उनके खेत में पूरे साल में एक ही फसल होती है और अगर वह भी बरबाद हो गई, तो उनके पास कुछ नहीं बचता। कैलिफोर्निया में विकसित संतरा परिवार के इस संकर फल की खेती आजादी से पहले पंजाब के कुछ हिस्सों में अंग्रेज सरकार ने प्रयोग के तौर पर शुरू की थी। आजादी के बाद देश के बहुत से हिस्सों में किसानों ने इसकी बागवानी बडे.पैमाने पर शुरू कर दी और यह बहुत से किसानों की जीविका का प्रमुख साधन भी बन गया। यही हाल पाकिस्तान में भी है। मगर पाकिस्तान से इसका निर्यात भी होता है। कुछ साल पहले 'सेंटर फॉर साइंस ऐंड एनवायर्नमेंट'की कर्ता-धर्ता सुनीता नारायण श्रीगंगानगर गई थीं। वहां किन्नू की बागवानी देखकर उन्होंने कहा था कि यहां के किसान ही पर्यावरण बचाने में सबसे बड़ा योगदान दे रहे हैं। इस समय का सच यही है कि जो किसान पर्यावरण को बचा रहे हैं, उन्हें बचाने के लिए हमारी व्यवस्था के पास कुछ नहीं है।

अर्थशास्त्री कहते हैं कि कृषि-व्यवस्था की भूमिका तभी तक है, जब तक कोई फसल खेत में है। फसल अगर बाजार में आ गई, तो उस पर कृषि-व्यवस्था के नहीं, बाजार की व्यवस्था के नियम लागू होते हैं और बाजार मांग व आपूर्ति पर चलता है। मांग बढ़ गई, तो भाव चढ़ जाते हैं और अगर आपूर्ति बढ़ गई, तो भाव बुरी तरह टूट भी जाते हैं। बात सही है, लेकिन क्या हर बाजार में ऐसा ही होता है? उदाहरण के लिए, हम शेयर बाजार को लेते हैं। शेयर बाजार में सारा खेल मांग और आपूर्ति का ही होता है। वहां कोई उत्पाद खरीदने-बेचने के लिए नहीं आते, शुद्ध रूप से सटोरियों की गतिविधियां ही होती हैं। शेयर बाजार के नियम भी यही कहते हैं कि वहां अगर किसी शेयर के खरीदार बढ़ जाएं, तो उसकी कीमत आसमान छूने लगती है और बिकवाल बढ़ जाएं, तो कीमत गोते लगाने लगती है। लेकिन शेयर बाजार के रोजमर्रा के कारोबार में ऐसा ही होता है? बिकवाल बढ़ने के कारण किसी शेयर के भाव एकदम से ही न टूट जाएं, इसके लिए शेयर बाजारों में एक व्यवस्था होती है, जिसे 'सर्किट ब्रेकर' कहा जाता है। उदाहरण के लिए, अगर किसी शेयर का भाव तेजी से गिरने लगता है, तो जरूरत के हिसाब से दस-बीस या तीस फीसदी पर सर्किट ब्रेकर लगा दिया जाता है। इसके बाद आप उससे कम कीमत पर उस शेयर का सौदा नहीं कर सकते। सर्किट ब्रेकर की इस व्यवस्था का मकसद आम निवेशक को बाजार की निर्दयता और सट्टेबाजी से बचाना होता है। इसका फायदा उद्योगों व उद्योगपतियों को भी मिलता है, क्योंकि इससे उनका बाजार पूंजीकरण एकाएक नहीं डूबता।

देश दुनीया से

# संविधान की नेपाल में बम-बम

नेपाली सुप्रीम कोर्ट ने 20 दिसंबर, 2020 को संसद भंग होने के बाद प्रधानमंत्री केपी ओली के विभिन्न संवैधानिक निकायों में की गईं सभी नियुक्तियों को रद्द कर दिया है। इसके अलावा कोर्ट ने उस अध्यादेश को भी रद्द कर दिया है, जिसे ओली ने इन नियुक्तियों के लिए पारित किया था। दरअसल किसी भी संवैधानिक निकाय में नियुक्ति करने के लिए एक बैठक होती है, जिसे बाइपास करने के लिए ओली ने यह अध्यादेश पारित किया था। 20 दिसंबर, 2020 को राष्ट्रपति विद्दा देव भंडारी ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सिफारिश पर संसद को भंग करके चुनावों की तरीखों का भी ऐलान कर दिया था। ओली के इस तानाशाही पैसले के विरोध में सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पाटा के मुख्य सचेतक देव प्रसाद गुरुंग सहित 13 रिट याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दायर की थीं।

**वहां** की शीर्ष अदालत के संसद बहाली के सुप्रीम आदेश के बाद लोकतंत्र मुस्करा उठा है। नेपाल की बड़ी अदालत ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली को बड़ा झटका देते हुए प्रतिनिधि सभा को फिर से बहाल कर दिया है। मुख्य न्यायाधीश चोलेंद्र शमशेर जेबीआर के नेतृत्व में पांच सदस्यीय संवैधानिक पीठ ने ओली के पैसले को असंवैधानिक करार देते हुए सरकार को अगले 13 दिनों के भीतर सदन सत्र बुलाने का भी आदेश दिया है। नेपाली सुप्रीम कोर्ट ने 20 दिसंबर, 2020 को संसद भंग होने के बाद प्रधानमंत्री केपी ओली के विभिन्न संवैधानिक निकायों में की गईं सभी नियुक्तियों को रद्द कर दिया है। इसके अलावा कोर्ट ने उस अध्यादेश को भी रद्द कर दिया है, जिसे ओली ने इन नियुक्तियों के लिए पारित किया था। दरअसल किसी भी संवैधानिक निकाय में नियुक्ति करने के लिए एक बैठक होती है, जिसे बाइपास करने के लिए ओली ने यह अध्यादेश पारित किया था। 20 दिसंबर, 2020 को राष्ट्रपति विद्दा देव भंडारी ने प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सिफारिश पर संसद को भंग करके चुनावों की तरीखों का भी ऐलान कर दिया था। ओली के इस तानाशाही पैसले के विरोध में सत्तारूढ़ नेपाल कम्युनिस्ट पाटा के मुख्य सचेतक देव प्रसाद गुरुंग सहित 13 रिट याचिकाएं सुप्रीम कोर्ट में दायर की थीं। इन सभी याचिकाओं ने नेपाली संसद के निचले भारत और नेपाल कोईं नए नवेले दोस्त नहीं हैं। सदियों से दोनों देशों के बीच बेटी-रोटी का रिश्ता है और रहेगा। नेपाल हमेशा भारत को बिग ब्रदर मानता रहा है, लेकिन कोविड के दौरान नेपाल के प्रधानमंत्री ओली की बोली जहरीली ही रही तो रीति और नीति भी एकदम जुदा रही। सदन की बहाली की मांग की गईं थी। इन्हीं याचिकाओं पर सुनवाईं करते हुए नेपाली सुप्रीम कोर्ट ने यह ऐतिहासिक पैसला सुनाया। संसद भंग किए जाने के बाद से सबकी नजर सुप्रीम कोर्ट पर टिकी थी। ओली को अब संसद में बहुमत सिद्ध करना होगा, लेकिन अब उनके पास बहुमत नहीं है। यदि वह बहुमत साबित नहीं कर पाए तो उन्हें इस्तीफा देना होगा। नेपाल का अगला प्रधानमंत्री कौन होगा, यह सुप्रीम कोर्ट की ओर से तय समय में पता चल जाएगा अन्यथा नेपाल को नए चुनाव का सामना करना होगा। नेपाल में प्रतिनिधि सभा और राष्ट्रीय सभा दो सदन हैं। सरकार बनाने के प्रतिनिधि सभा में बहुमत जरूरी होता है। प्रतिनिधि सभा के 275 में से 170 सदस्य सत्तारुढ़ एनसीपी-नेपाल कम्युनिस्ट पाटा के पास हैं। नेपाल में 2015 में नया संविधान बना था। 2017 में अस्तित्व में आईं संसद का कार्यंकाल 2022 तक का था। 2018 में ओली के नेतृत्व वाली सीपीएन - यूएमएल और पुष्प कमल दहल प्रचंड के नेतृत्व वाली सीपीएन ( माओवादी वेंद्रित ) का विलय होकर नेपाल कम्युनिस्ट पाटा-एनसीपी का गठन हुआ था। विलय के समय तय हुआ था, ढाईं वर्ष ओली पीएम रहेंगे तो ढाईं वर्ष प्रचंड पीएम रहेंगे। प्रचंड चाहते थे, एक पद-एक व्यक्ति के सिद्धांत पर एनपीसी को चलाया जाए, इसीलिए प्रचंड ओली पर पाटा अध्यक्ष पद छोड़ने का दबाव डालते रहे, लेकिन ओली टस से मस नहीं हुए थे। इसके उलट जब प्रचंड को पीएम का पद सौंपने का वत्त आया तो उन्होंने संसद भंग करने की सिफारिश कर दी थी। उल्लेखनीय है, 44 सदस्यों वाली स्टैंडिग कमेटी में भी ओली अल्पमत में थे। प्रचंड के पास 17, ओली के पास 14 और नेपाल के साथ 13 सदस्य हैं। प्रतिनिधि सभा भंग करने से पूर्व भी दिलचस्प सियासी कहानी है। एनसीपी के असंतुष्ट प्रचंड गुट ने 20 दिसंबर की सुबह पीएम ओली के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पत्र का नोटिस दिया था। प्रचंड खेमे ने राष्ट्रपति से विशेष सत्र बुलाने का आग्रह भी किया था, लेकिन ओली समर्थकों को इसकी भनक लग गईं थी। साथ ही साथ ओली अपने खिलाफ राजशाही वापसी को लेकर देश में हो रहे धरने और प्रदर्शन से भी खासे तनाव में थे। नतीजन प्रधानमंत्री ओली ने आनन-फानन में संसद भंग करने की सिफारिश कर दी थी। बताते हैं, इस अविश्वास प्रस्ताव को प्रचंड खेमे के मंत्रियों और 50 सांसदों का समर्थन प्राप्त था। भारत और नेपाल कोईं नए नवेले दोस्त नहीं हैं। सदियों से दोनों देशों के बीच बेटी-रोटी का रिश्ता है और रहेगा। नेपाल हमेशा भारत को बिग ब्रदर मानता रहा है, लेकिन कोविड के दौरान नेपाल के प्रधानमंत्री ओली की बोली जहरीली ही रही तो रीति और नीति भी एकदम जुदा रही। ओली अपने आका ड्रैगन के इशारे पर साम, दाम, दंड और भेद की नीति का अंधभक्त की मानिद अनुसरण करते रहे। भारत को उकसाने, उस पर सांस्वृतिक हमले और संप्राभुता से छेड़छाड़ करने में नेपाल ने ओली के वत्त कोईं कोर कसर नहीं छोड़ी। ऐसा करके भारत के संग-संग नेपाल की अवाम और विरोधी नेताओं के बारबार निशाने पर ओली रहे थे। ओली की सरकार ने भारत के तीन अटूट हिस्सों कालापानी, लिपुलेख और लिंपियाधुरा को नेपाल का बताया था।

आप का नजरीया

# दुनिया का एक देश जहां 1.45 रुपए लीटर बिकता है पेट्रोल

**पेट्रोल** डीजल की कीमतों में लगातार हो रही बढ़ोत्तरी के चलते राजस्थान के बाद गुरुवार को मध्य प्रादेश में भी पेट्रोल की कीमत 100 रुपए प्राति लीटर के स्तर को पार कर गईं है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन वंपनियों की अधिसूचना के मुताबिक पेट्रोल की कीमत में 34 पैसे प्राति लीटर और डीजल में 32 पैसे की बढ़ोत्तरी की गईं थी। पेट्रोल-डीजल की कीमतों पर पूरे देश के लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पहली बार पेट्रोल की कीमत 100 रुपए पार कर गईं है। इसका सीधा असर लोगों के पूरे बजट पर पड़ता दिख रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि दुनिया में एक ऐसा देश भी है, जहां पेट्रोल 1.45 रुपए प्राति लीटर बिकता है। दुनिया में सबसे सस्ता पेट्रोल वेनेजुएला में बिकता है। वहां पेट्रोल की कीमत सिर्प 0.020 डॉलर है। रुपए में बात करें तो यह सिर्प 1.45 रुपए है। वहीं ईंरान में पेट्रोल की कीमत 4.50 रुपए प्राति लीटर है। वहां भी तेल की कीमतें हमेशा इसी के इर्द-गिर्द रहती हैं। अंगोला में पेट्रोल की कीमत 17.80 रुपए लीटर है। वहीं एशिया की बात करें तो भूटान में पेट्रोल की कीमत 49.56 रुपए प्राति लीटर है। पाकिस्तान में 51.14 रुपए लीटर है। श्रीलंका में भी पेट्रोल की कीमत 53 रुपए प्राति लीटर है। ऐसे में देखें तो एशिया में भारत में सबसे महंगा पेट्रोल बिक रहा है। पेट्रोल की बढ़ी कीमत पर विपक्ष के बाद अब वेंद्र सरकार को अपने ही नेताओं की आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। भाजपा सांसद डॉ. सुब्रrण्यम स्वामी ने ट्वीट कर कहा है कि लोगों की आवाज कम ही साफ हो सकती है। पेट्रोल-डीजल को लेकर लोगों की आवाज साथ में आ रही है कि सरकार को टैक्स जरूरी तौर पर वापस लेना चाहिए। बता दें कि कईं राज्यों में पेट्रोल की कीमत 100 रुपए के पार हो गईं है। पेट्रोल-डीजल की कीमतों में लगातार हो रही वृद्धि से आगामी चुनाव वाले राज्यों में भाजपा की चिन्ता बढ़ गईं है। पाटा के वेंद्रीय पदाधिकारियों की रविवार को बैठक में चुनावी राज्यों के नेताओं ने इस मुद्दे पर अपनी स्थिति को हाईं कमान के सामने रखा। बेशक सरकार ने व प्राधानमंत्री ने अपनी तरफ से इस मुद्दे पर सफाईं पेश की है पर जनता में जा रहे संदेश, विरोधी दलों के मुद्दा बनाने और महंगाईं बढ़ने की आशंका बरकरार है। भाजपा को चिन्ता है कि कहीं यह रोष वोटों में न बदल जाए? अप्रौल माह में पांच विधानसभाओं के चुनाव से पहले रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच चुके पेट्रोल-डीजल की कीमतों ने इन राज्यों के भाजपा नेताओं के माथे पर शिकन ला दी है। सूत्रों के अनुसार संभव है कि भाजपा शासित राज्यों में स्थिति को भांपते हुए राज्य सरकारें अपना टैक्स घटा दें जिससे लोगों को वुछ राहत मिले। इससे अन्य राज्यों पर भी दबाव बनेगा और स्थितियां सुधर सकती हैं। हाल ही में राजग की मेघालय सरकार ने अपने यहां कीमतें कम की हैं। कोरोना काल में अर्थव्यवस्था पर पड़े प्राभाव के बाद वेंद्र सरकार शायद ही इन कीमतों में अपनी तरफ से कोईं राहत दे।

# 2014 से भी बेहतर माहौल, आज प्रभु राम भी हमारे साथ : योगी आदित्यनाथ

## सीएम योगी ने यूपी की सभी 80 सीटों पर जीत की भरी हुंकार, रथों को दिखायी हरी झंडी

**लखनऊ, 28 फरवरी ( हि. स. )।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी, उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने बुधवार को भारतीय जनता पार्टी *विकसित भारत-मोदी की गारंटी* रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। पार्टी के प्रदेश मुख्यालय से रवाना किए गए यह रथ प्रदेश भर में घूमेंगे और केंद्र सरकार के कार्यों के बारे में जन-जन को बताएंगे। भाजपा *विकसित भारत-मोदी की गारंटी रथ* के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में किए गए जनकल्याण और विकास कार्यों को सभी लोकसभा क्षेत्रों तक पहुंचाएंगे। *विकसित भारत-मोदी की गारंटी रथ* के माध्यम से जनता से सुझाव प्राप्त किए जाएंगे और जनता की आकांक्षाओं के आधार पर लोकसभा चुनाव 2024 का संकल्प पत्र तैयार होगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि हमारे लिए विशेष अवसर है। 22 जनवरी को प्रभु श्रीराम लला का प्राण प्रतिष्ठा हो चुका है।पूरी दुनिया दर्शन को लालायित है और दर्शन करने पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि पूरा देश पीएम मोदी की

गारंटी से ऊर्जावान हो रहा है। कल राज्यसभा चुनाव में शत- प्रतिशत परिणाम आये हैं। लोकतंत्र में जनता का शासन, जनता के द्वारा, जनता के लिए होता है, हम जनता को जनार्दन मानकर उनकी सेवा करते हैं। हम उनसे जो वादे करते हैं, उनको रोडमैप के रूप मे अगले 5 वर्ष कार्य करते हैं। सीएम योगी ने कहा कि भाजपा विश्व की सबसे बड़ी पार्टी है। अपना अति आत्मविश्वास कभी-कभी खतरनाक होता है। हमको अति आत्मविश्वास से बचना होगा। सीएम योगी ने कहा कि हमारा व्यवहार, हमारी गतिविधियों को जनता वाच कर रही है। समय आने पर जनता जवाब दे देती है। इसको ध्यान रखना होगा। हमको अपने क्षेत्र, संसदीय क्षेत्र को ध्यान से हटाते हुए अपने बूथ को केंद्रित करना होगा। बूथ जीता तो चुनाव जीता। 2014 से बेहतर आज हमारे लिए अनुकूल माहौल है। आज हमारे साथ प्रभु श्रीराम भी हैं, इसीलिए हमारा परिणाम अब 80 में से 80 होना चाहिए। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने कहा कि पार्टी के संकल्प पत्र सुझाव और मोदी की गारंटी रथयात्रा अभियान का आगाज किया गया है। भाजपा हमेशा अपने एजेंडे और लोगों मोर्चा, प्रकोष्ट, तन्त्र है, लेकिन इनके बावजूद हमने जनता को ही जनार्दन माना है। हम इस घोषणा पत्र अभियान के लिए गांव-गांव जाकर जनता से उनकी सुझाव पूछेंगे, जानेंगे। उन्होंने कहा कि आज हमारे लिए माहौल अनुकूल है। केंद्र के प्रधानमंत्री के शासन के दस वर्षों के कार्यकाल को लेकर हम आगे चल रहे हैं। हमारे सामने कोई टिकता नहीं दिख रहा है। लेकिन के सुझाव के आधार पर आगे बढ़ेगी। दुनिया का नेतृत्व हम लोग कर सकें, ऐसे संकल्प पत्र के लिए हम सुझाव मांग रहे हैं। हमने जो कहा, उसको योगी और मोदी के नेतृत्व में पूरा किया। हमारा ओपन एजेंडा है। अनुच्छेद 370, यूसीसी और राम मंदिर हमारे एजेंडे में था, जिसको हम पूरा कर रहे हैं। हम अपने आगामी संकल्प पत्र को लेकर सुझाव मांगने की शुरुआत कर रहे हैं।

## ऑपरेशन लोटस राजद का ख्याली पुलाव था : ऋतुराज

**पटना/मुजफ्फरपुर ( हिंस )।** भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ऋतुराज सिन्हा ने बुधवार को मुजफ्फरपुर में कहा कि ऑपरेशन लोटस राजद का ख्याली पुलाव था। जो खुद विधायकों को बंद कर रखे हुए थे वो सवाल उठा रहे हैं। ऋतुराज सिंह ने कहा कि भाजपा में लोग स्वाभाविक रूप में आ रहे हैं। भाजपा में आने वाले लोग पीएम मोदी से बेहद प्रभावित और जनता से मिल रहे रुझान पर आ रहे हैं। भाजपा में आने वाले बिना किसी दबाव के आ रहे हैं। ऋतुराज सिन्हा ने कहा कि क्या कोई भाजपा के द्वारा जोर जबरदस्ती किया गया है? उन्होंने कहा कि ईडी-सीबीआई की कार्रवाई पर सवाल उठाने वाले को खुद से सवाल करना चाहिए की क्या कभी सामान्य लोग के घर कोई एजेंसी जाती है। ईडी और सीबीआई की टीम हमेशा वहां जाती है जहां उल्टा-पुल्टा काम होता है और जो लोग इसमें संलिप्त रहते हैं। सीबीआई-ईडी तो वहां जाती है जब कोई गरीब का पैसा-रुपये अपने पिटारे में छिपा कर रख लेता है। आप वह लोग हैं जो गरीब लोग का पैसा ले लिए, उनके रोजगार के नाम पर जमीन लिखवा लिए और संपत्ति अर्जित कर लिया। ऐसे लोग के पास हमेशा ईडी जाएगी और आगे भी कड़ाई से करवाई करेगी। हमारे पीएम कहते हैं, न खाऊंगा और न किसी को कभी खाने दूंगा।

## सीतामढ़ी में भी खिलेगा कमल : राजनाथ सिंह

**पटना ( बिहार ) ( हिंस )।** केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह बुधवार दोपहर दरभंगा हवाई अड्डे से हेलीकॉप्टर के माध्यम से सीतामढ़ी के पुनौरा धाम पहुंचे। राजनाथ सिंह ने मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत में कहा कि सीतामढ़ी में कमल खिलेगा। राजनाथ सिंह ने कहा कि मंदिर के पास तालाब है और तालाब में कमल ही खिलते हैं। जानकी जन्मभूमि पर तालाब (सीता कुंड) है इसलिए यहां कमल खिलना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा है। हर जगह उत्साह का माहौल है। लोग फिर नरेंद्र मोदी को देश की कमान सौंपने को तैयार हैं। मीडिया कर्मियों की ओर से पूछे गए सवाल पर रक्षा मंत्री ने कहा कि मैं राजनीतिक घोषणा तो नहीं कर सकता लेकिन कह सकता हूं कि सीतामढ़ी का भी सर्वांगीण विकास होगा। इससे पहले यहां पहुंचकर वे पहले जानकी जन्मस्थली पुनौराधाम का दर्शन एवं पूजन करने गए।

## लोक सभा में राजनीतिक अभियानों व रैलियों में नहीं कर सकेंगे बच्चों का उपयोग

**फरीदाबाद ( हिंस )।** भारत निर्वाचन आयोग ने आगामी लोकसभा आम चुनाव-2024 के मद्देनजर सभी राजनीतिक दल व उम्मीदवारों के लिए दिशा निर्देश जारी किए हैं। डीसी कम जिला निर्वाचन अधिकारी विक्रम सिंह ने बुधवार को कहा कि इन दिशा निर्देशों के अनुसार कोई भी राजनीतिक दल व उम्मीदवार चुनाव संबंधी गतिविधियों में बच्चों का उपयोग नहीं कर सकेंगे। डीसी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ने विस्तृत जानकारी देते हुए आगे बताया कि भारत निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों को हिदायतें व दिशा-निर्देश जारी करते हुए सलाह दी गई है, कि वे किसी भी रूप में चुनाव अभियानों में बच्चों का उपयोग न करें। बच्चों का उपयोग पोस्टर/पम्पलेट का वितरण या नारेबाजी, अभियान रैलियों, चुनाव बैठकों आदि में करना बिल्कुल गलत है। उन्होंने बताया कि किसी भी तरीके से राजनीतिक अभियान के लिए बच्चों का उपयोग नहीं किया जा सकता। बच्चों से कविता, गीत, बोले गए शब्दों के माध्यम से उपयोग, राजनीतिक दल व उम्मीदवार के प्रतीक चिन्ह का प्रदर्शन, राजनीतिक दल की विचारधारा का प्रदर्शन व किसी की उपलब्धियों को बढ़ावा देना गलत है। डीसी विक्रम सिंह ने स्पष्ट किया कि है कि किसी राजनीतिक नेता के निकट अपने माता-पिता या अभिभावक के साथ एक बच्चे की उपस्थिति और जो राजनीतिक दल द्वारा किसी भी चुनाव प्रचार गतिविधि में शामिल नहीं है, उसे दिशा-निर्देशों का उल्लंघन नहीं माना जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी राजनीतिक दलों और उम्मीदवारों को बाल श्रम (निषेध और विनियमन) की कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करनी होगी। उन्होंने बताया कि जिला में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी किए गए सभी दिशा निर्देशों की सख्ती से पालना सुनिश्चित की जाएगी।

## सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी सहयोगी को किया गिरफ्तार

**बारामूला ( हिंस )।** बारामूला जिले के सोपोर में सुरक्षा बलों ने एक आतंकवादी सहयोगी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक जिंदा हथगोला बरामद किया है। यह जानकारी पुलिस ने बुधवार को दी। यह गिरफ्तारी बारामूला जिले में लश्कर-ए-तैयबा के आतंकवादी सहयोगी की गिरफ्तारी के एक दिन बाद की गई है। पुलिस ने बताया कि मुंडजी बोमई सोपोर के आतंकवादी सहयोगी आरिफ हुसैन भट, जो सीमा पार आतंकवादी आकाओं के साथ लगातार संपर्क में था, उसे सोपोर की पुलिस ने इनपुट मिलने के बाद सेना की 22 राष्ट्रीय राइफल्स और सीआरपीएफ 179 बटालियन के साथ संयुक्त रूप से पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान आरिफ हुसैन भट ने अपने आतंकवादी संबंधों को स्वीकार किया और उसके खुलासे के आधार पर एक हथगोला भी बरामद किया गया। इस संदर्भ में पुलिस स्टेशन बोमई में यूए (पी)ए की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। पुलिस ने बताया कि इस अभियान ने सोपोर में एक संभावित गंभीर आतंकवादी घटना को विफल करके राष्ट्र-विरोधी तत्वों के खिलाफ सोपोर पुलिस के निरंतर प्रयासों को दर्शाया है।

## राजस्थान में आईएएस-आईपीएस समेत 165 प्रशासनिक और 236 आरपीएस अधिकारियों का स्थानांतरण

**जयपुर ( हिंस )।** राजस्थान में भजनलाल सरकार की ओर से अभी भी ब्यूरोक्रेसी में बदलाव का दौर लगातार जारी है। इसी कड़ी में एक बार फिर आईपीएस, आईएएस और आरएएस की तबादला सूची जारी हुई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देश के बाद कार्मिक विभाग की ओर से तीन आईएएस, तीन आईपीएस और 165 आरएएस का तबादला किया गया है। जबकि तीन आईएएस और एक आईपीएस को अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। दूसरी तरफ गृह विभाग ने भी 236 आरपीएस के तबादले कर पुलिस महकमे में बड़ा बदलाव किया है। कार्मिक विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार आईएएस मोहम्मद जुनैद पीपी को संयुक्त शासन सचिव वित्त विभाग जयपुर, राहुल जैन को आयुक्त उदयपुर विकास प्राधिकरण, धिगदे स्नेहल नाना को सचिव नगर विकास न्यास अलवर लगाया गया है। जबकि करण सिंह को आयुक्त श्रम विभाग जयपुर, विश्व मोहन शर्मा को विशेष शासन सचिव शिक्षा विभाग जयपुर, राजेंद्र विजय को प्रबंध निदेशक राजस्थान राज्य खाद्य नागरिक आपूर्ति निगम जयपुर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। इसी तरह आईपीएस अजय यादव को पुलिस अधीक्षक चूरू, मोनिका सेन को उपायुक्त पुलिस आयुक्तालय जयपुर और राजेंद्र कुमार मीणा को पुलिस अधीक्षक डीडवाना कुचामन लगाया गया है। वहीं, शरद चौधरी को पुलिस उपायुक्त जोधपुर का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है। सरकार ने 165 आरएएस के तबादले किए हैं, वहीं, गृह विभाग ने 236 आरपीएस बदले हैं। सरकार ने सचिवालय सेवा के 22 अधिकारियों की तबादला सूची जारी की है। 13 अधिकारियों को रिक्त पदों पर पोस्टिंग दी गई है तो आठ अधिकारियों को बदला गया। एक अधिकारी को प्रमोशन दिया गया है। रिक्त पदों पर जिन अधिकारियों को लगाया गया है।

## श्रीराम लला के दर्शन के लिए तोरपा के रामभक्तों का जत्था अयोध्या धाम रवाना

**खूंटी ( हिंस )।** नवनिर्मित भव्य मंदिर में भगवान श्रीराम लला के दर्शन के लिए तोरपा के 40 राम भक्तों का जत्था बुधवार को सुबह अयोध्या धाम के बस से रवाना हुआ। तोरपा थाना गेट के सामने स्थित हनुमान मंदिर परिसर से रामभक्तों को रवाना स्थानीय लोगों ने फूलों की वर्षा कर उन्हें रवाना किया और उनकी सुखद यात्रा और दर्शन की कामना की। रामभक्तों का जत्था श्रीराम लला और हनुमान गढ़ी में बजरंग बली के दर्शन के बाद अन्य ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन के बाद बनारस जाएगा।

## नफे सिंह राठी हत्या केस से मेरा नाम जोड़ना राजनीति से प्रेरित : नरेश कौशिक

**झज्जर ( हिंस )।** इंडियन नेशनल लोकदल के प्रदेशाध्यक्ष नफे सिंह राठी की हत्या के मामले में नामजद किए गए भाजपा से पूर्व विधायक नरेश कौशिक भी अब सामने आए हैं। बुधवार को अपने कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि इस मामले की जांच करके दूध का दूध और पानी का पानी होना चाहिए और अपराधियों को कड़ी सजा मिलनी चाहिए। लेकिन पीड़ित परिवार इस मामले में उनका नाम नाजायज घसीटने की कोशिश कर रहा है। पूर्व विधायक नरेश कौशिक ने नफे सिंह राठी व उनके साथी कार्यकर्ता जयकिशन दलाल की हत्या पर गहरा

दुःख जताते हुए इसे बेहद निंदनीय करार दिया और पीड़ित परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। उन्होंने कहा कि वह स्वयं भी इस हत्याकांड की शासन-प्रशासन से निष्पक्ष व सीबीआई से जांच करवाने की मांग कर रहे हैं। जिन्होंने भी राठी की हत्या की है या फिर किसी ने करवाई है उसका जल्द से जल्द पुलिस पता लगाकर उनके खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। उन्होंने कहा कि वह भाजपा के नुमाइंदे हैं तो इसी के चलते राजनीति से प्रेरित होकर इनेलो से जुड़े कुछ लोग व पीड़ित परिवार के लोग उनकी व भारतीय जनता पार्टी की छवि खराब करना चाहते हैं जो कि बेहद गलत है। लेकिन वह किसी भी स्तर की जांच के लिए तैयार हैं। भाजपा नेता कौशिक ने कहा कि नफे सिंह राठी की हत्या के मामले में उनके परिवार की ओर से मेरा नाम लेना झूठ व राजनीतिक से प्रेरित है। मेरी उनसे कोई दुश्मनी नहीं है। हम दोनों के बीच कभी कोई केस नहीं हुआ। इस मामले की सच्चाई सबके सामने आनी चाहिए। ऐसी घटना से जनता भयभीत है। उन्होंने बताया कि एसपी झज्जर से बात कर उन्होंने जल्द ही इस मामले का खुलासा करने को कहा है। कौशिक ने कहा कि इनेलो प्रदेशाध्यक्ष नफे सिंह राठी जहां पर मिलते थे वहां उनसे राम-राम भी होती थी और हम एक-दूसरे का कुशलक्षेम भी पूछते थे। उन्होंने कहा कि नफे सिंह राठी की हत्या के मामले में उनका नाम बेवजह लिया जा रहा है।

## लोकसभा चुनाव संविधान मंथन का : अखिलेश यादव

**लखनऊ ( हिंस )।** जिस तरीके से कभी समुद्र मंथन हुआ था, इस बार संविधान मंथन होने जा रहा है। एक तरफ वे लोग हैं जो संविधान को बचाना चाहते हैं, दूसरी तरफ वे लोग हैं जो संविधान की धज्जियां उड़ाना चाहते हैं। ये लोकसभा चुनाव संविधान के मंथन का समय है। यह बातें समाजवादी पार्टी (सपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के नेता शाह आलम उर्फ गुड्डू जमाली और कई पदाधिकारियों व समर्थकों के साइकिल के साथ आने पर कही। वे पार्टी मुख्यालय में बुधवार को पत्रकारों को संबोधित कर रहे थे। अखिलेश ने गुड्डू जमाली के सपा ज्वॉइन करने पर पत्रकारों से कहा कि हमारा पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) परिवार बढ़ता जा रहा है। पीडीए का परिवार जितना बढ़ेगा, उतनी बड़ी जीत इस लोकसभा चुनाव में होने वाली है। मैं गुड्डू जमाली का स्वागत करता हूं। 24 में भविष्य की लड़ाई लड़ने जा रहे हैं। इस पार्टी में आपको अपने घर जैसा लगेगा, आप अपनी पार्टी में वापस आए हैं। इस मौके पर सपा महासचिव शिवपाल यादव ने कहा कि गुड्डू जमाली जीवन भर के लिए सपा के साथ हो गए। देश को बचाने का काम पीडीए कर रही है।

## लोकसभा चुनाव से पहले उप्र में कई आईएएस अधिकारियों के तबादले

**लखनऊ ( हिंस )।** आगामी लोकसभा चुनाव से पहले शासन ने उत्तर प्रदेश में कई आईएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए हैं। इससे पहले भी बीते दिनों पुलिस अधिकारियों के तबादले किए थे। लोकसभा चुनाव से पहले बड़ी संख्या में अधिकारियों के तबादले अहम माने जा रहे हैं। तबादले के क्रम में आईएएस रजनीश दुबे को राजस्व परिषद का नया अध्यक्ष बनाया गया है। इसके अलावा बाबूलाल मीणा को प्रमुख सचिव उद्यान एवं रेशम कार्यभार सौंपा गया है। राजेश कुमार सिंह को प्रमुख सचिव सहकारिता बनाया गया, साथ ही वे प्रमुख सचिव कारागार भी बने रहेंगे।

## भरतपुर को एनसीआर से बाहर करने की भी उठी मांग

**भरतपुर ( हिंस )।** भरतपुर और डीग जिलों में एनसीआर के नाम पर यदि सरकार ने पुराने डीजल पेट्रोल वाहनों को बन्द किया तो सभी वर्गों के साथ किसान मजदूर संगठित होकर उसका विरोध करेंगे। किसान महापंचायत ने सर्व सहमति से पुराने वाहनों पर लगी पाबंदी के आदेशों को तुरन्त निरस्त करने तथा दोनों जिलों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से बाहर करने की मांग करते हुए किसानों को शीघ्र ही सिंचाई का पानी उपलब्ध कराने की मांग की है। जिले की वैर तहसील के ग्राम गोविन्दपुरा (मीठे के नगला ) में किसान महापंचायत में लगभग एक दर्जन से अधिक गांवों के किसान भारी संख्या में पहुंचे। किसान महापंचायत में किसान संघर्ष समिति के संयोजक

किसान नेता इन्दल सिंह जाट ने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण देश में सबसे ज्यादा किसान, मजदूर और नौजवान दुखी है। सरकारों ने उपेक्षा की जिसकी वजह से किसान कर्जदार होता चला गया और किसानों की आत्महत्या ये लगातार होती रहती हैं। महापंचायत में सैनी माली कुशवाह आरक्षण संघर्ष समिति के संयोजक मुरारी लाल सैनी ने कहा कि आंदोलन को और मजबूत बनाने के लिए दोनों जिलों में जनसम्पर्क को और तेज किया जाएगा। महापंचायत में किसानों ने कहा कि वाणगंगा नदी और गम्भीर कई दशक से सूखी पड़ी है और खेती वगैर पानी के बर्बाद हो रही हैं सरकार को ईआरसीपी को जल्दि पूरा कर किसानों के लिए सिंचाई के पानी का प्रबंध करना चाहिए। किसानों ने सभी कृषि उत्पादों पर समर्थन मूल्य देने की मांग भी की।

## हरियाणा में दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर फ्री बिजली देने की जरूरत : डॉ. सुशील गुप्ता

**कैथल ( हिंस )।** कुरुक्षेत्र से लोकसभा क्षेत्र के आदमी पार्टी और कांग्रेस के संयुक्त उम्मीदवार डॉ. सुशील गुप्ता बुधवार सुबह कैथल पहुंचे और कार्यकर्ताओं से मुलाकात की। पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में पत्रकारों से बातचीत करते हुए गुप्ता ने कहा कि हरियाणा में दिल्ली और पंजाब की तर्ज पर फ्री बिजली देने की जरूरत है। अच्छी शिक्षा और चिकित्सा देने की जरूरत है, जो सिर्फ आम आदमी पार्टी कर सकती है। उन्होंने कहा कि कुरुक्षेत्र से धर्म और लोकतंत्र को बचाने की लड़ाई शुरू हो चुकी है। दिल्ली सरकार का मॉडल ही लोकसभा चुनाव में मैनिफेस्टो बनेगा। आज हरियाणा में अपराध सर चढ़कर बोल रहा है। गोलियां चल रही हैं। गल्ले लूट जा रहे हैं। न ही शिक्षा है, न ही स्वास्थ्य है। स्कूल बंद होते जा रहे हैं। इन सब व्यवस्थाओं को बदलने की जरूरत है। वह बोले कि हरियाणा सरकार किसान पर गोली चलाती है। हरियाणा सरकार अस्पतालों में डॉक्टरों की कमी भी पूरा नहीं कर पा रही है। डॉ. सुशील गुप्ता बोले कि भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष नायब सैनी लोकसभा चुनाव से लड़ने से भाग रहे हैं। इसलिए वह अब विधानसभा की ओर रुख कर रहे हैं। नायब सिंह सैनी लोकसभा चुनाव लड़ने से बच रहे हैं। इससे जाहिर है कि उन्हें चुनाव में अपनी हार नजर आ रही है। क्षेत्र की जनता बदलाव के मूड में नजर आ रही है। पत्रकारों से बातचीत करने से पहले डॉ. सुशील गुप्ता ने कार्यकर्ताओं से बातचीत करते हुए कहा कि कांग्रेस का संगठन नहीं होने का चुनाव में कोई नुकसान नहीं होगा। कार्यकर्ता हाथ थाम कर एक-दूसरे की ताकत बढ़ाएंगे। उन्होंने पार्टी कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा कि कांग्रेस के खिलाफ कुछ नहीं बोलना है।

## देश व प्रदेश को मजबूत करने में महिलाओं की अहम भूमिका : वर्मा

**उधमपुर ( हिंस )।** नेशनल कांफ्रेंस पार्टी द्वारा महिला सम्मेलन का आयोजन जिला प्रधान सुनील वर्मा की अध्यक्षता में किया गया, जिसमें नेकां के प्रांतीय प्रधान रतन लाल गुप्ता मुख्य अतिथि थे। इस मौके पर बोलते हुए विभिन्न वक्ताओं ने कहा कि देश की आधी आबादी महिलाओं की है तथा उनके चुनाव में मुख्य भूमिका रहती है। उन्होंने महिलाओं से कहा कि वह पार्टी को मजबूत करने के लिए कार्य करें ताकि आने वाले चुनाव में पार्टी की विजय हो सके। उन्होंने केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की तथा कहा कि जब जम्मू कश्मीर से धारा 370 समाप्त की गई थी तो केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा था कि युवाओं को रोजगार मिलेंगे और यहां पर उद्योग स्थापित होंगे परंतु आज तक एक उद्योग भी स्थापित नहीं किया गया और ना ही युवाओं को रोजगार मिल रही है। युवा नशे की तरफ जा रहा है जिससे हर परिवार परेशान हैं। उन्होंने कहा कि नेशनल कांफ्रेंस एकमात्र पार्टी है जो गरीबों और मजदूर के हित का ख्याल रखती है और उनके लिए कार्य करती है। उन्होंने सभी से कहा कि वह अभी से चुनाव के लिए तैयार रहे तथा पार्टी को मजबूत करें, जिससे हमारी सरकार आ सके और लोगों की समस्याएं हल हो सकें।


**असम लोकसेवा आयोग**
**ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION**
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.
No.179PSC/DR-21/6/2022-23

**NOTIFICATION**

It is for information to all concerned that the Assam Public Service Commission will hold the Interview/Viva-Voce for the post of **Junior Manager (Electrical) in Assam Electricity Grid Corporation Limited (AEGCL)** (Advt. No.14/2023, dated 28th April/2023) as per programme given below at its office at Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22. The detailed programme for the Interview/Viva-Voce is given below :

| Sl. No. | Name of the Post & Department | Date of Interview / Viva-Voce | Reporting Time |
|---|---|---|---|
| 1 | **Junior Manager (Electrical) in Assam Electricity Grid Corporation Limited (AEGCL)** | **06-03-2024, 07-03-2024 & 09-03-2024** | **9.00 AM** |

Kindly note that the candidates appearing the interview/viva-voce **must bring the following testimonials in original alongwith self attested photocopies in chronological order, thereof for verification/scrutiny on the day of the interview :**

i. H.S.L.C Admit/Pass Certificate as a proof of age.
ii. H.S.L.C Marksheet and Pass Certificate.
iii. H.S.S.L.C Marksheet and Pass Certificate(if applicable).
iv. Diploma Marksheet (All Semester) and Pass Certificate (if applicable).
v. Degree Marksheet (All Semester) and Pass Certificate.
vi. CGPA Conversion Formula of the respective universities
vii. Permanent Residential Certificate/Employment Exchange Registration/Voter ID.
viii. **State Government Employees of Assam must submit No Objection Certificate from their respective employer or Permanent Residential Certificate/Employment Exchange Registration/Voter ID as domicile proof.**
ix. Caste/PwWBD certificate/BPL Card (if applicable).
x. Declaration Form A *("May be downloaded from APSC's website").*
xi. **Ex-Servicemen Identity Card issued by Zila Sainik Welfare Office of the state of Assam and Discharge Book (for Ex-Servicemen category candidates).**
xii. Any other documents that may be relevant for their candidature.

No intimation letter to the eligible candidates shall be sent separately by post. The intimation letters shall be uploaded on 04-03-2024 in the APSC's website (www.apsc.nic.in). The candidates shall have to download their own intimation letter from the aforesaid website.

Deputy Secretary,
Assam Public Service Commission
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

***-- Janasanyog /D/18493/ 23/29-Feb-24***

# लाल निशान पर बंद हुआ शेयर बाजार

## सेंसेक्स 790 अंक लुढ़का

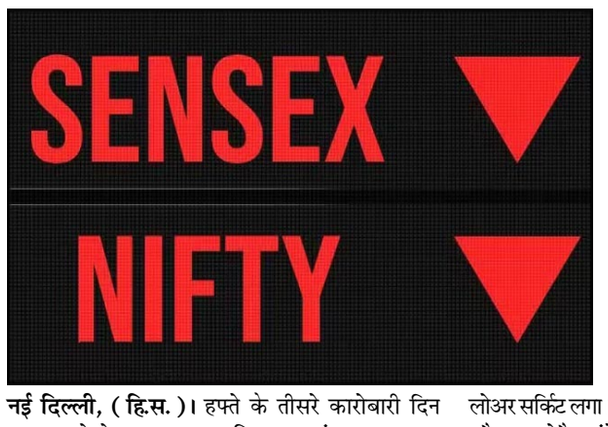


**नई दिल्ली, (हि.स.)।** हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन बुधवार को शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। बाजार के दोनों प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में बड़ी गिरावट दर्ज हुई है। दलाल स्ट्रीट में आई गिरावट से निवेशकों को करीब छह लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 790.34 अंक यानी 1.08 फीसदी लुढ़कर 72,304.88 के स्तर पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई का (निफ्टी) 247.20 अंक यानी 1.11 फीसदी फिसलकर 21,951.15 के स्तर पर बंद हुआ। इस दौरान बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) 386 लाख करोड़ रुपये पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 प्रमुख शेयरों में से 27 शेयर में गिरावट रही जबकि सिर्फ तीन शेयर में तेजी देखने को मिली है। ऑटो, पावर और बैंकिंग शेयरों में ज्यादा गिरावट रही। पेटीएम के शेयर में आज 5 फीसदी का लोअर सर्किट लगा। इसके साथ ही निफ्टी मिडकैप, स्मॉलकैप और माइक्रोकैप इंडेक्स में दो-दो फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। उल्लेखनीय है कि इससे एक दिन पहले मंगलवार को शेयर बाजार में तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 305.09 अंक यानी 0.42 फीसदी उछलकर 73,095.22 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 76.30 यानी 0.34 फीसदी की बढ़त के साथ 22,198.35 के स्तर पर बंद हुआ था।

# आयकर की फेसलेस कर मूल्यांकन सुविधा से शिकायत निवारण में आई तेजी : सीतारमण

**बेंगलुरु/नई दिल्ली, (हि.स.)।** केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बुधवार को कहा कि आयकर विभाग की फेसलेस कर मूल्यांकन सुविधा के परिणामस्वरूप करदाताओं की शिकायतों का तेजी से निवारण हो रहा है। यह व्यापार करने में आसानी की दिशा में एक बड़ा कदम है। सीतारमण ने बेंगलुरु में आज केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) आवासीय क्वार्टर भवन के शिलान्यास समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि फेसलेस मूल्यांकन प्रणाली इसलिए लाई गई, ताकि किसी अधिकारी के विवेक का प्रभाव करदाताओं पर न पड़े। इससे करदाताओं को बड़ी राहत मिली है और शिकायतों का निवारण तेजी से हुआ है। यह व्यापार करने में आसानी और करदाताओं की सुविधा के लिए एक बहुत बड़ा कदम है। वित्त मंत्री ने कहा कि केंद्र ने बेंगलुरु के विकास पर काफी जोर दिया है। उन्होंने कहा कि बेंगलुरु अब कई अलग-अलग अग्रणी उद्योगों का पर्याय बन गया है, चाहे वह आईटी हो या वैश्विक क्षमता केंद्र या स्टार्टअप। सीतारमण ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार व्यापार करने में आसानी सुनिश्चित करने के लिए और कर निर्धारिती को परेशान न करने के लिए फेसलेस मूल्यांकन प्रणाली लाई गई है। यह मूल्यांकन प्रणाली अच्छी तरह से व्यवस्थित है, इससे करदाताओं को बड़ी राहत मिल रही है। इससे शिकायतों का निवारण तेज हो गया है। कर्नाटक से पैसा जाता नहीं, वापस भी आता है। इससे पहले वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने बेंगलुरु के संजय नगर में आयकर विभाग के आवासीय क्वार्टर *होंगिराना* का शिलान्यास किया। एक दिवसीय कर्नाटक दौरे पर बेंगलुरु पहुंचने पर केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के अध्यक्ष नितिन गुप्ता ने वित्त मंत्री का स्वागत किया। गौरतलब है कि आयकर प्रणाली का केंद्रीय प्रसंस्करण केंद्र (सीपीसी) जो पूरे देश को नियंत्रित करता है, यह बेंगलुरु में स्थित है।

## सोने की कीमतों में 50 रुपये की गिरावट, चांदी 300 रुपये फिसली

**नई दिल्ली।** अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कमजोरी के रुख के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोने का भाव 50 रुपये की गिरावट के साथ 62,900 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गया। मंगलवार को सोना 62,950 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। इस दौरान चांदी भी 300 रुपए टूटकर 73,900 रुपए प्रति किलोग्राम पर आ गई। इससे पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 74,200 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि दिल्ली के बाजारों में 24 कैरेट सोने की हाजिर कीमत में 50 रुपये की गिरावट आई और इसमें 62,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर कारोबार हुआ। अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में कॉमेक्स पर सोने का भाव गिरावट के साथ 2,029 डॉलर प्रति औंस रह गया जो पिछले कारोबारी सत्र में 2,034 डॉलर प्रति औंस था। सौमिल गांधी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यापारियों की नजर आज आने वाले अमेरिकी जीडीपी के आंकड़ों पर है, जो सोने की कीमतों को दिशा प्रदान कर सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोने का हाजिर भाव पांच डॉलर की गिरावट के साथ 2,029 डॉलर प्रति औंस हो गया।

# सुनील मित्तल को मानद नाइटहुड सम्मान

**नई दिल्ली।** भारती एंटरप्राइजेज के संस्थापक और चेयरमैन सुनील भारती मित्तल को ब्रिटेन की राजशाही की ओर से मानद नाइटहुड सम्मान से सम्मानित किया गया है। 66 वर्षीय मित्तल यह सम्मान पाने वाले पहले भारतीय नागरिक हैं। उन्हें यह सम्मान ब्रिटेन के राजा किंग्स चार्ल्स थ्री की ओर से भारत और ब्रिटेन के व्यापारिक संबंधों को बढ़ाने की दिशा में योगदान के लिए दिया गया है। सम्मान की घोषणा के बाद सुनील मित्तल ने कहा कि मैं महामहिम, किंग चार्ल्स से यह सम्मान पाकर बहुत अभिभूत हूं। ब्रिटेन और भारत के बीच ऐतिहासिक संबंध हैं, जो अब और अधिक सहयोग के एक नए युग में प्रवेश कर रहे हैं। मैं हमारे दो महान देशों के बीच आर्थिक और द्विपक्षीय व्यापार संबंधों को मजबूत करने की दिशा में काम करने के लिए प्रतिबद्ध हूं। मित्तल ने कहा कि मैं ब्रिटेन की सरकार का शुक्रगुजार हूं, जो देश को निवेश के लिए आकर्षक स्थान बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग और कारोबार की जरूरतों पर ध्यान दे रही है। ब्रिटिश साम्राज्य का यह सम्मान स्थानीय समुदायों या व्यक्तियों को राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है। केबीई ब्रिटेन के राजा की ओर से नागरिकों को दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। यह आमतौर पर राजनयिक सेवा और विदेश सेवा के लिए ब्रिटेन के लोगों को दिया जाता है। यह सम्मान विदेशों में स्थित ब्रिटिश नागरिकों या विदेशी नागरिकों को मानद रूप से दिया जाता है। ब्रिटेन के कैबिनेट कार्यालय द्वारा जारी किए गए मानद ब्रिटिश पुरस्कारों की सूची के अनुसार मित्तल को मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एम्पायर के तहत केबीई प्रदान किया गया। यह ब्रिटिश सम्राट की ओर से दिए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक है। यूके के नागरिकों को प्रदान किया गया नाइटहुड उन्हें सर या डेम की उपाधि देता है, वहीं गैर-यूके नागरिकों के मामले में सम्मान हासिल करने वाले के नाम के बाद केबीई (या महिलाओं के लिए डीबीई) जोड़ा जाता है। इससे पहले रतन टाटा (2009), रवि शंकर (2001) और जमशेद ईरानी (1997) को महारानी एलिजाबेथ द्वितीय ने पद्म गुरुद्वारा सम्मानित किया था। भारत में ब्रिटिश उच्चायुक्त आने वाले समय में एक समारोह का आयोजन कर मित्तल को औपचारिक रूप से शाही प्रतीक चिन्ह सौंपेंगे। यह सम्मान भारत-ब्रिटेन में भारती एंटरप्राइजेज के काम देखते हुए दिया गया है। इन कार्यों में कंपनी की ओर से सैटेलाइट्स के क्षेत्र में यूके सरकार के साथ काम करना भी शामिल है। सुनील भारती मित्तल ने वनवेब (अब यूटेलसैट) के पुनरुद्धार का नेतृत्व किया है जो वैश्विक स्तर पर सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाओं की पेशकश करने के लिए यूके सरकार और अन्य रणनीतिक निवेशकों के साथ एक संघ का नेतृत्व कर रहा है। मित्तल का भारत-यूके सीईओ फोरम के सदस्य के रूप में यूके के साथ एक मजबूत संबंध है और उन्हें पहले न्यूकैसल विश्वविद्यालय से मानद डॉक्टर ऑफ सिविल लॉ और लीड्स विश्वविद्यालय से मानद डॉक्टर ऑफ लॉ से सम्मानित किया गया है। वह कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय में कुलपति के सर्किल ऑफ एडवाइजर्स के सदस्य भी हैं। इसके अलावे, सुनील भारती मित्तल ने लंदन बिजनेस स्कूल (एलबीएस) के शासी निकाय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड पॉलिटिकल साइंस (एलएसई) में भारत सलाहकार समूह के सदस्य के रूप में कार्य किया है। वर्ष 2019 में भारती एयरटेल अफ्रीका को लंदन स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया गया था ।

# पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 84 डॉलर प्रति बैरल के करीब

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के मूल्य में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का मूल्य 84 डॉलर और डब्ल्यूटीआई क्रूड 79 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया है। तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने बुधवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये, डीजल 89.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये, डीजल 94.27 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये, डीजल 92.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के तीसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.30 डॉलर यानी 0.36 फीसदी की गिरावट के साथ 83.35 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) भी क्रूड 0.29 डॉलर यानी 0.37 फीसदी लुढ़ककर 78.58 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

## सरकार को एनपीसीआईएल से लाभांश के मिले 1065 करोड़

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (एनपीसीआईएल) ने केंद्र सरकार को लाभांश किश्त के रूप में लगभग 1065 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। वित्त मंत्रालय के निवेश और लोक परिसंपत्ति प्रबंधन विभाग के सचिव तुहिन कांत पांडेय ने बुधवार को एक्स पोस्ट में बताया कि सरकार को एनपीसीआईएल से लाभांश किश्त के रूप में लगभग 1065 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं।

# वाल्ट डिज्नी और रिलायंस मीडिया के विलय का एलान, नीता अंबानी होंगी चेयरपर्सन

**नई दिल्ली।** भारत में वाल्ट डिज्नी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मीडिया ऑपरेशन का विलय हो गया है। बयान के अनुसार, रिलायंस इस डील के तहत दोनों कंपनियों के विलय से बनी इकाई में 11,500 करोड़ रुपये निवेश करेगी। वॉल्ट डिज्नी कंपनी और रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बुधवार को भारत में अपने मीडिया परिचालन का विलय कर 70,000 करोड़ रुपये की एक बड़ी कंपनी बनाने की घोषणा की। डिज्नी और रिलायंस इस संबंध में एक बाध्यकारी समझौते पर हस्ताक्षर करेंगी। इस कंपनी में रिलायंस की 63.16 फीसदी हिस्सेदारी होगी। वहीं डिज्नी को 36.84 फीसदी हिस्सेदारी मिलेगी। दोनों कंपनियों के मीडिया ऑपरेशन से बने संयुक्त उद्यम की चेयरपर्सन नीता अंबानी होंगी। वहीं उदय शंकर इस नई कंपनी के उपाध्यक्ष होंगे। रिलायंस अपनी मीडिया और एंटरटेनमेंट यूनिट वायकॉम 18 के माध्यम से कई टीवी चैनल्स, जियो स्ट्रीमिंग एप का संचालन करता है। वहीं वाल्ट डिज्नी का भारत में वेंचर डिज्नी इंडिया हैं, जिसके अंतर्गत स्टार इंडिया भी आता है। जिसके पास कलर्स, स्टार प्लस, स्टार गोल्ड, स्टार स्पोर्ट्स जैसे चैनल्स का स्वामित्व है। रिलायंस इंडस्ट्रीज के मीडिया ऑपरेशंस और वाल्ट डिज्नी का विलय भारत के सबसे बड़े मनोरंजन साम्राज्य में से एक का निर्माण करेगा, जिसका मुकाबला जी एंटरटेनमेंट और सोनी के संयुक्त उद्यम और नेटफ्लिक्स और अमेजन प्राइम जैसे स्ट्रीमिंग दिग्गजों से होगा। बयान में कहा गया है कि विलय से बने संयुक्त उद्यम से भारत में डिजिटल और मीडिया के क्षेत्र में बड़े बदलाव आएंगे। इससे उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्ता और बेहतर कंटेंट कहीं भी और कभी भी मिल सकेगा।% इस जॉइंट वेंचर (संयुक्त उद्यम) को भारत में डिज्नी फिल्म के वितरण और प्रोडक्शन के भी अधिकार मिलेंगे। विलय पर रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी ने कहा कि यह एक ऐतिहासिक समझौता है, जो भारत के मनोरंजन जगत में नए युग की शुरुआत करेगा। हम हमेशा डिज्नी की बतौर सबसे अच्छे मीडिया ग्रुप के तौर पर इज्जत करते हैं और इस संयुक्त उद्यम को लेकर रोमांचित हैं। वहीं वाल्ट डिज्नी के सीईओ बॉब इगर ने कहा कि भारत, दुनिया की सबसे जनसंख्या वाला बाजार है और हम इस अवसर को लेकर रोमांचित हैं। रिलायंस को भारतीय बाजार की गहरी समझ है और हम साथ में मिलकर कंपनी को भारत की सबसे बड़ी मीडिया कंपनी बना सकते हैं। इससे उपभोक्ताओं को डिजिटल सर्विस, मनोरंजन और स्पोर्ट्स के क्षेत्र में बेहतर कंटेंट मिलेगा।

## नाइट फ्रैंक इंडिया का दावा

# भारत में अमीरों की संख्या 2023 में छह प्रतिशत बढ़ी

**नई दिल्ली।** भारत में अत्यधिक अमीर व्यक्तियों की संख्या बीते साल यानी 2023 में सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़कर 13,263 हो गई है। नाइट फ्रैंक इंडिया की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में बढ़ती समृद्धि के कारण अति-उच्च नेटवर्थ वाले व्यक्तियों (यूएचएनडब्ल्यूआई) की संख्या 2028 तक बढ़कर करीब 20,000 हो जाएगी। यूएचएनडब्ल्यूआई को ऐसे व्यक्तियों के रूप में परिभाषित किया गया है जिनकी कुल संपत्ति तीन करोड़ डॉलर या उससे अधिक है। बुधवार को एक वर्चुअल संवाददाता सम्मेलन में रियल एस्टेट सलाहकार नाइट फ्रैंक इंडिया ने द वेल्थ रिपोर्ट-2024 जारी करते हुए कहा कि भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या 2023 में 6.1 प्रतिशत बढ़कर 13,263 हो गई, जबकि इससे पिछले वर्ष यह 12,495 थी। भारत में यूएचएनडब्ल्यूआई की संख्या के 2028 तक बढ़कर 19,908 होने की उम्मीद है। नाइट फ्रैंक इंडिया के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक शिशिर बैजल ने कहा कि धन सृजन के बदलाव वाले युग में भारत वैश्विक आर्थिक क्षेत्र में समृद्ध और बढ़ते अवसरों के प्रमाण के रूप में खड़ा है। देश में बेहद अमीरों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अगले पांच साल में इसमें 50.1 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है।

# 6.9 फीसद तक रह सकती है तीसरी तिमाही की विकास दर : एसबीआई

**नई दिल्ली।** ब्रिटेन, जर्मनी, जापान जैसे विकसित देशों की अर्थव्यवस्था में मंदी के स्वर सुनाई दे रहे हैं लेकिन इससे भारत की आर्थिक विकास दर पर कोई खास असर होता नहीं दिख रहा है। खास तौर पर तीसरी तिमाही यानी अक्तूबर से दिसंबर, 2023 के दौरान लाल सागर में अस्थिरता होने के बावजूद भारत की आर्थिक विकास दर 6.7 से 6.9 फीसद रहने के आसार हैं। यह अनुमान बुधवार को एसबीआइ ने अपनी शोध रिपोर्ट इकोरैप में लगाया है। वैसे यह अनुमान आरबीआइ की तरफ से इसी तिमाही के लिए लगाये गये अनुमान सात फीसद से थोड़ा सा कम है। आरबीआइ ने पूरे वित्त वित्त वर्ष (2023-24) के लिए भी सात फीसद की विकास दर का लक्ष्य रखा हुआ है। एसबीआइ की तरफ से बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि जब वैश्विक स्तर पर कुछ मंदी का माहौल है वहीं भारत में उपभोक्ताओं का भरोसा (खर्च करने की प्रवृति) मजबूत हुई है। भारत में रोजगार की स्थिति में सुधार और सामान्य इकोनॉमी में बेहतरी की वजह से यह प्रवृति दिखाई दे रही है। एसबीआइ ने उक्त आकलन वर्ष 2011 की चौथी तिमाही से लेकर वर्ष 2020 की चौथी तिमाही के दौरान देश की इकोनॉमी के अध्ययन के आकलन के आधार पर हर तिमाही में दर्ज होने वाली आर्थिक विकास दर के आंकड़ों का अनुमान जारी करने का एक तरीका विकसित किया है। इस अनुमान तक पहुंचने में एसबीआइ कारपोरेट इंडिया के प्रदर्शन को भी गणना में शामिल करता है। इसने बताया है कि शहरों से लेकर देहातों तक उपभोक्ता मांग में सुधार साफ तौर पर दिखाई दे रहा है। चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में सूचीबद्ध 4,000 कंपनियों के प्रदर्शन को देखा जाए तो यह पता चलता है कि कर पूर्व लाभ और कर बाद लाभ में 30 फीसद तक का इजाफ हुआ है। कंपनियों की बिक्री भी सात फीसद बढ़ी है। कंपनियों के मार्जिन का स्तर भी बढ़ रहा है। वैसे खरीफ फसलों का उत्पादन इस वर्ष 4.6 फीसद कम हुआ है लेकिन रबी फसलों के उत्पादन में थोड़ी वृद्धि होने की संभावना है। थोड़ी सी चिंता मोटे अनाजों के बुवाई वाले क्षेत्र में गिरावट है। हालांकि कृषि क्षेत्र की यह चिंता मत्स्य पालन में हो रही जबरदस्त वृद्धि से कम हो सकती है। सनद रहे कि केंद्र सरकार की एजेंसी एनएसओ ने जनवरी, 2024 के शुरुआत में यह कहा था कि चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत की आर्थिक विकास दर 7.3 फीसद रह सकती है।

## अगले दशक में दो ट्रिलियन तक पहुंच जाएगा भारत का खुदरा बाजार

**नई दिल्ली।** देश का उपभोग बढ़ने के साथ अगले दशक में भारत का खुदरा क्षेत्र 9-10 प्रतिशत की दर से बढ़कर दो ट्रिलियन डालर तक पहुंच जाएगा। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप (बीसीजी) और भारतीय खुदरा संघ (आरएआई) की एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, संगठित खुदरा विक्रेताओं को अपना बेहतर प्रदर्शन आगे भी बनाए रखना होगा। यह क्षेत्र वृद्धि की गति और आकार को प्रभावित करने वाले महत्वपूर्ण बदलावों से गुजर रहा है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि आय वृद्धि स्थिर रहने के बीच उपभोक्ता व्यक्तिगत आय को लेकर आशावादी हैं। उपभोक्ता तेजी से नए अनुभवों पर खर्च करना चाहते हैं या नए उपायों से अधिक बचत करना चाहते हैं। बीसीजी के प्रबंध निदेशक और वरिष्ठ भागीदार अभीक सिंघी ने कहा कि विभिन्न श्रेणियों और प्रारूपों में ऐसे विक्रेता सफल होंगे, जिनकी नकदी स्थिति अच्छी होगी। संगठित खुदरा क्षेत्र ने प्रत्येक श्रेणी में अच्छी वृद्धि दर्ज की है। हालांकि 2023 में कुछ मंदी देखी गई। आरएआई के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) कुमार राजगोपालन ने कहा कि व्यक्तिगत ग्राहक अनुभवों पर ध्यान केंद्रित करके और दक्षता के लिए एआई का लाभ उठाकर भारत में खुदरा उद्योग तेजी से वृद्धि दर्ज कर सकता है।

# वोडाफोन-आइडिया का शेयर 14 फीसदी लुढ़का

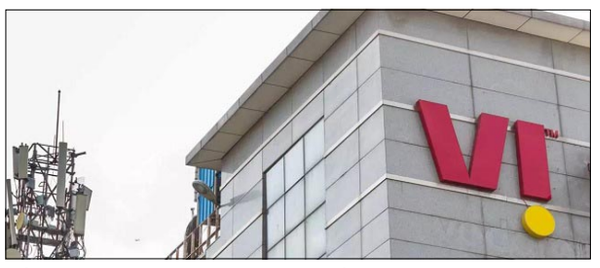


**नई दिल्ली, 28 फरवरी (हि.स.)।** कर्ज के बोझ तले दबी निजी क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड (वीआईएल) के शेयर में बुधवार को 14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। इसके साथ ही कंपनी का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) 10,806.71 करोड़ रुपये गिरकर 66,447.95 करोड़ रुपये रह गया। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर वोडाफोन-आइडिया का शेयर 13.99 फीसदी गिरकर 13.65 रुपये पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान आज एक समय यह 14.93 फीसदी फिसलकर 13.50 रुपये पर आ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर इसका शेयर 13.88 फीसदी टूटकर 13.65 रुपये पर बंद हुआ है। कारोबार के दौरान यह 14.82 फीसदी तक लुढ़क कर अपनी निचली सर्किट सीमा 13.50 रुपये पर आ गया था। वोडाफोन-आइडिया के शेयरों में आई गिरावट इस लिहाज से अहम है कि कंपनी के निदेशक मंडल ने एक दिन पहले ही 45 हजार करोड़ रुपये जुटाने के प्रस्ताव को अपनी मंजूरी दी थी। इसमें से 20 हजार करोड़ रुपये प्रवर्तकों एवं अन्य निवेशकों से इक्विटी के रूप में जुटाए जाने हैं जबकि बाकी राशि कर्ज के रूप में जुटाई जाएगी। हालांकि, निवेशकों के बीच कंपनी नेतृत्व का यह कदम भी भरोसा जगा पाने में नाकाम रहा, जिससे बड़े पैमाने पर बिकवाली की। कर्ज में डूबी वोडाफोन-आइडिया लिमिटेड पर 2.1 लाख करोड़ रुपये का कर्ज है। कंपनी लगातार तिमाही घाटा उठा रही है। इसके अलावा उसका ग्राहक आधार भी लगातार घटता जा रहा है। गौरतलब है कि बीएसई के सेंसेक्स में आई बड़ी गिरावट से आज निवेशकों की संपत्ति एक दिन में 6 लाख करोड़ रुपये घट गई। इसके साथ बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का मार्केट कैप भी 6,02,338.56 करोड़ रुपये घटकर 3,85,97,298.49 करोड़ रुपये (4,710 अरब डॉलर) पर आ गया है।

# बीसीसीआई ने जारी की केंद्रीय अनुबंध सूची, श्रेयस अय्यर और ईशान किशन बाहर

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने बुधवार को 2023-2024 के लिए खिलाड़ियों की केंद्रीय अनुबंध सूची जारी कर दी है। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन और मध्यक्रम के बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को केंद्रीय अनुबंध सूची से बाहर कर दिया गया है। पिछले साल के रिटेनर में अय्यर ग्रेड बी में थे जबकि किशन ग्रेड सी का हिस्सा थे। बीसीसीआई ने बुधवार को आधिकारिक बयान में कहा कि कृपया ध्यान दें कि सिफारिशों के इस दौर में श्रेयस अय्यर और ईशान किशन को वार्षिक अनुबंध के लिए नहीं माना गया। एलीट ब्रैकेट, ग्रेड ए में कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा शामिल हैं। वहीं ग्रेड ए में रविचंद्रन अश्विन, मोहम्मद शमी, हार्दिक पंड्या, केएल राहुल, मोहम्मद सिराज और शुभमन गिल शामिल हैं। नंबर 1 रैंक वाले टी-20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ग्रेड बी का हिस्सा हैं और उनके साथ युवा सनसनी यशस्वी जयसवाल भी शामिल हैं, जिन्हें पहली बार बीसीसीआई का केंद्रीय अनुबंध सौंपा गया है। भारत की टी-20 टीम के सदस्यों जैसे रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई और जितेश शर्मा को ग्रेड सी अनुबंध से सम्मानित किया गया है। ध्रुव जुरेल और सरफराज खान अगर धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ अंतिम टेस्ट में खेलते हैं तो ग्रेड सी श्रेणी में शामिल हो सकते हैं। ग्रेड सी अनुबंध के मानदंड के अनुसार खिलाड़ियों को निर्दिष्ट अवधि के भीतर कम से कम 3 टेस्ट या 8 वनडे या 10 टी-20 मैच खेलने होंगे। वर्तमान में, जुरेल और सरफराज दोनों ने दो-दो टेस्ट मैच खेले हैं और यदि वे आगामी पांचवें टेस्ट में खेलते हैं, तो वे अपने पहले बीसीसीआई अनुबंध प्राप्त करने के लिए पात्रता मानदंडों को पूरा करेंगे।

### सूची इस प्रकार है :-

**ग्रेड ए-** रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा।

**ग्रेड ए-** आर अश्विन, मो. शमी, मो. सिराज, केएल राहुल, शुबमन गिल और हार्दिक पंड्या।

**ग्रेड बी-** सूर्य कुमार यादव, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और यशस्वी जयसवाल।

**ग्रेड सी-** रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, रुतुराज गायकवाड़, शार्दुल ठाकुर, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, केएस भरत, प्रसिद्ध कृष्णा, अवेश खान और रजत पाटीदार।

**चयन समिति द्वारा तेज गेंदबाजी अनुबंध के लिए पांच तेज गेंदबाजों - आकाश दीप, विजयकुमार विशक, उमरान मलिक, यश दयाल और विदवथ कावेरप्पा की सिफारिश की गई थी।**

एम.एल. मिश्रा मेमोरियल क्रिकेट

## शाकुम्बरी ने जीता मैच

**लखनऊ, (हि.स.)।** स्व. एम.एल. मिश्रा मेमोरियल क्रिकेट टूर्नामेंट के सी ग्रुप में क्रांति क्रिकेट क्लब को शाकुम्बरी क्रिकेट क्लब ने 161 रन से हरा दिया। इस मैच में शाकुम्बरी के अक्षय ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए 12 चौकों की मदद से 56 बाल पर 72 रन बनाये। शाकुम्बरी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 262 रन बनाये। सलामी बल्लेबाज सद्दाम मात्र चार रन बनाकर आउट हो गये। वहीं अक्षय ने 72 रन का योगदान दिया। वहीं आर्यन कुमार ने 32 रन बनाये, जबकि अखिलेश यादव ने 41 रन बनाये, वहीं देवेन्द्र पाल ने 39 रन का योगदान दिया।

# पांचवें टेस्ट के लिए केएल राहुल की उपलब्धता स्पष्ट नहीं

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** धर्मशाला टेस्ट के लिए केएल राहुल की उपलब्धता पर अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है क्योंकि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई), राष्ट्रीय चयनकर्ता और टीम प्रबंधन श्रृंखला के अंतिम मैच के लिए कुछ और खिलाड़ियों को आराम देने पर विचार कर रहे हैं। धर्मशाला टेस्ट 7 मार्च से शुरू होने वाला है। क्रिकबज के अनुसार, राहुल, जिन्हें फरवरी के मध्य में राजकोट में तीसरे टेस्ट के लिए 90 प्रतिशत फिट माना गया था, पूरी तरह से ठीक नहीं हुए हैं, जिससे बीसीसीआई और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रबंधकों को उनकी स्थिति का पुनर्मूल्यांकन करना पड़ा। उन्हें विशेषज्ञ की राय के लिए लंदन भेजा गया है और तब से करीब एक सप्ताह से उनका इलाज चल रहा है। राहुल की समस्या उनके दाहिने क्वाड्रिसेप्स में दर्द के कारण है, जिसके लिए पिछले साल उनकी सर्जरी हुई थी। यह समझा जाता है कि अभी भी कुछ कठोरता है, और टीम में उनके महत्व और टीम के लिए उनकी दोहरी भूमिका को देखते हुए, बीसीसीआई, चयनकर्ता और टीम प्रबंधन उनके साथ कोई जोखिम लेने के लिए अनिच्छुक हैं। धर्मशाला मैच के लिए राहुल की उपलब्धता स्पष्ट नहीं है और उनके चयन के संबंध में कोई भी निर्णय इस तथ्य से भी प्रभावित हो सकता है कि भारत पहले ही इंग्लैंड के खिलाफ श्रृंखला 3-1 से जीत चुका है। हैदराबाद में पहले टेस्ट के बाद, उन्हें एहतियात के तौर पर विशाखापत्तनम में दूसरे मैच के लिए आराम दिया गया था, इस उम्मीद के साथ कि वह राजकोट में तीसरे मैच के लिए वापस आ सकते हैं। लेकिन चीजें योजना के मुताबिक नहीं हुईं। चौथे टेस्ट से पहले, राहुल पर बीसीसीआई की एक विज्ञप्ति में कहा गया कि केएल राहुल चौथे टेस्ट से बाहर हो गए हैं। धर्मशाला में अंतिम टेस्ट मैच में उनकी भागीदारी फिटनेस पर निर्भर है। हालांकि बीसीसीआई ने पहले कहा था कि राहुल की फिटनेस 90 प्रतिशत है, जिससे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उनकी भागीदारी लगभग तय हो गई है। लीग में उनके प्रदर्शन के आधार पर टी-20 विश्व कप के लिए उनके चयन पर विचार किया जाएगा। लखनऊ सुपर जायंट्स के लिए, जिसकी वह कप्तानी करते हैं, उनके मध्य क्रम में खेलने और विकेटकीपिंग करने की संभावना है।

इंडियन सुपर लीग

## मुंबई सिटी एफसी का सामना लड़खड़ाती एफसी गोवा से

**मुंबई, (हि.स.)।** मुंबई सिटी एफसी आज शाम अपने घरेलू मैदान मुंबई फुटबॉल एरेना में होने वाली इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 की वेस्ट कोस्ट डर्बी में एफसी गोवा का सामना करेगी। यह मुकाबला गौर्स के लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि उन्हें सीजन के 12 मैचों में अपराजित रहने के बाद लगातार तीन हार का सामना करना पड़ा है। विक्टर रोड्रिग्ज और संदेश झिंगन जैसे प्रमुख खिलाड़ियों की चोटें उनके लिए तगड़ा झटका साबित हुई हैं, जिसका कारण उनकी फॉर्म डगमगाई है जिस वजह से केरला ब्लास्टर्स के हाथों करारी हार मिली, जब उसने मैचवीक 16 मुकाबले के दूसरे हाफ में चार गोल खाकर अपनी दो गोल की बढ़त गंवा दी। गौर्स अब 15 मैचों में 28 अंकों के साथ तालिका में पांचवें स्थान पर लुढ़क चुकी हैं, वे शीर्ष पर मौजूद ओडिशा एफसी (32) से चार अंक पीछे है, जिसने एक अतिरिक्त मैच (16) भी खेला है। इस महीने की शुरुआत में जमशेदपुर एफसी से 3-2 से हार के बाद मुंबई सिटी एफसी ने लगातार तीन बार क्लीन शीट बरकरार रखी है।

# आईसीसी टेस्ट रैंकिंग : शीर्ष तीन में रूट की वापसी

### यशस्वी जयसवाल 12वें स्थान पर

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** इंग्लैंड के पूर्व कप्तान जो रूट आईसीसी पुरुष टेस्ट बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष तीन में वापस आ गए हैं और भारत के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जयसवाल रांची में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप श्रृंखला के चौथे मैच में कुछ अच्छे प्रदर्शन के बाद 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। रांची टेस्ट भारत ने 5 विकेट से जीता और पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 से बढ़त बना ली। रूट, जो पहले शीर्ष क्रम के बल्लेबाज थे, ने पहली पारी में नाबाद 122 रन बनाए और दो स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। जबकि बाएं हाथ के जयसवाल, जिन्होंने 69वें स्थान पर श्रृंखला शुरू की थी, 73 और 37 के स्कोर के बाद तीन स्थान ऊपर 12वें स्थान पर पहुंच गए हैं। रूट ऑलराउंडरों की सूची में भी तीन स्थान ऊपर चढ़कर चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज केन विलियमसन 893 अंकों के साथ शीर्ष पर बरकरार हैं। प्लेयर ऑफ द मैच ध्रुव जुरेल के 90 और 39 के स्कोर ने उन्हें 31 स्थान ऊपर उठाकर 69वें स्थान पर पहुंचा दिया है और इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली 42 और 60 के स्कोर के बाद पहली बार शीर्ष 20 में प्रवेश कर गए हैं। दूसरी पारी में पांच विकेट लेने वाले रविचंद्रन अश्विन दूसरे स्थान पर हैं, जबकि रांची टेस्ट के लिए आराम दिए जाने के बावजूद भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शीर्ष पर बरकरार हैं। कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव 10 पायदान ऊपर 32वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि इंग्लैंड के शोएब बशीर 38 पायदान ऊपर 80वें स्थान पर हैं। पुरुषों की एकदिवसीय रैंकिंग में, सबसे बड़े मूवर नामीबिया के बर्नार्ड शोल्ट्ज रहे हैं, जिन्होंने कीर्तिपुर में आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप लीग 2 ट्राई-सीरीज में नेपाल के खिलाफ 31 रन पर चार विकेट और नीदरलैंड के खिलाफ 15 रन पर दो विकेट लिए, इस प्रदर्शन की बदौलत वह 642 रेटिंग अंकों के साथ 11वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जो एकदिवसीय क्रिकेट में नामीबिया के किसी खिलाड़ी द्वारा हासिल किया गया सर्वोच्च स्थान और अंक है। नीदरलैंड के आर्यन दत्त ने पिछले सप्ताह नामीबिया के खिलाफ तीन मैचों में 11 विकेट लेकर गेंदबाजी रैंकिंग में संयुक्त 36वें स्थान पर पहुंच गए। नामीबिया के कप्तान गेरहार्ड इरास्मस ने नेपाल के खिलाफ 52 रन बनाए और नीदरलैंड के खिलाफ 33 रन देकर तीन विकेट लिए और पहली बार शीर्ष 10 ऑलराउंडरों में शामिल हो गए। टी-20 रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज ट्रैविस हेड न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला में 24, 45 और 33 के स्कोर के बाद पहली बार शीर्ष 20 में पहुंच गए हैं। पहले मैच में टिम डेविड की सिर्फ 10 गेंदों में 31 रनों की तेज पारी ने उन्हें छह पायदान ऊपर 22वें स्थान पर पहुंचा दिया है।

# ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले टेस्ट से बाहर हुए चोटिल डेवोन कॉनवे

**वेलिंगटन, (हि.स.)।** न्यूजीलैंड कल से वेलिंगटन में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉनवे के बिना खेलेगा। बाएं हाथ के बल्लेबाज कॉनवे ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई टी-20 सीरीज के दौरान अपने बाएं अंगूठे में लगी चोट से जूझ रहे हैं। टीम प्रबंधन ने प्रतिस्थापन के रूप में हेनरी निकोल्स को टीम में बुलाया है, लेकिन विल यंग के शीर्ष क्रम में कॉनवे द्वारा खाली किए गए स्थान को लेने की संभावना है। कॉनवे को पिछले शुक्रवार को ऑकलैंड में दूसरे टी-20 मैच के दौरान चोट लग गई थी। इस झटके के बाद उन्होंने मैच में विकेटकीपिंग या बल्लेबाजी नहीं की और बाद में उन्हें श्रृंखला के तीसरे मैच से बाहर कर दिया गया। प्रारंभिक स्कैन से पता चला था कि उन्हें फ्रैक्चर हुआ है लेकिन आगे की जांच में अंगूठे को लेकर चिंताएं सामने आई हैं। उपचार और ठीक होने की अवधि का पता लगाने के लिए अब वह सप्ताह के दौरान आगे के मूल्यांकन से गुजरेंगे। सीरीज का दूसरा टेस्ट 8 मार्च से क्राइस्टचर्च में शुरू होगा। न्यूजीलैंड के कोच गैरी स्टीड ने बुधवार को एक आधिकारिक बयान में कहा कि एक महत्वपूर्ण मैच की पूर्व संध्या पर डेवोन का बाहर होना निराशाजनक है। वह हमारे लिए शीर्ष क्रम पर बल्लेबाजी करने वाला एक स्तरीय खिलाड़ी है और मुझे पता है कि वह वास्तव में इस श्रृंखला का इंतजार कर रहा था। न्यूजीलैंड रचिन रवींद्र की फिटनेस पर भी पसीना बहा रहा था, क्योंकि ऑलराउंडर के बाएं घुटने में दर्द था और अंतिम टी-20 मैच में उन्हें बाहर बैठना पड़ा था, लेकिन स्टीड ने पुष्टि की कि 24 वर्षीय रवींद्र बेसिन रिजर्व में मैदान पर उतरने के लिए उपलब्ध होंगे। ब्लैक कैप्स ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने आखिरी टेस्ट में चार तेज गेंदबाजों को अंतिम एकादश में शामिल किया था, लेकिन स्टीड ने कहा कि हो सकता है कि यह बाद में हुई गलती हो। हालांकि, बेसिन रिजर्व की पिच के हरे रंग को देखते हुए, वह टिम साउदी, मैट हेनरी और विलियम की तिकड़ी के साथ स्कॉट कुगलेइजन को भी टीम में शामिल कर सकते हैं। स्टीड ने कहा कि मुझे लगता है कि पिच ने जिस तरह का व्यवहार किया, शायद हमने उसे गलत समझा। हमारे पास निश्चित रूप से मिच सेंटनर उस विकल्प के रूप में हैं और हम निश्चित रूप से उन पर भी विचार करेंगे।

## आईवीपीएल : छत्तीसगढ़ वॉरियर्स ने तेलंगाना टाइगर्स को धोया

**ग्रेटर नोएडा, (हि.स.)।** जतिन सक्सेना (33 गेंदों पर 92) और नमन ओझा (23 गेंदों पर 49 रन) की आतिशी पारियों की बदौलत मंगलवार रात यहां इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आईवीपीएल) के 9वें मुकाबले में छत्तीसगढ़ वॉरियर्स ने तेलंगाना टाइगर्स को 9 विकेट से करारी शिकस्त दी। तेलंगाना टाइगर्स ने इस मुकाबले में पहले खेलते हुए निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट गंवाकर 150 रन बनाए थे। जवाब में छत्तीसगढ़ वॉरियर्स ने नमन ओझा और जतिन सक्सेना की शानदार बल्लेबाजी की बदौलत 11वें ओवर में ही मुकाबला जीत लिया। जतिन सक्सेना को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पहले खेलने उतरी तेलंगाना की शुरुआत ठीक थी। लेकिन जल्दी ही क्रिस गेल का विकेट गंवाने से टीम को झटका लगा। गेल के विकेट के बाद एसएस भरत कुमार और शैख समीर भी जल्दी आउट हो गए। 12 ओवर के बाद टीम का स्कोर 3 विकेट के नुकसान पर 74 रन था।

## मुझे भारत से प्यार, यहां आना पसंद : एशले नर्स

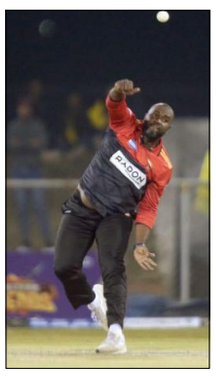

**ग्रेटर नोएडा, (हि.स.)।** वेस्टइंडीज के पूर्व स्पिनर एशले नर्स यहां ग्रेटर नोएडा के शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खेले जा रहे इंडियन वेटरन प्रीमियर लीग (आईवीपीएल) के पहले संस्करण में रेड कार्पेट दिल्ली का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। नर्स ने मंगलवार को तीन विकेट लेकर मुंबई चैंपियंस पर अपनी टीम की हालिया जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत के प्रति अपने लगाव को व्यक्त करते हुए, नर्स ने आईवीपीएल में हर्शल गिब्स के नेतृत्व में खेलने को लेकर अपने उत्साह पर जोर दिया। उन्होंने लीग द्वारा जारी एक आधिकारिक बयान में कहा कि मेरा मतलब है, मुझे भारत से प्यार है। मुझे भारत आना पसंद है। इसलिए मैं जब भी मौका मिलता है भारत आता हूं, मैं जितना चाहता हूं उसका आनंद लेने की कोशिश करता हूं। गिब्स एक बहुत ही रोमांचक खिलाड़ी था। वह महान था। इसलिए मुझे लगता है कि उनकी कप्तानी भी उतनी ही शानदार होगी। आईसीसी विश्व कप 2019 में न्यूजीलैंड के खिलाफ आखिरी अंतर्राष्ट्रीय मैच खेलने के बाद, एशले ने सेवानिवृत्ति के बाद भी शारीरिक फिटनेस बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि अभी बहुत सारे सबक चल रहे हैं। इसलिए आपको प्रशिक्षण और इस तरह की चीजों के साथ अपने शरीर को आकार में रखना होगा। मेरा मतलब है, मैंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है, लेकिन मैं अभी भी क्रिकेट खेल रहा हूं। लीग चरण में रेड कार्पेट दिल्ली के लिए दो और मैच निर्धारित हैं, एशले ने प्रशंसकों से बड़ी संख्या में मैचों में भाग लेकर अपना समर्थन दिखाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि मैं बस उनसे आग्रह करना चाहता हूं कि वे बाहर आएं और हमारा समर्थन करें। यह एक बहुत अच्छा टूर्नामेंट लगता है। अच्छी तरह से व्यवस्थित चीजें हैं। मैं प्रशंसकों को स्टेडियम में आते और शहर को हमारे लिए उत्साहित होते देखना चाहता हूं।

## न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन घोषित

**वेलिंगटन, (हि.स.)।** ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस ने न्यूजीलैंड के खिलाफ कल से बेसिन रिजर्व में शुरू होने वाले पहले टेस्ट के लिए अपनी अंतिम एकादश की पुष्टि कर दी है। अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ, उस्मान ख्वाजा के साथ पारी की शुरुआत करना जारी रखेंगे। इस साल की शुरुआत में डेविड वार्नर के संन्यास लेने के बाद से स्मिथ टीम के लिए पारी की शुरुआत कर रहे हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की सबसे हालिया टेस्ट श्रृंखला के दौरान कुछ मिश्रित प्रदर्शन किया है। तीन मौकों पर असफल रहने के बाद, स्मिथ ने ब्रिस्बेन में कैरेबियाई टीम के खिलाफ दूसरी पारी में नाबाद 91 रन बनाए। कमिंस ने आईसीसी के हवाले से बुधवार को कहा कि हमने अच्छा प्रदर्शन किया है, इसलिए गाबा में भी वही एकादश है, जो वेस्टइंडीज के खिलाफ श्रृंखला में उतरी थी। पूरी टीम का चयन करना हमेशा अच्छा होता है। **ऑस्ट्रेलिया की प्लेइंग इलेवन इस प्रकार है :** स्टीव स्मिथ, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, कैमरून ग्रीन, ट्रैविस हेड, मिच मार्श, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), पैट कमिंस (कप्तान), मिच स्टार्क, नाथन लियोन, जोश हेजलवुड।

# ऑस्ट्रेलियाई अंपायर ब्रूस ऑक्सेनफोर्ड और पॉल विल्सन ने सीए के एलीट पैनल से लिया संन्यास

**मेलबर्न, 28 फरवरी (हि.स.)।** ऑस्ट्रेलिया के दो सबसे सम्मानित अंपायर ब्रूस ऑक्सेनफोर्ड और पॉल विल्सन ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) के एलीट पैनल से अपनी सेवानिवृत्ति की घोषणा की है। ब्रूस ऑक्सेनफोर्ड और पॉल विल्सन इस सप्ताह आखिरी बार एक साथ अंपायरिंग करेंगे। शुक्रवार से वाका ग्राउंड पर वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया और क्वींसलैंड के बीच शुरू होने वाला मार्श शेफील्ड शील्ड मैच, ऑक्सेनफोर्ड और विल्सन का सीए के लिए आखिरी मैच होगा। 70 टेस्ट (आठ महिला टेस्ट सहित) और 109 पुरुष और महिला एकदिवसीय मैचों के अनुभवी ऑक्सेनफोर्ड ने जनवरी 2021 में अंतर्राष्ट्रीय रैंक से सेवानिवृत्त होने से पहले आईसीसी एलीट पैनल में 13 साल बिताए। वह सीए के राष्ट्रीय अंपायरिंग पैनल के साथ बने रहे और अब 75 प्रथम श्रेणी मैचों, 50 लिस्ट ए मैचों और 43 बीबीएल खेलों में अंपायरिंग कर चुके हैं। 63 वर्षीय ऑक्सेनफोर्ड को उस प्रतिष्ठित फोरआर्म गार्ड के लिए याद किया जाएगा जिसका उपयोग वह अपनी ओर आने वाली गेंदों से खुद को बचाने के लिए करना पसंद करते थे। विल्सन, जिन्हें प्यार से (ब्लॉकर) के नाम से जाना जाता है, ने आईसीसी अंतर्राष्ट्रीय पैनल में 11 साल बिताए और नौ पुरुष और महिला टेस्ट, 51 वनडे और 27 टी-20 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में अंपायरिंग की। उनके 62 प्रथम श्रेणी मैचों में चार शेफील्ड शील्ड फाइनल और 61 लिस्ट ए मैच शामिल थे। विल्सन बीबीएल परिदृश्य में एक प्रसिद्ध व्यक्ति थे, उन्होंने अपने 88 मैचों में से पांच फाइनल में अंपायरिंग की। ऑस्ट्रेलिया के लिए एक टेस्ट और 11 एकदिवसीय मैच खेलने वाले 52 वर्षीय विल्सन दुनिया भर के विभिन्न फ्रेंचाइजी टूर्नामेंटों में अंपायरिंग करना जारी रखेंगे। विल्सन ने एक आधिकारिक बयान में कहा कि पॉल रीफेल और रॉड टकर के नक्शेकदम पर चलते हुए प्रोजेक्ट पैनल में मुझे साइन करने के लिए मैं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का हमेशा आभारी हूं। इस पेशे ने मुझे दुनिया की यात्रा करने, कुछ अद्भुत क्रिकेट मैचों का हिस्सा बनने और आजीवन दोस्त बनाने में सक्षम बनाया है। मैं वास्तव में *ऑक्स* के साथ अपना आखिरी प्रथम श्रेणी मैच बिताने में सक्षम होने के लिए सम्मानित महसूस कर रहा हूं। वहीं, ऑक्सेनफोर्ड ने कहा कि वह भाग्यशाली महसूस करते हैं कि वह अपनी नौकरी के हिस्से के रूप में दुनिया की यात्रा करने में भी सक्षम हुए।

## आईजीआईपीईएसएस ने जीता पद्मश्री श्याम लाल महिला हॉकी टूर्नामेंट का खिताब

**नई दिल्ली, (हि.स.)।** इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स साइंसेज (आईजीआईपीईएसएस) ने दसवें पद्मश्री श्याम लाल मेमोरियल इन्विटेशनल महिला हॉकी टूर्नामेंट 2024 का खिताब जीत लिया है। खिताबी मुकाबले में आईजीआईपीईएसएस ने दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमिनी को 4-2 से हराकर खिताब पर कब्जा किया। आईजीआईपीईएसएस टीम की तरफ से शालिनी ने तीन और कंचन ने एक गोल किया। दिल्ली यूनिवर्सिटी एलुमिनी की तरफ से दोनों गोल सोनाली ने किए। मैच में वूमेन ऑफ द मैच का अवार्ड आईजीआईपीईएसएस की खिलाड़ी शालिनी को मिला। वहीं, प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड भी आईजीआईपीईएसएस की खिलाड़ी सोमवती को मिला। समापन समारोह के मुख्य अतिथि पूर्व हॉकी ओलंपियन अशोक ध्यानचंद और सांसद मनोज तिवारी थे। समारोह की अध्यक्षता कॉलेज की गर्वनिंग बॉडी की चेयरपर्सन सविता गुप्ता ने किया, जबकि गेस्ट ऑफ ऑनर, मेंबर डॉ पीके मिश्रा और कॉलेज के प्रधानाचार्य प्रोफेसर रवि नारायण कर ने पुरस्कार प्रदान किए।

# आधा सिर दर्द हो तो आयुर्वेद में है राहत

माइग्रेन सिर में होने वाला ऐसा रोग है जिसमें सिर के आधे भाग में दर्द रहता है। यह दर्द होने पर व्यक्ति परेशान हो जाता है। जानते हैं इसके लिए लाभकारी आयुर्वेदिक उपायों के बारे में...

## दर्द की वजह

आयुर्वेदिक ग्रंथों में इस रोग को अर्धावभेदक नाम दिया गया है। ओस, ठंडी हवाएं, अधिक भोजन करना, समय पर भोजन न करना, ठंडे पेय पदार्थों का प्रयोग, पहला भोजन पचा न होने पर फिर से खाना, बासी भोजन करना, मल-मूत्र रोकना, अधिक व्यायाम करना, हार्मोंस में परिवर्तन, नींद न पूरी होना और थकान आदि कारणों से माइग्रेन हो सकता है।

## इन्हें खतरा

यूं तो यह रोग किसी भी उम्र में हो सकता है लेकिन 35 से 45 वर्ष के लोगों में यह अधिक देखने को मिलता है। बच्चे भी इस रोग के शिकार होते हैं लेकिन किशोरावस्था में इसके रोगियों की संख्या बढ़ जाती है। ज्यादा पढने और लिखने वाले, अधिक मानसिक काम करने वाले या तनाव में रहने वाले लोग इसकी गिरफ्त में जल्दी आते हैं। आयुर्वेद के अनुसार वायु जब कफ के साथ शरीर के आधे भाग को जकड़ लेती है तो शंख प्रदेश यानी कान, आंख व सिर में दर्द होता है। यह रोग जब अधिक देर तक बना रहता है तो सुनने व देखने की क्षमता प्रभावित होने लगती है।

## दालचीनी चूर्ण का लेप करें

इस रोग में पुराना घी, मूंग की दाल, जौ, परवल, सहजन की फली, बथुआ, करेला, बैंगन व फलों में आम, अंगूर, नारियल व अनार का प्रयोग लाभकारी होता है। दालचीनी चूर्ण का लेप माथे पर करने से भी फायदा होता है। इस रोग में भूखे पेट रहने, धूप में घूमने या ज्यादा देर तक टीवी देखने से बचें।

## इलाज में ये अपनाएं

इसके रोगी को कब्ज की शिकायत नहीं रहनी चाहिए। कब्ज के लिए त्रिफला चूर्ण का प्रयोग गुनगुने पानी के साथ करें। पेट साफ रखने वाली दवाएं ठंडे पानी से न लें। जिस दिन पेट साफ करने वाली दवा लें, उस दिन मूंग की दाल की खिचड़ी घी के साथ खाएं। सुबह दूध के साथ जलेबी लेने से भी सिरदर्द में आराम मिलता है। इसके रोगी को ज्यादा देर खाली पेट नहीं रहना चाहिए। दूध, मलाई, खोया, रबड़ी, मालपुआ, फेणी, घेवर, हलवा आदि खाने से रोगी को आराम मिलता है। इसके अलावा सुबह दूध में घी डालकर और भोजन के बाद घी पीने से इस रोग में लाभ होता है। गाय का दूध या घी नाक में दो-दो बूंद डालने से फायदा होता है। नौसादर और चूने का मिश्रण सूंघने से भी आराम मिलता है।

# आंखों को स्वस्थ रखने के उपाय

**सुंदर आंखें इंसान** की सुंदरता में चार चांद लगाती हैं क्योंकि इन्हीं अनमोल आंखों से वह कुदरत के खूबसूरत नजारों को देख पाता है। इसीलिए जरूरी है आंखों को बीमारियों से बचाना। यदि समय-समय पर आंखों की भी देखभाल की जाए तो काफी हद तक इसमें पैदा होने वाली समस्याओं पर रोक लगाई जा सकती है। साथ ही आंखों को बीमारियों से बचाने के लिए आंखों की सफाई और आंखों का व्यायाम करना जरूरी है। आंखों की देखभाल के लिए विटामिन-ए युक्त भोजन भी करना चाहिए जो आंखों की रोशनी तेज करता है और आंखों की समस्याओं से व्यक्ति को बचाता है। आइए जानें आंखों की सेहत के नुस्खों के बारे में।

## आहार में लें पोषक तत्व

आंखों को बीमारी से बचाने के लिए विटामिन-ए और विटामिन के से भरपूर भोजन लेना चाहिए। दूध, मक्खन, गाजर, टमाटर, पपीता, अंडे, शुद्ध घी और हरी साग-सब्जियों इत्यादि का सेवन करना चाहिए। इसके सुबह उठकर पानी पीना, पूरे दिन में 8-9 गिलास पानी–पीना आंखों के लिए हितकर होता है जो शरीर में बढ़ते हुए विषैले पदार्थों को नष्ट करता है।

## कंप्यूटर से उचित दूरी

आंखों की सेहत के लिए जरूरी है कि उचित प्रकाश में ही बैठकर काम किया जाएं, फिर चाहे आप कंप्यूटर पर काम कर रहे हो या फिर पढ़ाई। बहुत नजदीक से निरंतर किसी चीज को देखने या ज्यादा देर तक कम्प्यूटर के सामने बैठने के कारण आंखों में दर्द की शिकायत हो सकती है। इसलिए निरंतर आंखों पर जोर न डालें। बीच-बीच में अवकाश लेते रहें।

## आंखों की सफाई

आंखों के प्रति लापरवाही बरतने से आंखों से पानी आना, जलन, खुजली, आंखों का लाल होना, पीलापन आना, सूजना, धुंधला दिखने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इन समस्याओं से आंखों को बचाने के लिए नियमित रूप से आंखों की सफाई करनी चाहिए। इसके लिए आप आंखों को दिन में 3-4 बार ठंडे पानी से अच्छीं तरह से धोएं।

**भरपूर नींद लें**

आंखों को आराम देने के लिए पर्याप्त आठ घंटे की नींद लेनी चाहिए। और साथ ही आंखों के आसपास की त्वचा को पुष्ट करने के लिए बादाम के तेल से आंखों के नीचे हल्के हाथ से मालिश करनी चाहिए। इससे आंखों के नीचे काले घेरे भी दूर होते हैं। इसके अलावा आंखों के नीचे एंटी रिंकल क्रीम लगानी चाहिए। एंटी रिंकल क्रीम में मौजूद तत्व होते है विटामिन सी और ग्रीन टी, जो आंखों के काले घेरे बनने से रोकने में लाभकारी है

## अन्य उपाय

- आंखों में थकान होने पर गुलाब जल में रूई भिगोकर आंखों पर रखने से आंखों को राहत मिलती है।
- आंखों में दर्द होने पर दोनों हथेलियों को रगड़कर कुछ देर आंखों पर मलना अच्छा रहता है।
- कंप्यूटर पर काम करते समय अपनी कुर्सी को कंप्यूटर की ऊंचाई के हिसाब से रखें। जिससे आंखों पर बहुत अधिक जोर न पड़े और टीवी कभी अंधेरे में न देखें, इससे आंखों पर बहुत जोर पड़ता है।
- रात को सोने से पहले आंखों का मेकअप ध्यानपूर्वक हटाएं।

## समय-समय पर चेकअप कराएं

आंखों में कोई समस्या, हो या न हो लेकिन समय-समय पर आंखों का चेकअप कराना चाहिए। खासकर डायबिटीज के रोगियों को समय-समय पर आंखों का चेकअप जरूर करवाना चाहिए क्योंकि डायबिटीज से आंखों पर नकारात्मक असर पड़ता है और लंबे समय तक डायबिटीज रहने पर अंधापन भी हो सकता है।

## अच्छी क्वालिटी के उत्पादों का इस्तेमाल

आंखों को धूल-मिट्टी और धूप से बचाने के लिए बाहर निकलते समय आंखों पर शेड्स या चश्में का इस्तेमाल करना चाहिए। साथ ही आंखों के मेकअप के लिए अच्छी क्वालिटी के उत्पादों का ही इस्तेमाल करें। आंखों पर जरूरत के हिसाब से मेकअप करना चाहिए, यानी काजल, सुरमा जैसी चीजें लगाने से बचना चाहिए।

# दातों को प्रभावित कर सकता है तनाव...

**आप तनाव** के खतरनाक और जानलेवा दुष्प्रभावों से तो वाकिफ होंगे ही, लेकिन आपको यह भी मालूम होना चाहिए कि तनाव से दांत किटकिटाने या दांत चबाने की आदत भी पड़ जाती है, जिसके बारे में अधिकतर लोगों को पता ही नहीं होता। आपको मालूम होना चाहिए कि इस अनजान आदत का खामियाजा आपके दांतों को भुगतना पड़ सकता है।

दांत किटकिटाने की आदत अधिकतर तनाव के चलते होती है। यह आदत भले ही जानलेवा न हो, लेकिन इससे कई तरह की समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं जैसे दांतों, सिर और चेहरे संबंधित ढांचे का प्रभावति होना, दांतों का टूटना आदि। इससे पहले कि बहुत देर हो जाए और आपको इलाज की जरूरत पड़ जाए बेहतर होगा कि आप अपनी तनाव लेने की आदत का इलाज कर लें।

## ब्रूक्सिस्म' का शिकार

क्या किसी ने आपको कहा है कि आप नींद में दांत किटकिटाते हैं। क्या आप जबड़ों के दर्द, सरदर्द कंधे या गर्दन दर्द के कारण से जाग जाते हैं। क्या सुबह उठने पर आपके जबड़ों में दर्द होता है। क्या? आपको चेहरे के दूसरे तरफ दर्द होता है।क्या आपके दांत संवेदनशील हैं। अगर आपको इनमें से कोई भी समस्या है तो आप डेंटिस्ट से ज़रूर सम्पर्क करें । बहुत से विशेषज्ञों का ऐसा भी मानना है कि ब्रूक्सिस्म (दांत किटकिटाना) एक अनुवांशिक बीमारी है और बहुत से मरीज़ों को इस बीमारी का पता भी नहीं चल पाता । लेकिन तनाव को इस बीमारी का एक मुख्य कारक माना गया है ।

## ब्रूक्सिस्म से नुकसान

दांत किटकिटाना सुनने वाले के लिए चिडचिड़ाहट पैदा करने वाला विषय हो सकता है और मरीज के लिए शर्मिंदगी का विषय हो सकता है । लेकिन इससे होने वाली समस्याएं बड़ी भी हो सकती हैं और ऐसा भी जरूरी नहीं कि सभी समस्याएं दांतों से सम्बंन्धी ही हों । यह समस्या एंक्रेनियोफेशियल नर्व को भी प्रभावित कर सकती हैं । यह एक ऐसी गतिविधि होती है जो कि हमारी अवचेतन अवस्था में होती है इसलिए हमें इसका पता भी नहीं चल पाता और अधिकतर स्थितियों में यह सोते समय होता है इसलिए इसपर हमारा बस भी नहीं होता स्थितियों का पता तब लगता है जब कि इसी प्रकार दांत किटकिटाने पर एक दिन दांत टूट जाते हैं या फिर चेहरे पर सूजन आ जाती है । कुछ रात्रि में जागने वाले नींद के एक घण्टे में 40 मिनट तक दांत किटकिटाते हैं । ऐसा करने से दांतों की बाहरी सतह इनेमल के निकलने का खतरा रहता है और दांत टूट भी सकते हैं। इनेमल दांतों की सबसे बाहरी परत है, यह बहुत कठोर होती है और इसलिए यह दांतों को किसी भी प्रकार की क्षति से भी बचाता है। ऐसे में दांत, जबड़े, कानों में दर्द हो सकता है और यहां तक कि सरदर्द भी हो सकता है । मांस पेशियों पर लगातार दबाव पड़ने के कारण चेहरा चौकोर सा दिखने लगता है । वो लोग जो कि माइल्ड ब्रक्सिरजम से प्रभावित होते हैं वो शारीरिक और मानसिक तनाव के लक्षण भी दर्शाते हैं । यह समस्या कम उम्र के बच्चों में भी हो सकती है ।

## बचाव के तरीके

सोने से पहले तनाव से मुक्त होने का प्रयास करें । आप तनाव कम करने के लिए कम आवाज में गाने सुन सकते हैं । नाइट गार्ड आक्लूमजल स्पलिन्ट का प्रयोग करना । कुछ लोगों में इसके प्रभाव से दांतों का किटकिटाना बढ़ जाता है और कुछ में बिलकुल ही ठीक हो जाता है । इसे फिट करने के लिए दंत चिकित्सक के अस्पताल में जाना पड़ता है । यह प्लास्टिक का यंत्र होता है और यह दांतों में आगे से पीछे की ओर लगा होता है। कुछ लोगों में दांतों पर दबाव पड़ने के कारण स्लिनेकन्ट टेढ़े हो जाते हैं। ऐसी स्थितियों में स्लिनेकन्ट या गार्ड बदलने पड़ते हैं । दांतों के लिए एक्यूपंचर, मसाज, रिलैक्सेशन थेरेपी और मेडिटेशन की भी सलाह दी जाती है । प्रभावित मांस पेशियों में बटक्सि का इन्जेक्शन भी लगाया जा सकता है। जिससे कि मांस पेशियों में थकान नहीं होता । गुस्सा ,निराशा और आक्रामकता ऐसे कारण हैं जिनसे ब्रक्सिपज्म समस्या होती है । आराम से और अच्छी नींद लेना दांत किटकिटाने जैसी समस्या का समाधान हो सकता है ।

# औषधीय दृष्टि से बेजोड़ है तुलसी

**तुलसी पित्तनाशक,** वातनाशक, कुष्ठरोग निवारक, पसली में दर्द, खून में विकार, कफ और फोड़े-फुन्सियों के उपचार में रामबाण की तरह फायदा करती है। तुलसी न सिर्फ समाज में पूजनीय है, बल्कि इसमें कई औषधीय गुण भी हैं। इसका स्वाद भले ही कुछ लोगों को पसंद न आए, लेकिन सेहत के लिए यह बहुत फायदेमंद है। खासतौर पर दिल के लिए इसे अत्यंत उपयोगी माना जाता है।

## तुलसी के फायदे

कड़वी और तीखी तुलसी सांस, कफ और हिचकी को तुरन्त मिटा देती है। उल्टी होने, दुर्गन्ध, कुष्ठ, विषनाशक तथा मानसिक पीड़ा को मिटाने में बड़ी कारगर सिद्ध होती है। तुलसी की महत्ता के साक्ष्य बारे में कई ऐतिहासिक पुस्तकों में वर्णन मिलता है। इसका प्रयोग वैद्यों द्वारा बहुत पहले से होता आया है। मंदिरों में पूजा-अर्चना के पश्चात् गंगाजल में तुलसी के पत्तों को डालकर प्रसाद वितरण किया जाता है। इन सब प्रयोगों के पीछे एक ही संकेत है कि लोग तुलसी का प्रयोग अपनी दैनिक जीवनचर्या में निरन्तर करें तो कई बीमारियों से फायदा होगा।

**वायु शुद्ध करें**

जहां तुलसी के पौधे का आरोपण होगा वहां की वायु भी शुद्ध होगी और विषैले कीटाणु भी प्रभावहीन हो जाते है। यूनानी चिकित्सकों के मतानुसार तुलसी के सेवन से रोगाणु नष्ट होने लगते है। यह एक प्रकार की हृदय में शक्ति भर देने की महाऔषधि है। वायु को परिशोधित करने की शक्ति रखती है। उनकी दृष्टि में इस पौधे में अनेकों तरह के औषधीय गुण विद्यमान रहते है। एलोपैथी चिकित्सा प्रणाली में तो इसे सद्गुण सम्पन्न बताया गया है। विशेषज्ञों का कहना है कि तुलसी में मलेरिया रोग को भगाने की शक्ति विद्यमान है। सर्दी, खांसी, निमोनिया को नष्ट कर देती है।

स्वास्थ्य-संवर्धन की दृष्टि से तुलसी की गंध को अत्यधिक उपयोगी माना जाता है। इसकी पीली पत्तियों में हरे रंग के एक तैलीय पदार्थ की सत्ता समाहित है। हवा में इस औषधि के मिलने से कई कीटाणु समाप्त होते हैं। रात्रि को सोते समय यदि तुलसी को कपूर को हाथ-पैरों पर मालिश कर लिया जाए तो मच्छर पास नहीं आयेंगे। पानी में तुलसी डालकर प्रयोग करने से कई बीमारियां समाप्त होती हैं। तुलसी की पत्तियों को मिलकार जल नित्य प्रति सेवन करने से मुखमण्डल का तेज निखर कर आता है। तुलसी का प्रयोग करने से स्मरणशक्ति बढ़ती है। तुलसी में एक विशेष प्रकार का एसिड पाया जाता है जो दुर्गन्ध को भगाता है। भोजन के पश्चात तुलसी की दो-चार पत्तिया चबा लेने से मुंह से दुर्गंध नही आती है।

**कीटाणुओं का नाश करें**

## त्वचा के लिए गुणकारी

दमा अथवा तपैदिक के रोगी को तुलसी की लकड़ी अपने पास सदैव रखनी चाहिए। तुलसी की माला पहनने संक्रामक रोगों के फैलने का खतरा कम होता है। तुलसी विश्व प्रसिद्ध औषधि है और उच्चतम कोटि का रसायन है। तुलसी के प्रयोग से शरीर के सफेद दाग मिटते और सुन्दरता बढ़ती है। क्योंकि इसमें रक्त शोधन क्षमता विद्यमान है। नींबू के रस में तुलसी की पत्तियों का रस मिलाकर चेहरे पर लगाया जाये तो चर्मरोग मिटता है और चेहरा खिलता है। तुलसी की पत्तियों को सुखाकर उसमें दालचीनी, तेजपत्र, सौंफ, बड़ी इलायची, अगियाघास, बनफशा, लाल चंदन और ब्राह्मी को मिलाएं और कूट डालें। उस पाउडर को किसी कांच के बर्तन में रख लें। चाय के स्थान पर इसका प्रयोग करने से चाय की हानियों से भी बचेंगे और स्वस्थ भी रहेंगे।

# सिजेरियन डिलिवरी से कई दिक्कतें...

पिछले कुछ समय से सीजेरियन डिलीवरी ज्यादा हो रही हैं। सीजेरियन डिलीवरी, एक प्रकार की सर्जरी होती है जिसके द्वारा अप्राकृतिक रूप से प्रसव करवाया जाता है, इसमें गर्भाशय में चीरा लगाकर बच्चे को बाहर निकाल लिया जाता है। अन्य ऑपरेशन की तरह इसके बाद भी कई प्रकार की दिक्कतें भी झेलनी पड़ती हैं। महिलाएं, इस बारे में बिल्कुल भी जागरूक नहीं होती है कि सीजेरियन का असर उनके बच्चे के स्वास्थ्य पर किस प्रकार पड़ता है। जिस बच्चे का जन्म, सामान्य प्रसव से नहीं होता है उसकी इम्यूनिटी कम हो जाती है। ऐसी एक नहीं बल्कि कई अन्य समस्याएं भी होती हैं।

## शरीर कमजोर होना

सीजेरियन डिलीवरी होने के बाद महिला का शरीर ज्यादा कमजोर हो जाता है और वह, सामान्य प्रसव की अपेक्षा दो गुना रक्त खो देती है। सामान्य प्रसव में सिर्फ दर्द होता है लेकिन ऑपरेशन से प्रसव होने के बाद महिला का शरीर अंदर से काफी कमजोर हो जाता है, जो कि जीवनपर्यन्त समस्या बन जाती है। ऐसी महिलाओं को अस्थमा, डायबटीज और मोटापे की समस्या हो सकती है।

## बच्चे में मोटापा

कई अध्ययनों से यह बात सामने आई है कि बच्चों का प्रसव, ऑपरेशन से होने पर उनमें मोटापे की समस्या हो जाती है। मां के साथ-साथ बच्चे को भी मोटापे का भय रहता है, उनका वजन ज्यादा हो जाता है। उनकी उम्र के अन्य बच्चों की अपेक्षा वे ज्यादा भारी-भरकम नजर आते हैं। सामान्य प्रसव से पैदा होने वाले बच्चे, ऑपरेशन से पैदा होने वाले बच्चों की अपेक्षा 46 प्रतिशत ज्यादा स्वस्थ रहते हैं। ऐसे में बच्चे को अप्रत्यक्ष रूप से कई और भी दिक्कतें हो जाती है जिसकी जड़ मोटापा होता है।

## डायबिटीज का खतरा

बच्चे में टाइप 1 प्रकार की डायबिटीज का खतरा भी इस प्रकार के प्रसव की देन हो सकती है। उम्र से पहले ज्यादा उम्र का दिखना जैसी समस्या भी आम बात है। इंसुलिन की मात्रा भी संतुलित नहीं ही रहती है। ऐसे बच्चे, बचपन में इतने कमजोर होते हैं कि उनमें ताउम्र कोई न कोई समस्या बनी ही रहती है।

## बच्चे में सांस की समस्या

ऑपरेशन से होने वाले बच्चे को सांस संबंधी समस्या हो सकती है। एक शोध में यह बात सामने आई है कि सर्जरी से होने वाले बच्चों में ब्रोनकाईटिस आदि की समस्या ज्यादा होती है। जन्मनाल के माध्यम से न गुजरने के कारण बच्चा, प्राकृतिक रूप से कमजोर हो जाता है, उसकी इम्यूनिटी कम हो जाती है, उसे एलर्जी संबंधी समस्या भी जल्दी हो जाती है।

## रेसिपी

### पालक मंगौड़ी

**सामग्री**

1 3/4 कप कटी और हल्की उबली हुई पालक , सुलभ सुझाव देखें, 1 कप क्रश की हुई तैयार मूंग दाल मंगौड़ी, 1 टेबल-स्पून तेल, 2 टी-स्पून ज़ीरा, 1/2 कप बारीक कटा हुआ प्याज, 2 टी-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 1 टी-स्पून गरम मसाला, एक चुटकी हल्दी पाउडर, 1 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर

नमक स्वादअनुसार

**विधि**

पालक को मिक्सर में, बिना पानी का प्रयोग किए, पीसकर मुलायम प्युरी बना लें। एक तरफ रख दें। एक प्रैशर कुकर में, मंगौड़ी को 2 कप पानी के साथ मिलाकर, 3 सिटी तक प्रैशर कुक कर लें। ढ़क्कन खोलने से सारी भाप निकलने दें। पानी छानकर रख दें। एक चौड़े नॉन-स्टिक पैन मे तेल गरम करें और ज़ीरा डालें। जब बीज चटकने लगे, प्याज़ डालकर मध्यम आंच पर 1 मिनट तक भुन लें। अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, पालक की पयुरी, गरम मसाला, हल्दी पाउडर, लाल मिर्च पाउडर, नमक और 1/4 कप पानी डालकर अच्छी तरह मिला ले और लगातार हिलाते हुए, मध्यम आँच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। पकी हुई मंगौड़ी डालकर अच्छी तरह मिला लें और बीच-बीच मे हिलाते हुए, मध्यम आँच पर 3 से 4 मिनट तक पका लें। तुरंत परोसें।

**HEALTH**

## उच्च वसायुक्त आहार से खुद को रखें दूर

# स्वभाव में बदलाव ला सकता है भोजन

*अत्यधिक वसायुक्त भोजन आपके मस्तिष्क के स्वास्थ्य पर भी असर डालता है, जिसके चलते आपके स्वभाव में भी बदलाव आ सकता हैं। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक अध्ययन में यह बात सामने आई हैं कि यह बदलाव घबराहट, स्मृतिलोप और बर्ताव में दोहराव के रूप में हो सकता है। एक शोध से पता चला है कि जो लोग मोटे न हों उन्हें भी उच्च वसायुक्त आहार से बचना चाहिए।*

### मनुष्य और सूक्ष्मजीवों के बीच सहजीवी संबंध होते हैं बाधित

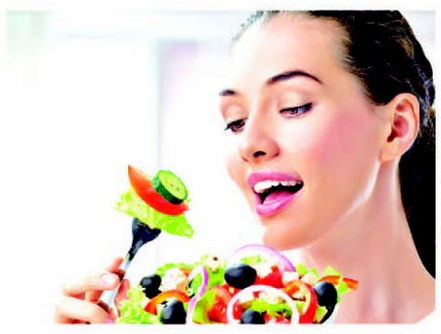

शोधकर्ताओं के अनुसार, उच्च वसायुक्त भोजन के कारण उदर में पाए जाने वाले जीवाणुओं में परिवर्तन के कारण स्वास्थ्य एवं बर्ताव में इस तरह का हल्का सा परिवर्तन पैदा होता है। बॉयोलॉजिकल साइकियाट्री के संपादक जॉन क्रिस्टल का कहना है, इस शोध पत्र के अनुसार उच्च वसायुक्त आहार के कारण मनुष्यों एवं सूक्ष्मजीवों के बीच सहजीवी संबंध के बाधित होने के कारण हमारे मस्तिष्क के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। अमेरिका के लूसियाना स्टेट विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने इस बात की जांच की कि क्या मोटापा से जुड़े सूक्ष्मजीवी बर्ताव में भी परिवर्तन लाते हैं और यह मोटापा न होने की सूरत में भी क्या संभव है। यह प्रयोग चूहे पर किया गया।

### टीवी देखने से बढ़ता है मधुमेह का खतरा

टीवी के सामने बिताया जाने वाला हर एक घंटा मधुमेह के रोग होने के खतरे को 3 प्रतिशत तक बढ़ाता है। वर्ष 2002 में हुए एक शोध में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के डाटा का शोधार्थियों ने इस अध्ययन में प्रयोग किया। इस शोध में 1996 से 1999 के बीच 3234 मोटापे से ग्रस्त 25 साल से ज्यादा उम्र के अमेरिकी वयस्कों को शामिल किया गया था। ताजा अध्ययन एक जर्नल में प्रकाशित हुआ है। इसके मुताबिक टीवी देखने में बिताए गए हर एक घंटे से मुधमेह के बढ़ने के खतरे में लगभग 3.4 प्रतिशत तक की वृद्धि देखी गई।

## रेसिपी

### फण्सी ढ़ोकली

**सामग्री**

**ढ़ोकली के लिए:** 3 टेबल-स्पून बेसन, 1 टेबल-स्पून गेहूं का आटा, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1/4 टी-स्पून हींग, 2 चुटकी अजवायन, 1/2 टी-स्पून तेल, नमक स्वादअनुसार

**अन्य सामग्री:** 2 कप कटी हुई फण्सी, 2 टी-स्पून तेल 1 टी-स्पून अजवायन, 1/4 टी-स्पून हींग, 1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, एक चुटकी शक्कर, नमक स्वादअनुसार,

**सजाने के लिए:** 1 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया

**विधि**

**ढ़ोकली के लिए:** सभी सामग्री को एक बाउल में मिलाकर, जरुरत मात्रा में पानी मिलाकर हल्का नरम आटा गूंथ लें। आटे को 30-35 भाग में बांट ले। प्रत्येक भाग को अपने अंगूठे से दबाकर छोटी गोल ढ़ोकली बना लें। एक तरफ रख दें।

**आगे बढ़ने की विधी:** एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें, अजवायन और हींग डालकर कुछ सेकन्ड तक भुन लें। फण्सी, 1 कप पानी, लाल मिर्च पाउडर, शक्कर और नमक डालकर मध्यम आंच पर, बीच-बीच में हिलाते हुए, 5 से 7 मिनट या फण्सी के नरम होने तक पका लें। ढ़ोकली डालकर, बीच-बीच में हिलाते हुए, और 10-12 मिनट के लिए धिमी आँच पर पका लें। धनिया से सजाकर गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
**संपादक : राकेश शर्मा,** मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 ( संपादकीय )** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **( सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन )**